–हजारी प्रसाद द्विवेदी

Rashmika Mandanna Confirm Film...

Ranchi ● Wednesday, 21 August 2024 ● Year: 02 ● Issue: 213 ● Ranchi Edition ● Page: 12 ● Price: ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper: epaper.thephotonnews.com

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

: 80,802.86 24,698.85

6,830 चांदी

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में आज भारत बंद

NEW DELHI: बुधवार को आरक्षण बचाओ संघर्षे समिति ने भारत बंद का एलान किया है। इस राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण पर फैसला सुनाने के विरोध में किया गया है। आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के अलावा कई दूसरे संगठनों ने भी इस बंद का समर्थन किया है। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत बंद के मद्देनजर पुलिस ने भी बड़ी तैयारी की है और सभी जिलों में कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं ताकि किसी तरह की कोई गडबडी ना हो। विरोध– प्रदर्शन के दौरान किसी भी तरह का तनाव ना हो, इसके लिए पुलिस की तैनाती बढाने के आदेश दिए गए हैं। भारत बंद के दौरान किसी तरह की हिंसा ना हो, इसे ध्यान में रखते हुए बड़े पुलिस अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए तैयारियों का जायजा लिया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश को खासतौर पर संवेदनशील माना गया है और यहां पुलिस को हाई अलर्ट

बदलापुर हैवानियत मामले में 3 पुलिसकर्मी सस्पेंड

BADLAPUR: बदलापुर हैवानियत मामले को लेकर प्रदेश सरकार ने तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय ने ट्वीट कर कहा है कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ठाणे पुलिस आयुक्त को बदलापुर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, सहायक उप-निरीक्षक और हेड कांस्टेबल को तुरंत निलंबित करने का आदेश दिया है। इन पर आरोप है कि इन्होंने घटना के बाद शुरूआती चरण में कार्रवाई में देरी की थी। वहीं, घटना को लेकर एसआईटी का गठन किया गया है। मामले की आगे की जांच एसआईटी करेगी। बदलापुर के एक स्कूल में बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न के मामले की जांच का जिम्मा एसआईटी को

अजमेर सेक्स स्कैंडल के ६ दोषियों को उम्रकैद

AJMER: मंगलवार को अजमेर में 32 साल पहले हुए देश के सबसे बड़े सेक्स स्कैंडल के 6 दोषियों को जिला अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई। इसके साथ ही उन पर 5-5 लाख का जुमार्ना भी लगाया है। कोर्ट ने नफीस चिंश्ती (54), नसीम उर्फ टार्जन (55), सलीम चिश्ती (55), इकबाल भाटी (52), सोहिल गनी (53), सैयद जमीर हुसैन (60) को उम्रकैद की सजा सुनाई। सजा सुनाते वक्त सभी 6 दोषी कोर्ट में थे। एक आरोपी इकबाल भाटी को एम्बुलेंस से दिल्ली से अजमेर लाया गया था। स्कैंडल के वक्त इन सभी की उम्र 20 से 28 साल थी। साल 1992 में 100 से ज्यादा कॉलेज गर्ल्स के साथ गैंगरेप और उनकी न्यूड फोटो सकुर्लेट होने पर तहलका मच गया था। कई छात्राओं ने बदनामी के डर से सुसाइड कर लिया था।

कोल्हान के 4 जेएमएम एमएलए संग हेमंत ने किया सियासी मंथन

हेमंत सरकार में मंत्री चम्पाई सोरेन को लेकर राज्य में सियासत का पारा चढ़ा हुआ है। इस बीच जानकारी मिल रही है कि मंगलवार को कोल्हान प्रमंडल के चार झामुमो विधायक सीएम आवास पहुंचे। सभी विधायकों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से 2 घंटे तक सियासी मंथन किया। बीतचीत के बाद उन्होंने मीडिया से बीतचीत में कहा कि झामुमो से बाहर जाने का सवाल ही नहीं उठाता है। सीएम के साथ झाममो के जिन चार विधायकों की बातचीत हुई, उनमें बहरागोड़ा से समीर मोहंती. घाटशिला से रामदास सोरेन, जगसलाई से मंगल कालिंदी और पोटका से संजीव सरदार

विधायक समीर मोहंती, रामदास सोरेन, मंगल कालिंदी और संजीव सरदार मीटिंग में हुए शामिल

• 2 घंटे तक चली बैठक में सिर्फ सियासी मुहों पर हुई चर्चा

• सबने स्पष्ट रूप से कहा- झामुमो से बाहर जाने का सवाल ही नहीं

चम्पाई बोले- मेरी किसी से नहीं हुई मुलाकात

'टाइगर' की 'दहाड़' पर लगा समय का पहरा

चम्पाई सोरेन का विरोध शुरू

बातचीत के बाद सभी विधायक सीएम आवास से बाहर निकले। इस दौरान समीर मोहंती ने कहा कि हम हेमंत सोरेन के साथ हैं। मेरी कभी भी बीजेपी के साथ जाने की बात नहीं हुई थी। चम्पाई सोरेन कहां जा रहे हैं, क्या कर रहे हैं? यह उनका निजी फैसला है। मुझे उनसे कुछ लेना देना नहीं है। वहीं, रामदास सोरेन ने कहा कि वह अपने क्षेत्र की समस्या को लेकर आए हुए घटनाक्रमों के बाद चम्पाई थे। झामुमो से बाहर जाने सोरेन का इंडिया गढबंधन में विरोध होने शुरू हो गया है।

साथ-साथ कुछ अन्य विधायकों के भी बीजेपी के संपर्क में होने की बात कही जा रही थी। लेकिन, सभी विधायकों ने इन अफवाहों को खारिज कर दिया। हालांकि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने उनके बीजेपी में शामिल होने को लेकर कहा कि अभी इस तरह की कोई बातचीत नहीं हुई है। इधर, इन

गुरुजी से बात के बाद नरम पड़े पूर्व सीएम चम्पाई, बोले- शिबू सोरेन मेरे लिए मगवान

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह झामुमो नेता चम्पाई सोरेन नरम पड़ गए हैं। बताया जाता है कि झामुमो के सुप्रीमो गुरुजी शिबू सारेन से दो राउंड फोन पर बातचीत हुई। इसके बाद उन्होंने फिलहाल अपना निर्णय बदला है। कहा कि शिबू सोरेन मेरे लिए भगवान हैं। चम्पाई ने कहा कि दिल्ली में मैंने किसी भी भाजपा नेता से मुलाकात नहीं की। मैं दिल्ली किसी निजी काम से आया था। मेरा भाजपा



नेताओं से मिलने का कोई कार्यक्रम नहीं था। भाजपा में शामिल होने की अफवाहों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं समझ पा रहा हूं कि यह सब कौन कह रहा हैं। इधर सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पार्टी

सप्रीमो गुरूजी शिबू सोरेन ने चम्पाई से दो राउंड की बात की। इसके बाद चम्पाई सोरेन नरम पड़े। चम्पाई ने कहा कि मैंने कभी भी नहीं कहा कि मैं भाजपा में शामिल होने के लिए दिल्ली जा रहा हं। मुझे बदनाम कर मेरी छवि को धूमिल किया जा रहा है। मैं दिल्ली अपनी बेटी से मिलने के लिए गया था वहां रक्षा बंधन में रुक गया था। मैंने किसी भी भाजपा के नेता से मुलाकात नहीं की।

सीजेआई की अध्यक्षता में तीन जजों की बेंच ने की सुनवाई

डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट ने बनाई नेशनल टास्क फोर्स

रेप-मर्डर केस

AGENCY NEW DELHI:

मंगलवार को कोलकाता रेप-मर्डर मामले में सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस (सीजेआई) डीवाई चंद्रचुड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने सुनवाई की। सीजेआई ने कहा-डॉक्टर्स की सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए टास्क फोर्स बना रहे हैं, इसमें 9 डॉक्टर्स को शामिल किया गया है, जो मेडिकल प्रोफेशनल्स की सरक्षा, वर्किंग कंडीशन और उनकी बेहतरी के उपायों की सिफारिश करेगी। टास्क फोर्स में केंद्र सरकार के पांच अधिकारी भी शामिल किए गए हैं। कोर्ट ने सीबीआई से 22 अगस्त तक स्टेटस रिपोर्ट और राज्य सरकार से घटना की रिपोर्ट मांगी है। आरजी कर अस्पताल की सरक्षा का जिम्मा सीआईएसएफ को दिया गया। केस की अगली सनवाई 22 अगस्त को होगी।

टास्क फोर्स में ९ डॉक्टर और केंद्र सरकार के पांच अधिकारी शामिल



बंगाल सरकार को फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि जब आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के प्राचार्य का आचरण जांच के घेरे में है तो उन्हें कैसे तुरंत किसी दूसरे कॉलेज में नियुक्त कर दिया गया। कोर्ट ने मामले में प्राथमिकी दर्ज करने में देरी को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार अस्पताल के प्राधिकारी क्या कर रहे थे।

RMLH में स्टाइक खत्म सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दिल्ली के राम

मनोहर लोहिया हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने हडताल खत्म कर दी। वहीं पर्व भारतीय क्रिकेटर सौरव गांगुली २१ अंगस्त को पत्नी डोना के साथ प्रदर्शन करेंगे। फेडरेशन ऑफ आल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट के नेशनल टास्क फोर्स बनाने के फैसले का स्वागत किया है। दरअसल, ९ अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या की गई थी। उसके बाद डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया। अगस्त की देर रात इसी अस्पताल में भीड़ ने घसकर तोडफोड की थी।

कानुन व्यवस्था पुरी तरह विफल : सॉलिसिटर जनरल

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में कहा पश्चिम बंगाल को चीजों को नकारने की स्थिति में न रहने दें, राज्य में कानून एवं व्यवस्था पूरी तरह से विफल हो गयी है। सात हजार लोगों की भीड़ कोलकाता पुलिस की जानकारी के बिना आर जी कर अस्पताल में नहीं घुस सकती है। इस मामले की सनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा- पीड़िता के परिवार को बॉडी नहीं देखने दिया गया। 7000 लोग अस्पताल में घुसे, पुलिस क्या कर

हडताल वापस

लेंने का भी आह्वान किया है। कोर्ट ने कहा कि उसने स्वतः संज्ञान लिया है क्योंकि यह मामला देशभर में डॉक्टरों की सुरक्षा से जुड़े व्यवस्थागत मुद्दे को उठाता हैँ। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि महिलाएं काम पर नहीं जा पा रही हैं और काम करने की स्थितियां सुरक्षित नहीं हैं तो हम उन्हें समानता से वंचित कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार को प्रदर्शनकारियों पर बल का प्रयोग नहीं करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डॉक्टरों से आग्रह है कि वे काम पर लौट जाएं। हम उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यहां हैं। हम इसे हाईकोर्ट के लिए नहीं छोड़ सकते हैं। ये बड़ा राष्ट्रहित का मामला है।सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता में डॉक्टर से दुष्कर्म-हत्या की घटना पर कहा कि ऐसा लगता है कि अपराध का पता सबह–सबह ही चल गया था लेकिन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने इसे आत्महत्या बताने की कोशिश की।

सीएम ने किया अलर्ट मंईयां योजना का राशि हस्तांतरण कॉल फर्जी

PHOTON NEWS RANCHI: मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत

सोरेन ने झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लिए निबंधित महिलाओं को राशि हस्तांतरण से संबंधित आ रहे कॉल को गंभीरता से लिया है। इस संबंध में उन्होंने कहा, झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के संदर्भ में सूचना आ रही है कि कई लाभुकों के मोबाइल नंबर पर योजना को लेकर कॉल आ रहे हैं, जो पूरी तरह से फर्जी हैं। इसलिए योजना के तहत निबंधित बहन-बेटियों से आग्रह है कि योजना के संदर्भ में या राशि हस्तांतरण से संबंधित कॉल आने पर ओटीपी या अपने बैंक खाते से संबंधित जानकारी कॉल करने वाले के साथ साझा कदापि नहीं करें। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि झारखंड सरकार इस योजना को लेकर किसी तरह का कॉल नहीं कर रही है। अतः आप सभी सतर्क रहें और ऐसे कॉल आने पर अपने बैंक खाता की

RANCHI: बुधवार के भारत बंद

कार्यक्रम बदल गया है। अब वह 21

गढ़वाँ, पलामू और लातेहार के लिए

मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों को

पहली किस्त की राशि २१ अगस्त

को जारी होनी थी। अब 22 अगस्त

सोरेन योजना की राशि जारी करेंगे।

को जारी होगी। मुख्यमंत्री हेमंत

चियांकि हवाई अड्डा पर उनका

कार्यक्रम होगा। इस योजना की

शुरूआत पाकुड़ से हो चुकी है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का कार्यक्रम

निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री के

मुख्यमंत्री चियांकी हवाई अड्डा से ही

पलामू के चियांकी हवाई अड्डा पर

कार्यक्रम को लेकर पलामूँ जिला

प्रशासन तैयारी में जुट गई है।

पलामू, गढ़वा और लातेहार के

को देखते हए राज्य के मख्यमंत्री

हेमंत सोरेन के पलामू दौरे का

अगस्त के बदले 22 अगस्त को

पलाम दौरे पर रहेंगे। बता दें कि



ओटीपी या अपने बैंक खाते से संबंधित जानकारी कभी नहीं करें शेयर

• सरकार की ओर से नहीं जा रहा फोन

जानकारी नहीं दें। तेजी से बढ़ रहे ऑनलाइन फ्रॉड से बचना बहुत जरूरी है। कई लोग मैसेज या कॉल. बैंक फेक कॉल करके फ्रॉड कर रहे हैं। एमएसएस व्हाट्सएप, मेल या टेलीग्राम के जरिए भी मैसेज आ सकते हैं, इसलिए आप सभी से आग्रह है

नहीं था इसमें आरक्षण का प्रावधान, राहुल गांधी ने जोर-जोर से उठाया था मुहा

यूपीएससी में लेटरल एंट्री पर केंद्र सरकार की रोक

AGENCY NEW DELHI:

मंगलवार को युनियन पब्लिक सर्विस कमिशन (यपीएससी) ने लेटरल एंट्री से होने वाली नियुक्ति का प्रस्ताव रद्द कर दिया है। बता दें कि यूपीएससी ने 17 अगस्त को लेटरल एंट्री के जरिए 45 पोस्ट के लिए वैकेंसी निकाली थी। केंद्रीय कार्मिक मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएससी चेयरमैन से नोटिफिकेशन रद्द करने को कहा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के कहने पर यह फैसला लिया गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा था कि

राहला गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि लेटरल एंट्री जैसी साजिशों का विरोध किया जाएगा। साथ ही संविधान और आरक्षण व्यवस्था की हर कीमत पर रक्षा करेंगे। राहुल ने अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली की यात्रा के दौरान भी इस बात को दोहराया था। खड़गे बोले- कांग्रेस ने भाजपा के आरक्षण छीनने

लेटरल एंट्री में आरक्षण का वालों की लोकसेवकों में भर्ती प्रावधान नहीं है। उन्होंने आरोप कर रही है। राहल के आरोप के जवाब में कानून मंत्री अर्जुन राम लगाया था कि लेटरल एंट्री के मेघवाल ने कहा कि 1976 में पर्व एसटी-एससी ओबीसी का हक छीना जा रहा पीएम मनमोहन सिंह को लेटरल है। मोदी सरकार आरएसएस एंट्री के जरिए ही फाइनेंस सेक्रेटरी

के मंसबों पर पानी फेरा केंद्र सरकार के लेटरल एंट्री नोटिफिकेशन को रद्द करने के फैसले पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया पर लिखा- हमारे

दलित, आदिवासी, पिछडे और कमजोर

वर्गों के सामाजिक न्याय के लिए कांग्रेस

पार्टी की लड़ाई ने भाजपा के आरक्षण

हर हाल में आरक्षण की करेंगे रक्षा : नेता प्रतिपक्ष

छीनने के मंसुबों पर पानी फेरा है। बनाया गया था। इसी तरह मोंटेक सिंह अहलूवालिया को योजना आयोग का उपाध्यक्ष और सोनिया गांधी को नेशनल एडवाइजरी काउंसिल (एनएसी)

श्रद्धालुओं से भरा ऑटो ट्रक से टकराया, सात लोगों की गई जान

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में हुए भीषण सडक हादसे में सात लोगों की जान चली गई है। छह लोग घायल हो गए। हादसा सिविल लाइन थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-39 पर ग्राम कदारी के पास हुआ। मृतकों में बुजुर्ग और डेढ़ साल की बच्ची भी है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। चार घायलों की स्थिति गंभीर है। टुडे ग्वालियर रेफर किया गया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है। सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मिक चौबे ने बताया कि उत्तर प्रदेश के महोबा रेलवे स्टेशन से 13 श्रद्धालु ऑटो में सवार होकर थे। राष्ट्रीय राजमार्ग-39 पर ग्राम कदारी के पास पहुंचा था, तभी चालक को झपकी आ गई और ऑटो ट्रक से जा टकराया। छतरपुर के पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने बताया कि हादसे में पांच लोगों की घटनास्थल पर मौत हो गई थी, जबिक दो ने अस्पताल में दम तोड़ा। मृतकों में ऑटो चालक प्रेम नारायण कुशवाहा, जनार्दन

BHOPAL: मंगलवार की सुबह

दर्शन के लिए बागेश्वर धाम जा रहे यादव, मनु श्रीवास्तव, नन्हे, गोविंद, लालू और डेढ़ साल की बच्ची अंशिका हैं।

लाखों लाभुकों को मंईयां योजना के तहत राशि को जारी करेंगे। यह योजना की पहली किस्त होगी। पलामू डीसी शशि रंजन ने बताया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर बड़ी संख्या में पुलिस वालों की तैनाती की जा रही है। कार्यक्रम स्थल पर तीन स्तर की सरक्षा व्यवस्था की जा रही है। 3000 से भी अधिक पुलिस जवानों की तैनाती की जा रही है और सैकड़ों की संख्या में दंडाधिकारी लगाए जा रहे हैं। झारखंड में 21 से 50 साल की महिलाओं को हर महीने हजार रुपये योजना के तहत दी जाएगी। हर महीने इस उम्र की योग्य महिलाओं के बैंक खाते में 15 तारीख तक एक हजार रुपए भेज दिए जाएंगे। इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्रता झारखंड का निवासी होना है। वैसी

महिलाएं जो सरकारी या निजी

नौकरी में ऊंचे पद पर हैं।

नहा रहे शख्स ने डूबते देखा, रेखयू में जुटी पुलिस

भारत बंद को देखते हए सीएम हेमंत सोरेन

का बदला कार्यक्रम, अब पलामू दौरा कल

चांडिल डैम में डूब गया जमशेदपुर से उड़ा जहाज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR: मंगलवार को दिन में करीब 11

बजे सोनारी एयरपोर्ट से उड़े ट्रेनी विमान के चांडिल डैम में डूबने की सूचना मिली है। डैम के पास नहा रहे स्थानीय निवासी रुसु माझी ने जहाज को डैम में डूबते हुए देखा। रुसु ने इसकी सूचना गांव वालों को दी, पर गांव वालों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। रुसू ने 'द फोटोन न्यूज' को बताया कि वह दोपहर 12 बजे डैम के पास नहाने के लिए गया था। उसने देखा कि एक विमान हवा में उड़ रहा है। पहले जहाज आगे की ओर गया और फिर घूमकर वापस आ रहा था। डैम के ऊपर ही विमान का



गायब हुआ विमान इस तरह दिखता है। (सांकेतिक फोटो)

इंजन आवाज के साथ बंद हो गया। पायलट ने विमान के इंजन को शुरू करने की कोशिश की, पर इंजन शुरू नहीं हो रहा था। जानकारी के मुताबिक, जहाज इंस्ट्रक्टर कैप्टन जीत सतारु हैं। वह पटना के रहने वाले हैं। उनके साथ ट्रेनिंग करने वाले ट्रेनी पायलट शुभ्रोदीप दत्ता आदित्यपुर इच्छापुर बस्ती के रहने वाले हैं।

सीआरपीएफ-बीएसएफ में 57 नई बटालियन बनाने की मिली मंजूरी

नई ताकत से लैस होगी बॉर्डर-आंतरिक सुरक्षा

बॉर्डर और आंतरिक सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ी पहल की है। सीआरपीएफ और बीएसएफ में '57' नई बटालियनों के सृजन को मंजूरी दी गई है। इससे बॉर्डर और आंतरिक सुरक्षा को नई ताकत मिलेगी। साथ ही दोनों बलों में पदोन्नति की समस्या से जूझ रहे कैडर अधिकारी एवं निचला स्टाफ भी राहत महसूस करेंगे। हालांकि ये राहत वन टाइम होगी। दोनों ही बलों में इंस्पेक्टर से लेकर कमांडेंट और डीआईजी रैंक तक में नए पद सृजित होंगे। सूत्रों का कहना है, लंबे समय से सीआरपीएफ में 35 और बीएसएफ में 22 बटालियनों के सृजन की फाइल गृह मंत्रालय में विचाराधीन थी। सूत्रों के मुताबिक, इस फाइल को

शीर्ष नेतृत्व की मंजूरी मिल गई है। हालांकि अभी

आधिकारिक आदेश आना बाकी है। फिलहाल ये

तय नहीं है कि सीआरपीएफ व बीएसएफ की नई

बटालियनों के सुजन के कितने चरण होंगे और

कितना समय लगेगा।

इंस्पेक्टर से लेकर कमांडेंट और डीआईजी रैंक तक में सुजित होंगे नए पद बीएसएफ में बनेंगे 22 कमांडेंट



पौने तीन सौ इंस्पेक्टरों को फायदा की उम्मीद

सीआरपीएफ की बात करें तो करीब पौने तीन सौ इंस्पेक्टरों को फायदा हो सकता है। लंबे समय से पढोळाति का इंतजार कर रहे निरीक्षकों को राहत मिल सकती है। उन्हें सहायक कमांडेंट के पढ़ पर पढ़ोन्नति दे

दी जाएगी। 35 बटालियनों के सृजन के हिसाब से लगभग पौन दो सौ सहायक कमांडेंट डीसी बन जाएंगे। इसी तरह सौ से अधिक डिप्टी कमांडेंट, दूआईसी बन सकते हैं। 35 ट्आईसी, कमांडेंट बन जाएंगे।

इसी तरह बीएसएफ में भी 150 से अधिक सहायक कमांडेंट, डिप्टी कमांडेंट बन

जाएंगे। २२ कमांडेंट भी बनेंगे। इनके अलावा साठ से ज्यादा टूआईसी भी बनेंगे। केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ में सवा तीन सौ के करीब इंस्पेक्टरों को भी एक रैंक आगे बढने का अवसर मिलेगा। बीएसएफ के लिए दो नए सेक्टर/21 यूनिटों की बात कही जा रही है। इनमें से मिजोरम के लिए एक सेक्टर व तीन यूनिट खड़ी की जा सकती हैं। आईसीपी के लिए पांच यूनिट, सिलीगुड़ी कॉरिडोर के लिए 2 यनिट तैयार करने की बात है। जलपाईगुड़ी में एक यूनिट और पांच यूनिट, रिजर्व बटालियन की सुजित की जा सकती हैं।

सिपाही को हवलदार बनने में लगते १८ साल

सिपाही को हवलदार बनने में 18 से 20 साल लग रहे हैं। इंस्पेक्टर को सहायक कमांडेंट तक पहुंचने में 13 साल से ज्यादा वक्त लग रहा है तो वहीं ग्राउंड कमांडर को अपने करियर की पहली पदोन्नति के लिए 15 वर्ष का इंतजार करना पड रहा है। कैंडर अधिकारियों की पदोब्बति का मामला तो सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है, मगर कोई राहत नहीं मिल रही। सीआरपीएफ डीजी अनीश दयाल सिंह ने कुछ समय पहले ही कैडर अधिकारियों की पदोन्नति एवं दूसरे मुद्दों का हल निकालने के लिए बोर्ड आफ ऑफिसर गितित किया था।

मार डाला, आरोपी पति फरार

Wednesday, 21 August 2024 लोहरदगा में पत्नी को कुदाल से

मुख्यमंत्री आवास घेराव के लिए 23 को हजारों कार्यकर्ता रांची कूच करेंगेः भाजपा

राज्य की निकम्मी और भ्रष्ट सरकार को सत्ता से हटाने के लिए भाजपा युवा मोर्चा द्वारा 23 अगस्त को रांची में विशाल आक्रोश रैली निकाली जायेगी और मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। यवा आक्रोश रैली में तोरपा विधानसभा क्षेत्र से चार हजार से अधिक कायकर्ता भाग लेंगे। ये बातें तोरपा के विधायक कोचे मुंडा ने मंगलवार को तोरपा स्थित नगर भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। विधायक ने कहा कि रैली के माध्यम से हेमंत सोरेन सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार ने जनता से किया एक भी वादा पुरा नहीं किया। कोचे मंडा ने कहा कि इस सरकार के शासनकाल में बिना घुस दिये किसी सरकारी कार्यालय



• फोटोन न्यूज कहा कि चुनाव के दौरान घोषााण भत्ता देने, प्रत्येक घर में एक की ई थी कि साल में पाच लाख सरकारी नौकरी, पारा शिक्षकों को लोगों को रोंजगार दिया जाएगा, पर स्थायी करने, सहायक पुलिसकर्मी इसे सरकार पूरा नहीं कर सकी। को स्थायी करने, सचिवालय कर्मी उन्होंने कहा कि झुठे वादे कर वर्ष की सेवा स्थायी करने, हर प्रखंड 2019 के चुनाव में सतासीन होते में डिग्री खोंलने इन सभी वादों पर ही लूट-खसोट में लग गई और हेमंत सरकार ने कुद नहीं किया। झारखंड को बर्बाद का दिया। विधवाओं को डाई हजार पेंशन भाजपा राज्य को बबार्दी से बचाने देंने, स्वास्थ्य केंद्र और उप केंद्र में के लिए सड़क से विधानसभा तक डॉक्टर की व्यवस्था करने, दाखिल खारिज, आय, आवासीय और मुखर है। हेमंत सरकार ने घोषणा की थी कि शिक्षित यवाओं को पांच से सात हजार रुपये बेरोजगारी

23 को रांची जाएंगे जमशेदपुर के कार्यकर्ता



JAMSHEDPUR : भाजयुमो की ओर से 23 अगस्त को रांची के मोरहाबादी मैदान में युवा आक्रोश रैली होगी, जिसमें जमशेदपुर से भी कई कार्यकर्ता शामिल होंगे। इस संबंध में मंगलवार को साकची स्थित भाजपा के जिला कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान सांसद बिद्युत बरण महतो, जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा, जिला मीडिया प्रभारी प्रेम झा, भाजयुमो जिलाध्यक्ष नीतीश कुमार समेत अन्य ने बताया कि इसमें युवा विरोधी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास को घेरकर पिछले ५ वर्षों का हिसाब मांगा जाएगा। बुधवार शाम ५ बजे भाजपा जमशेदपुर महानगर के तत्वावधान में मशाल जुलूस निकालकर युवाओं के अधिकारों का हनन कर ढगने वाली हेमंत सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया जाएगा।

नहीं पडेगा. लेकिन राज्य सरकार एक भी वादा पूरा नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि इस बार हेमंत सोरेन को गद्दी से उखाड़ने के लिए युवा संकल्पबद्ध हैं। विधायक ने

कभी भी खुल सकता है पतरातू डैम का गेट नदियों में बढ़ रहा जलस्तर



24 घंटे में हुई बारिश की वजह से नलकारी नदियों का जलस्तर काफी बढ गया है, जिसकी वजह से पतरातू डैम में पानी खतरे के निशान तक पहुंच गया है। पतरात् डैम का गेट कभी भी खुल सकता है, जिसकी वजह से दामोदर नदी और अन्य नदियों का जलस्तर भी अचानक बढ़ने की संभावना है। रामगढ़ जिला प्रशासन ने पतरातू डैम के गेट को खोले जाने को लेकर हाई अलर्ट जारी कर दिया है। डीसी चंदन कुमार ने मंगलवार की शाम बताया कि लगातार हो रही बारिश से पतरातू डैम के नलकारी नदी में बढ़ रहे जलस्तर परिसंपत्ति पीटीपीएस पतरातु द्वारा

घटनास्थल पर जुटे ग्रामीण

LOHARDAGA : जिले के भंडरा थाना क्षेत्र के भंडरा मलार टोली में बीती रात पति ने पत्नी के ऊपर कुदाल से हमला कर उसकी

घटना के बाद आरोपत पति फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक मलार टोली निवासी बेनामी मलार 35 वर्षीय पत्नी राखी मलार के साथ सोमवार को सावन पूर्णिमा के अवसर पर अखिलेश्वर धाम मे

बेनामी मलार ने घर में रखी कुदाल से मारकर उसकी हत्या कर दी। आज सुबह राखी का छोटा बेटा सत्यम मलार पास ही अपने मामा के घर से पहुंचा तो उसने मां को

इसके बाद ग्रामीणों को घटना की जानकारी हुई। ग्रामीणों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। भंडरा पुलिस थाना प्रभारी अरबिंद सिंह ने बताया कि शव को अस्पताल लोहरदगा भेज दिया गया है और जांच-पड़ताल शुरू

BRIEF NEWS अवैध बालू लदे पांच टाटा ४०७ जब्त

में कोई भी काम नहीं हुआ। उन्होंने



DHANBAD : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा के निर्देश पर जिला में खनिज संपदा के अवैध खनन, भंडारण व परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई जारी रखते हुए अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक ने मंगलवार की सुबह औचक जांच अभियान चलाया। इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि आज सुबह हीरापुर के विवेकानंद चैक पर औचक जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान अवैध बालू लदे 5 टाटा 407 को जब्त किया गया। आगे की कार्रवाई करने के लिए सभी वाहनों को थाना को

सुपुर्द किया गया है। ट्रेन की चपेट में आकर

DUMKA : जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के गुजीसिमल गांव के पास ट्रेन की चपेट में आकर 20 वर्षीय रशीदा खातून की मौत हो गई है। घटना बीते शाम की है। रशीदा का ससराल शिकारीपाडा थाना क्षेत्र के करमाटांड गांव में है। तीन दिन पूर्व रशीदा अपने पति सफाउल अंसारी के साथ अपने मायके मुफस्सिल थाना के मुर्गाबनी गांव गई थी। एक दिन बाद उसका पति वापस अपने घर करमाटांड लौट आया। रशीदा कल सोमवार को दोपहर के 1:00 बजे घर से बिन बताए निकली और गजीसिमल गांव के पास कविगुरु एक्सप्रेस के चपेट में आ गई, जिससे मौके पर उसकी मौत हो गई। मृतका के पिता नासिर अंसारी के बयान पर शिकारीपाडा थाना में यडी केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने डेडबॉडी को अपने कब्जे में ले लिया है और

आदिवासियों के नाम पर सिर्फ ढोंग महिलाएं भी सुरक्षित नहीं : भाजपा



पोस्टर दिखाते भाजपा कार्यकर्त

PALAMU : भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सह पलाम् प्रमंडल के नवनियुक्त प्रभारी विकास प्रीतम सिंह मेदिनीनगर पहुंचे। जिला कार्यालय में पलामू एवं गढ़वा के प्रमुख नेताओं एवं कार्यकताओं के साथ परिचयात्मक बैठक की। 23 अगस्त को रांची के मोहरावादी मैदान में होने वाले युवा आक्रोश रैली की तैयारी को लेकर चर्चा की। बाद में पत्रकार को भी संबोधित किया।

प्रमंडलीय प्रभारी ने कहा कि

रोजगार सेवक ने १२ वर्षीय किशोरी की लूटी अस्मत

PALAMU : जिले के हैदरनगर थाना क्षेत्र से एक बेहद शर्मनाक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर, जब पूरा देश आजादी का जश्न मना रहा था, वहीं इसी दिन एक 12 वर्षीय मासूम की अस्मत गांव के ही एक रोजगार सेवक मणिशंकर मिश्रा ने लूट ली। पीड़िता ने हैदरनगर थाना में दिए गए आवेदन में मंगलवार को बताया है कि 15 अगस्त 2024 के दिन मणिशंकर मिश्रा ने उसका मुंह गमछे से बांध दिया और उसे जबरन अपनी बाइक पर बैटाकर सोन नदी के किनारे स्थित झाड़ियों में ले गए और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दर्दनाक घटना का जिक्र करते हुए पीड़िता ने यह भी बताया कि यह पहलीं बार नहीं है जब आरोपी ने उसके साथ ऐसी घिनौनी हरकत की है। दो वर्ष पर्व भी, मणिशंकर मिश्रा ने पांच सौ रुपये का नोट देकर पीड़िता को ब्लेड और शैम्पू लाने को कहा था। जब वह सामान लेकर पहुंची, तो आरोपी ने उसे अपने घर में कंप्यूटर पर गंदी फिल्म दिखाई और उसके बाद में उसके साथ दुष्कर्म भी किया। किशोरी ने स्पष्ट रूप सें बताया कि गांव के रोजगार सेवक मणिशंकर मिश्रा ने ही उसके साथ यह जघन्य अपराध किया है और उसे इसके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लिए कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। झारखंड में हेमंत सोरेन के राज में लूट एवं भ्रष्टाचार चरम पर है। 2019 चुनाव में जनता से जो वादे करके हेमंत सोरेन सत्ता पर काबिज हुए, उन वादों को अभी तक पूरा नहीं किया है। 5 लाख युवाओं को प्रतिवर्ष नौकरी देने के वादे से सरकार मुकर गई, जिससे राज्य में पलायन बढ़ गया है। आदिवासियों के नाम पर सरकार चलाने का ढोंग करने वाले हेमंत सोरेन के राज्य में न आदिवासी सुरक्षित हैं न महिलाएं।

झारखंड आंदोलनकारियों को

कृषि मंत्री ने किया सम्मानित

अवैध कोयला लदे तीन ट्रक जब्त, दो गिरफ्तार

GIRIDIH: गिरिडीह पुलिस ने जिले के जमुआ थाना इलाके में तीन ट्रको में लोड 128 टन अवैध कोयला जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों में महताब आलम जमुड़िया तथा जीव लाल राय

बताया गया कि एसपी दीपक ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, टन और 45 टन कोयला लदा

अलग करने

आंदोलनकारियों की महत्वपर्ण

भूमिका रही है। उनके सम्मान में

यह कार्यक्रम रखा गया हैं। उन्होंने

इनके सम्मान को सर्वोपरि मानते

हुए इनकी मांगों को लेकर

आंदोलनकारी मोर्चा के अध्यक्ष

गोपाल मंडल ने कहा कि झारखंड

आंदोलनकारियों के लिए बेहतर

महागठबंधन

झारखंड

मुख्यमंत्री से वार्ता

आश्वासन दिया।

कुमार शर्मा को यह सूचना मिली थी कि तीन ट्रक पर अवैध कोयला जमुआ के रास्ते बिहार के जमुई की तरफ भेजी जा रही है। एसपी खोरीमहुआ नीरज कुमार सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया । टीम ने जमुआ थाना के गौशाला मोड़ के परगोडीह के पास वाहन चेकिंग लगाया गया। वाहन चेकिंग के क्रम में अवैध कोयला लोड तीनों ट्रक को जब्त किया। तीनों ट्रको में क्रमशः 43 टन, 40

धनबाद में विधायक राज सिन्हा बैठे नाली के पानी में, शुरू किया आंदोलन

नगर निगम का अमला विधायक को मनाने में जुटा, मोटर से निकाला जा रहा पानी

PHOTON NEWS DHANBAD: शहर के धैया मंडल बस्ती को जाने वाली सड़क पर बरसात के कारण हुए जलजमाव को हटाने के लिए मंगलवार को धनबाद के विधायक राज सिन्हा उसी जमे पानी में जाकर बैठ गए। उन्हें मनाने के लिए नगर आयुक्त रविराज शर्मा धनबाद नगर निगम की सफाई टीम के साथ पहुंच गए हैं। मशीन लगाकर पानी निकासी का काम भी शुरू कर दिया गया है। विधायक राज सिन्हा के इस आंदोलन में मंडल बस्ती की महिलाएं भी शामिल हो गई हैं। विधायक के इस आंदोलन के कारण धैया मुख्य सड़क पर काफी लोग जुट गए हैं। वहीं दूसरी ओर नगर निगम की टीम भी पानी



नाली के पानी में बैठे विधायक व अन्य

• फोटोन न्यूज

निकासी को लेकर अपना काम कर रही है। विधायक राज सिन्हा की मांग है कि जब तक पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होती, वे अपना आंदोलन समाप्त नहीं करेंगे। महीनों से जमा है बारिश और नाली का पानी : धैया मंडल बस्ती

किया गया है। वहीं, 22 व 23

अगस्त को राज्य के दक्षिणी

(पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम,

लेवल मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण पुराना डीआरडीए सभागार में प्रारंभ

प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते

हुए डीसीएलआर संतोष गुप्ता ने

कहा कि लोकसभा चुनाव की तरह

विधान सभा चुनाव भी त्रुटि रहित

संपन्न कराने का प्रयास करना है।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में 6 नए

मास्टर ट्रेनर सहित 74 मास्टर ट्रेनर

प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। वहीं उप

निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास

मुंडा ने भी सभी का हौसला

आफजाई करते हुए और बेहतर

तरीके से प्रशिक्षण देने को कहा।

प्रशिक्षण में मतदान के पर्व की

तैयारियां और मतदान के दिन की

तैयारियों के बारे में बताया गया और

आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की

गई। वहीं प्रशिक्षण के आगामी सत्रों

में आदर्श आचार संहिता, पोस्टल

बैलेट, निर्वाचन खर्च, सेक्टर एवं

पुलिस पदाधिकारियों का प्रशिक्षण,

काउंटिंग प्रशिक्षण आदि बिंदुओं पर

प्रशिक्षण दिया जाएगा।

हुआ। इस

अवसर पर

के शरू होते ही पानी जमना शुरू हो गया था। यहां पानी निकासी की अब यह पानी बदबू भी देने लगा था। आए दिन इस सड़क से गुजरने वाले लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे थे। इस स्थिति को देखते हुए राज सिन्हा ने बीते 11 अगस्त को

पहुंचे। उनसे आंदोलन समाप्त करने काँ आग्रह किया, लेकिन विधायक इस जगह का दौरा नगर निगम के साथ ही आइआइटी-आइएसएम के अधिकारियों के साथ बैठक कर इस समस्या का निदान करने की मांग की थी। चेतावनी भी दी थी कि यदि उनकी मांग पूरी नही हुई तो वे

पैंट उटा नंगे पैर पहुंचे नगर आयुक्त

विधायक राज सिन्हा के पानी के

धनबाद नगर निगम के नगर आयुत्त

पहुंचे। उन्होंने अपने जुते उतरे और

पैंट को ऊपर उढा कर गंदे पानी से

होते हुए विधायक राज के पास जा

बीच बैठने की सूचना मिलते ही

रविराज शर्मा पूरी टीम के साथ

कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने हजारीबाग सदर विस सीट के लिए की दावेदारी



HAZARIBAG : आगामी

आज से 23 तक भारी बारिश की चेतावनी

कोल्हान समेत रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी व रामगढ़ में अलर्ट जारी



झारखंड विधानसभा चनाव को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने कांग्रेस कार्यालय में सदर विधानसभा सीट से अपनी दावेदारी का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष शैलेंद्र यादव और अन्य जिला पदाधिकारी भी

ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि के तौर पर क्षेत्र की सेवा करने का यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। मैं पूरी निष्ठा से कांग्रेस की विचारधारा को आगे बढ़ाने और हजारीबाग के विकास के लिए प्रतिबद्ध हुं।



सिमडेगा तथा सरायकेला-

बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खुंटी तथा रामगढ़) भागों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा होने की संभावना है। इसे लेकर लोगों को सतर्क व सावधान किया गया है। वहीं, वर्षा के दौरान पेड़ के नीचे या खेतों में नहीं जाने की सलाह

राज्य में 594.6 एमएम हुई वर्षा : मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अभी तक 594.6 एमएम वर्षा हुई है. जबिक सामान्य वर्षापात 700.5 एमएम है। यानी अभी भी 105.9 एमएम कम वर्षा हुई है। कम वर्षा होने से इसका असर ग्रामीणों क्षेत्रों में ज्यादा देखने को मिलेगा. क्योंकि वर्षा का सबसे ज्यादा इंतजार किसानों को होता है। सामान्य वर्षापात नहीं होने से फसल बर्बाद होने का खतरा

समाहरणालय में मंगलवार को डीआरडीए शासी निकाय की बैठक में दी गई सहमति

जिला परिषद में समाहित होगा जिला ग्रामीण विकास अभिकरण

GODDA : जिले के महागामा

अनुमंडल मुख्यालय स्थित

राजमहल हाउस में झारखंड राज्य

निर्माण के आंदोलनकारी मामले

को लेकर स्थानीय विधायक सह

कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के

नेतृत्व में एक सम्मान कार्यक्रम का

इस दौरान कृषि मंत्री ने झारखंड

राज्य के आंदोलनकारियों को

सम्मानित किया। इस अवसर पर

कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने

कहा कि बिहार से झारखंड राज्य

आयोजन किया गया।



समाहरणालय समागार में बैठक को संबोधित करते उपविकास आयुक्त व जिला परिषद की अध्यक्ष

PHOTON NEWS JSR: • ग्रामीण विकास झारखंड पंचायती विभाग अंतर्गत अधिनियम 2001 की धारा 77 (ख) के अनुपालन में का क्रियान्वयन डीआरडीए को जिला परिषद में अब जिला ग्रामीण समाहित कर दिया गया है। इस विकास शाखा के में मंगलवार को माध्यम से होगा समाहरणालय सभागार डीआरडीए का विघटन कर

जाने के लिए अध्यक्ष जिला

संचालित योजनाओं

परिषद बारी मुर्मू की अध्यक्षता में जिला परिषद में समाहित किए प्रबंध पर्षद की बैठक आयोजित

• फोटोन न्यूज की गई। जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू ने कहा कि सभी के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी उन्मूलन की योजनाओं और

विकास कार्यों में तेजी आएगी। जिला परिषद की आगामी बैठक में डीआरडीए के जिला परिषद में विलयन एवं सरकार द्वारा निर्धारित शर्तों के अनुरुप कोषांग गठन कर प्रस्ताव पर सहमति प्रदान की जाएगी। उप विकास

इन योजनाओं का होगा क्रियान्वयन

राज्य सरकार द्वारा जारी संकल्प के आलोक में डीआरडीए द्वारा संचालित समस्त योजनाएं यथा मनरेगा, ग्रामीण आवास योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण साक्षरता मिशन, जोहार योजना, जलछाजन योजना, विधायक योजना, एनआरईपी, प्रखण्ड स्थापना, आदि से संबंधित कार्यों तथा अनुश्रवण के लिए जिला स्तर पर उक्त शाखा उपायुक्त के नियंत्रणाधीन कार्य करेगा। उपविकास आयुक्त तथा निदेशक लेखा प्रशासन एवं स्वनियोजन एवं निदेशक राष्टीय नियोजन कार्यक्रम नवगठीत कार्यालय के अंग होंगे। बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष, उपविकास आयुक्त, निदेशक राष्ट्रीय नियोजन कार्यक्रम, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, विधायक जुगसलाई, बहरागोडा, घाटशिला के प्रतिनिधि सहित मनोनीत सदस्यों तथा प्रखंड प्रमुख मौजूद थे।

आयुक्त मनीष कुमार ने कहा कि डीआरडीए के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है, आगे भी ग्रामीण विकास शाखा जिला परिषद एवं उपायुक्त के मार्गदर्शन में बेहतर प्रदर्शन करेगी। डीआरडीए में काम कर रहे सभी कर्मियों को जिला परिषद में

समायोजन किया जाएगा। ज्ञात हो कि डीआरडीए विभाग को समाप्त करने की बात करीब पांच वर्ष से चल रही थी लेकिन इसका प्रारूप क्या होगा यह तय नहीं हो पा रहा था। आज की बैठक में इसे अंतिम रूप दे दिया गया। उम्मीद है सभी जिलों में

अर्सेबली लेवल मास्टर राजखरसावा-चाईबासा रेलखंड टेनरों को दिया प्रशिक्षण DHANBAD : विधान सभा पर मालगाडी के दो डिब्बे बेपटरी निर्वाचन 2024 के आलोक में मंगलवार से तीन दिवसीय असेंबली



घटनास्थल पर खड़ी मालगाड़ी

• फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल अंतर्गत राजखरसावां रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार की दोपहर एक मालगाड़ी की दो बोगियां बेपटरी हो गयीं। हालांकि, मालगाड़ी बेपटरी होने से कोई हताहत नहीं हुआ है लेकिन इससे कुछ देर तक रेलवे ट्रैक पर आवागमन बाधित रहा। सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ट्रैक को दुरुस्त कराने का काम शुरू किया। मालगाड़ी के बेपटरी होने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

राजखरसावां रेलवे स्टेशन से करीब 200 मीटर आगे राजखरसावां-चाईबासा रेलखंड के अपलाइन के लाइन नंबर 13 के पास की घटना है। मालगाड़ी के बेपटरी होते ही इसकी जानकारी सायरन के माध्यम से स्थानीय रेल अधिकारियों को दी गयी। मालगाड़ी बेपटरी होने की जानकारी मिलने के बाद रेलवे के अधिकारी से लेकर आरपीएफ और अन्य कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे। बेपटरी हुई मालगाड़ी को पटरी पर लाने के लिए युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है।













सिम बॉक्स एक तरह का

इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होता है, जिसे

सिम बैंक भी कहा जाता है। यह

इंटरनेट बेस्ड एक हार्डवेयर

डिवाइस है, जिसका इस्तेमाल

टेलीकॉम में डायरेक्ट जीएसएम

कम्युनिकेशन को टर्मिनेट करने के

लिए किया जाता है। इस डिवाइस

में बड़ी संख्या में सिम कार्ड लगे

होते हैं, जिससे इंटरनेशनल कॉल

दंटरनेशनल कॉल को फर्जी तरीके

से स्थानीय नंबर से कन्वर्ट किया

जा सकता है। इससे सामने वाले

को लगता है कि स्थानीय मोबाइल

नंबर से कॉल आया है। इसका एक

फायदा यह भी है कि इससे कॉल

करने पर इंटरनेशनल के बजाय

टेलीकॉम इंडस्ट्री को करोड़ों रुपये

निगम स्तर के सभी पेंडिंग

योजनाओं को ससमय पूरा करें।

धरातल पर योजनाओं को उतारने

के लिए तीव्र गति से कार्य करें।

रांची नगर निगम सबसे महत्वपूर्ण

नगर निगम है। क्योंकि, यह राज्य

की राजधानी और रांची शहर की

स्वच्छता एवं विकास पर ध्यान देती

है। इसलिए इस निगम के अन्तर्गत

सभी योजनाओं को पूरा करें। यह

निर्देश नगर विकास मंत्री हफीजुल

हसन ने रांची नगर निगम के

सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक

में पदाधिकारियों को दिया। हसन ने

कहा कि राजधानी रांची के

नागरिकों को बेहतर सुविधा किस

प्रकार प्रदान की जाए, इसपर विशेष

ध्यान देने की आवश्यकता है। शहर

में स्वच्छता को प्राथमिकता देनी

होगी। बारिश में नालियां जाम न हों,

पथ, स्ट्रीट लाइट दुरुस्त रहें। यह

सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि

लोकल चार्ज लगते हैं। इससे

का नुकसान होता है।

को स्थानीय जीएसएम कॉल में

भाषा में समझें तो इससे

अवैध खनन मामले के आरोपी पंकज मिश्रा ने फिर

दाखिल की जमानत याचिका

RANCHI : साहिबगंज में अवैध

खनन के जरिये अकृत संपत्ति

अर्जित करने के आरोपित पंकज

पीएमएलए कोर्ट से जमानत की

गुहार लगायी है। पंकज मिश्रा की

याचिका पर 27 अगस्त को

सनवाई होगी। इससे पहले भी

पंकज मिश्रा इसी केस में रांची ईडी

कोर्ट से बेल मांग चुके हैं। लेकिन

कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका

खारिज कर दी थी। इसके बाद

उन्होंने हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट

का भी दरवाजा खटखटाया था।

लेकिन वहां से भी उन्हें कोई राहत

नहीं मिली थी। उल्लेखनीय है कि

मुख्यमंत्री के तत्कालीन विधायक

प्रतिनिधि पंकज मिश्रा को ईडी ने

जुलाई 2022 में गिरफ्तार किया

था। जांच के दौरान ईडी पंकज

मिश्रा, दाहू यादव और उनके

सहयोगियों के 37 बैंक खातों में

जमा 11.88 करोड़ भी जब्त कर

चुकी है। इतना ही नहीं ईडी ने

साहिबगंज, बरहेट, राजमहल,

मिर्जा चौकी और बरहरवा में 19

स्थानों पर तलाशी ली थी। इस

दौरान कई दस्तावेज और 5.34

निगम स्तर की सभी लंबित योजनाओं

को ससमय करें पूरा : हफीजुल हसन

निदान त्वरित गति से होना चाहिए।

आम लोगों की समस्याओं का

निदान ससमय हो, यह सुनिश्चित

करें। मौके पर नगर आयुक्त संदीप

सिंह ने कहा कि कैपिटल सिटी के

विकास के लिए सभी पदाधिकारियों

को टीम भावना के साथ काम करने

की आवश्यकता है। रांची नगर

निगम नागरिकों को बेहतर सुविधा

प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इसके लिए निगम स्तर के सभी

सिविल वर्क्स को समय सीमा के

अंतर्गत पूरा करने का प्रयास किया

जा रहा है। इस बैठक के दौरान

प्रस्ततीकरण के माध्यम से 15वें

नगर निगम समागार में समीक्षा बैठक करते मंत्री व अन्य।

करोड नकदी जब्त की थी।

THE PH©TON NEWS www.thephotonnews.com

PHOTON NEWS RANCHI:

अवैध और नकली शराब के

उत्पाद विभाग और पलिस की टीम

लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी

क्रम में उत्पाद विभाग ने कार्रवाई

करते हुए ओरमांझी इलाके से एक

कंटेनर स्प्रिट के साथ तीन तस्करों

को गिरफ्तार किया है। राजधानी

रांची में नकली शराब बनाने के

लिए बड़े पैमाने पर स्प्रिट लाए

जाने की सूचना पर उत्पाद विभाग

ने रांची के ओरमांझी इलाके में

छापेमारी कर एक कंटेनर स्प्रिट

जानकारी मिली थी कि पंजाब,

हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के

कुछ तस्कर रांची में नकली शराब

बनाने वाले सिंडिकेट को बड़े

पैमाने पर स्प्रिट की सप्लाई करने

वाले हैं। सूचना मिलने पर

राजधानी रांची की तरफ आने

वाले तमाम एनएच पर पुलिस

और उत्पाद विभाग की टीम ने

नाकेबंदी कर स्प्रिट के कंटेनर की

तलाश शुरू कर दी। इसी क्रम में

ओरमांझी के पास पलिस के

नाकेबंदी को देखकर कंटेनर को

वित्त आयोग, टाउन प्लानिंग,

पीएमएवाई, लाइट, आईटी, डे-

एनयूएलएम, ट्रांसपोर्ट, हेल्थ,

इनफोर्समेंट, वाटर सप्लाई एवं अन्य

शाखाओं की भी समीक्षा की गई।

इस अवसर पर संयुक्त सचिव

ज्योत्सना सिंह, अपर प्रशासक

सौरभ प्रसाद, मुख्य अभियंता रमा

शंकर राम, उप प्रशासक अनवर

हसैन, उप प्रशासक रविन्द्र कमार,

सहायक लोक स्वास्थ्य पदाधिकारी.

सभी सहायक प्रशासक, पीएचईडी

के प्रतिनिधि, सभी नगर प्रबंधक,

सभी अभियान प्रबंधक, एवं अन्य

उत्पाद विभाग को यह

बरामद किया है।

Wednesday, 21 August 2024

स्प्रिट का कंटेनर धराया, नकली

शराब बनाने की साजिश विफल

BRIEF NEWS राज्यपाल ने शिवराज सिंह चौहान से की मुलाकात



कुमार गंगवार ने केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मंगलवार को नई दिल्ली में मुलाकात की। यह दोनों की शिष्टाचार मुलाकात बतायी गयी। इस दौरान झारखंड में कृषि के क्षेत्र में विभिन्न संभावनाओं पर चर्चा हुई।

कांग्रेस के झारखंड प्रभारी आज आएंगे रांची

RANCHI: कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश 21 अगस्त को बिरसा मण्डा एयरपोर्ट पर आएंगे। कांग्रेस कार्यकताओं के जरिये उनका भव्य स्वागत किया जायेगा। इसके बाद हिनू स्थित कपूरी ठाकुर चौक, भगवान बिरसा मुंडा चौक, नागेश्वर महतो चौक, वीर बुद्धू भगत, कार्तिक उरांव, हातमा में सिद्ध-कान्ह् चौक पर माल्यार्पण करेंगे। फिर दोनों नेता कांग्रेस भवन पहुंचेंगे। वहां नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश का स्वागत सह अभिनंदन किया जायेगा।

महिला ने की खुदकुशी जांच में जुटी पुलिस

RANCHI: तुपुदाना ओपी क्षेत्र के बालसिरिंग स्थित ब्लू पौंड में एक महिला ने खुद्कुशी कर ली। घटना की सूचना मिलने के बाद मंगलवार को पुलिस मौके पर पहुंची और शव को खदान से बाहर निकाला। मृतक की पहचान पायल सिंह के रूप में की गई है। वह ब्रिजफोर्ड स्कूल की कर्मचारी थी। ओपी प्रभारी दुलार महतो ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला खुदकुशी का प्रतीत होता है।

जमीन घोटाले के आरोपी ने दाखिल की याचिका

RANCHI: सेना के कब्जे वाली

जमीन की फर्जी दस्तावेजों के सहारे खरीद-बिक्री से जुड़े जमीन घोटाला के आरोपित अमित अग्रवाल ने मंगलवार को रांची के पीएमएलए कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है। ईडी ने इस संबंध में कांड संख्या 01/2023 दर्ज किया है। जमीन घोटाला की अब तक की जांच में अमित अग्रवाल, दिलीप घोष, रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, बड़ागाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, कथित रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान व सद्दाम की गिरफ्तार हो चुकी है।

तालाब से मिली एक व्यक्ति की डेड बॉडी

RANCHI: कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित चडरी तालाब से पुलिस ने एक व्यक्ति का मंगलवार को शव बरामद किया है। स्थानीय लोगों शव देखने के बाद इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को पानी से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आरोपी को साथ लेकर रांची पहुंची थी टीम

ओडिशा पुलिस का छापा आठ सिम बॉक्स बरामद मिश्रा ने मंगलवार को रांची

सिम बॉक्स मामले में ओडिशा पुलिस ने रांची के नामकुम थाना क्षेत्र के कांटाटोली स्थित एक घर की तलाशी ली। पुलिस ने घर का ताला तोड़कर वहां से आठ सिम बॉक्स बरामद किये हैं। ओडिशा पुलिस की छापेमारी अभियान में रांची पुलिस की टीम भी शामिल रही। ओडिशा पुलिस आरोपित को भी साथ लेकर आई थी। उसकी निशानदेही पर छापेमारी की गई। बताया जा रहा है कि सिम बॉक्स रैकेट को असदर जमान नाम का एक बांग्लादेशी नागरिक हैंडल करता है। उल्लेखनीय है कि ओडिशा में बीते 16 अगस्त को सिम बॉक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ था। पुलिस ने भुवनेश्वर स्थित एक घर से पांच एक्टिव सिम बॉक्स, दो रिजर्व सिम बॉक्स और 750 से अधिक सिम कार्ड

PHOTON NEWS RANCHI: प्रदेश अध्यक्ष बाबुलाल मरांडी ने

राज्य की जनजाति समाज से जुड़ी

महिलाओं, बेटियों को अपनी इज्जत

खुद बचाने को आगे आने को कहा

है। राज्य सरकार को भी निशाने पर

लिया है। बाबुलाल मरांडी ने

मंगलवार को मीडिया (फेसबुक)

पर एक अखबार में प्रकाशित एक

खबर को साझा करते कहा कि

संथाल परगना की एक और बेटी

दुष्कर्म की भेंट चढ़ गई। शाहीद

अनवर नाम के दरिंदे ने साहिबगंज

की 15 वर्षीय नाबालिग युवती से

दुष्कर्म किया। इससे आहत होकर

पीड़िता ने अपनी जान दे दी। दुमका

की बेटी अंकिता, साहिबगंज की

बेटी रुबिका पहाड़िया के साथ हुई।

हैवानियत की रूह कंपा देने वाली

यादें जनता में अभी तक ताजा हैं।

साहिबगंज जिले की इस हृदय

विदारक घटना ने फिर से उन्हीं

जख्मों को कुरेदने का काम किया है।

बाबूलाल ने कहा कि दिलदार

अंसारी, मो. शाहरुख, शाहिद

दो दोषियों को आजीवन

RANCHI: अपर न्यायायुक्त शैलेंद्र

कारावास का सजा

प्राथमिकी दर्ज कराई थी।



के साथ-साथ राउटर और अन्य उपकरण भी जब्त किये थे। साथ ही पश्चिम बंगाल निवासी और सिम बॉक्स रैकेट के मुख्य आरोपित

राज् मंडल को गिरफ्तार किया था। रैकेट के मुख्य आरोपित ने भुवनेश्वर पुलिस की पृछताछ में उसने कबूल किया है कि वह कटक और रांची सहित कई स्थानों से सिम बॉक्स संचालित

अनवर जैसे कौम विशेष के दरिंदे

गरीब आदिवासी लड़िकयों को

हवस का शिकार बना रहे हैं। बेटियों

को कभी पेट्रोल डालकर जिंदा

जलाया जा रहा है, तो कभी टुकड़ों

में काटकर फेंक दिया जा रहा है।

पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की

बजाय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और

झारखंड मुस्लिम मोर्चा की सरकार

वहशी दरिंदों को बचाने के लिए

हमेशा आगे आई है। मुसलमानों का

वोटबैंक खिसकने के डर से हेमंत

सोरेन ने कभी भी खुलकर इन

शर्मनाक घटनाओं की निंदा तक नहीं

की, आरोपियों पर कठोर कारवाई

करना तो दूर की बात है।

आदिवासी बेटियों को खुद बचानी

होगी अपनी इज्जत : बाबूलाल

कर रहा था। इसी के आधार पर पलिस ने 18 अगस्त को कटक में भी एक सिम बॉक्स रैकेट खुलासा किया था। राजु मंडल के ही इनपुट के आधार पर पुलिस ने रांची के कांटाटोली में छापेमारी की। पूछताछ में राजू मंडल ने बताया है कि उसका हैंडलर एक बांग्लादेशी नागरिक है। उसका नाम असदुर

हाईकोर्ट में सीएम व एडीजी की जांच की मांग करने वाली याचिका ली गई वापस

RANCHI: झारखंड हाई कोर्ट में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राज्य के डीजीपी और स्पेशल ब्रांच के एडीजी पर परेशान करने का आरोप लगाने वाली हाई कोर्ट के अधिवक्ता राजीव कुमार की याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि जब यह रिट याचिका दाखिल की गई थी उस समय मामला पुलिस अधिकारी रूपा तिर्की की सुसाइड से संबंधित था। यह मामला अब क्लोज और पुराना हो चुका है। इसलिए याचिकाकर्ता को अपनी याचिका वापस ले लेनी चाहिए। इसके आलोक में याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका वापस याचिकाकर्ता अधिवक्ता राजीव कुमार ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राज्य के डीजीपी एवं स्पेशल ब्रांच के एडीजी पर आरोप लगाते हुए कहा था कि उनके द्वारा उन्हें कोलकाता में कैश कांड में

रातू रोड में अचानक धू-धूकर 23 अगस्त की आक्रोश रैली के लिए रिजल्ट जारी करने की मांग को जलने लगी बाइक, मचा हड़कप

कुमार की अदालत ने मंगलवार को तमजीद अंसारी हत्याकांड में राजधानी रांची के रातू रोड चौराहे दोषियों मो. मुन्ना बंगाली और मो. पर खड़ी एक बाइक में अचानक सहजादा को आजीवन कारावास आग लग गई। आग लगने की की सजा सुनाई है। दोनों पर 10-वजह से मौके पर ट्रैफिक पुलिस 10 हजार रुपये जुमार्ना भी लगाया कर्मियों के बीच हड़कंप मच गया। है। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर पानी से आग बुझाने की काफी छह माह की अतिरिक्त कारावास कोशिश की गई लेकिन आग बुझी नहीं। आखिरकार एक स्कूली बस काटनी होगी। इस केस में दोषी मुन्ना बंगाली घटना के बाद से ही ड्राइवर के प्रयास से आग पर काबू 29 मई, 2018 से लगातार जेल में पाया गया। रांची के रातू रोड ही है। दोनों अभियुक्तों पर 19 मई, चौराहे के पास बन रहे ओवर 2018 को हिन्दपीढ़ी निवासी ब्रिज के नीचे पार्क की गई एक तमजीद अंसारी की गोली मारकर बाइक में मंगलवार की दोपहर हत्या करने का आरोप है। घटना अचानक आग लग गई। आग को लेकर मृतक का बेटा रहमान लगने की वजह से मौके पर अंसारी ने हिन्दपीढ़ी थाना में अफरा तफरी मच गई, पास में ही ट्रैफिक पोस्ट में तैनात पुलिसकर्मी



मौके पर पहुंचकर पानी के दौरान आग बुझाने की कोशिश करने लगे, लेकिन आग काबू में नहीं आ रहा था। इसी बीच रातू रोड चौराहे से गुजर रहे एक स्कूल बस के ड्राइवर ने सूझबूझ का परिचय देते हुए बस में रखे अग्निशमन यंत्र को बाहर निकाल और 10 मिनट के भीतर बाइक में लगे आग पर काब् पा लिया। मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस कर्मियों ने बताया कि बाइक चालक का अभी तक

पता नहीं चल पाया है।

मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी कांके मंडल की बैठक रिंग रोड

गागी मोड़ अजय कांप्लेक्स में हुई। आगामी 23 अगस्त की आक्रोश रैली को लेकर कांके मंडल अध्यक्ष प्रभात भूषण की अध्यक्षता में हुई बैठक में रैली को कैसे सफल बनने पर चर्चा हुई। तय हुआ कि 21 अगस्त को कांके चौक पर मशाल जुलूस निकाला जाएगा। इसमें कांके विधानसभा के प्रभारी शशि भूषण भगत, प्रदेश कार्य समिति सह महामंत्री पूर्व जिप सदस्य अनिल टाइगर, कांके उप प्रमुख अजय बैठा शामिल होंगे। बैठक में रैली के प्रभारी कमलेश राम, संजीत सिंह, नसीब लाल महतो, गिरजाशंकर



पांडेय, पूर्व मंडल अध्यक्ष सह मुखिया राम लखन मुंडा,ठानो मुंडा, लक्ष्मण साहू, प्रीतम साहू, शिव कुमार, बबलू ठाकुर, शदीपक कुमार, अनिल कुमार, विजय मुंडा, पवन महतो, शत्रुधन साहू, संजय साहू, दिलीप मुंडा, सुमित सिंह, मनोज वर्मा, पुरुषोत्तम दास गोस्वामी, शानू कुमार, बेनी राम महतो, सूचित सिंह, दीप नारायण महतो, संगीता प्रजापति, अशोक राम, इम्तियाज अंसारी, इरफान अंसारी और सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल हुए।

झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा

आयोजित 11वीं से 13वीं सिविल सेवा मुख्य परीक्षा का रिजल्ट प्रकाशित करने की मांग तेज हो गयी है। इसको लेकर आज मंगलवार को इस परीक्षा में शामिल छात्रों ने जेपीएससी गेट पर जमकर प्रदर्शन किया। नाराज छात्र सरकार और जेपीएससी से मुख्य परीक्षा का रिजल्ट आयोग के वर्तमान अध्यक्ष नीलिमा केरकेट्टा के कार्यकाल समाप्त होने से पहले जारी करने की मांग की है। छात्रों का कहना था कि पिछले दिनों आयोग के द्वारा सूचना जारी कर कहा गया था कि अगस्त के दूसरे सप्ताह तक रिजल्ट जारी कर साक्षात्कार और सर्टिफिकेट वेरीफिकेशन का



चका है और अभी तक रिजल्ट जारी नहीं किया गया है। आयोग के अध्यक्ष का कार्यकाल 22 अगस्त को समाप्त हो रहा है, ऐसे में यह रिजल्ट भी लटक जाएगा। छात्रों के उग्र प्रदर्शन को देखते हुए हालांकि बाद में चार सदस्यीय शिष्टमंडल जेपीएससी के द्वारा बुलाया गया। 22 से 24 जून तक आयोजित जेपीएससी सिविल सेवा मुख्य परीक्षा का रिजल्ट तैयार होने के बाद भी कई दिनों से प्रकाशित नहीं हो पा रहा है।

पुलिस मुख्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई मीटिंग, दिए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

हर हाल में अपराधियों पर कसें नकेल : डीजीपी

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में विधि-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण पर समीक्षा बैठक की। इस दौरान डीजीपी ने अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अपराधियों पर नकेल सकने को कहा। डीजीपी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आईजी, डीआईजी, एसएसपी और एसपी के साथ विधि-व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण पर बैठक आयोजित की। डीजीपी ने एक जनवरी से अब तक राज्य के विभिन्न जिलों में रंगदारी, लेवी वसूलने के उदेश्य से अपराधियों , उग्रवादियों के जरिये संपत्ति का नुकसान करने संबंधी मामले की समीक्षा करते हुये उनके खिलाफ दर्ज मामलों में हुई गिरफ्तारी, दर्ज मामले में कितने



अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते डीजीपी व अन्य।

व्यक्तियों पर आरोप पत्र की स्थिति, कितने व्यक्ति इसमें फरार हैं एवं फरार के खिलाफ वारंट-कुर्की जब्ती के बिंदुओं की विस्तृत जानकारी ली। साथ ही लेवी का पैसा मांगने वाले के नम्बर का सत्यापन कराते हुये प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों, घनघोर नक्सल समस्याग्रस्त इलाकों को छोडकर सभी पुलिसकर्मी, गृहरक्षकों,

जैप एवं सैप सहित अन्य सभी बल के जवान, जिलों के ट्रैफिक थानों एवं पोस्टों पर तैनात, थानों में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों सहित सभी पेट्रोलिंग पार्टी के जवानों को नियमित रूप से नेम प्लेट पहनने का निर्देश दिया। डीजीपी ने सभी जिलों में कार्यरत महिला थानों की समीक्षा के दौरान महिला थाना में महिला थाना प्रभारीऔर अन्य महिलाकर्मियों की

गंभीरता से लें डायल ११२ पर प्राप्त शिकायते

डीजीपी ने डायल 112 की समीक्षा करते हुये सभी जिलों से डायल 112 में प्रतिदिन की शिकायत की समीक्षा करने के लिए प्रतिनियुक्त अधिकारी, डायल 112 पर आ रही शिकायते स–समय कार्रवाई, डायल 112 के जरिये प्राप्त शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को भेजने के बाद उसपर की जाने वाले कार्रवाई की जानकारी लेते हुये उसकी पृच्छा की तथा सभी पदाधिकारियों को टैब का उपयोग करने का सुझाव दिया। उन्होंने राज्य के दुर्दान्त नक्सलिय एवं अपराधकर्मियों पर घोषित रिवार्ड, संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक के जरिये रिवार्ड वोषित करने का प्रस्ताव भेजे जाने के संबंध में जानकारी लेते हुये आवश्यक दिशा–निर्देश दिये। डीजीपी ने रांची, धनबाद, बोकारो, जमशेदपुर, देवघर और पलामू शहर में ट्रैफिक की व्यवस्था की समीक्षा के दौरान शहर में ट्रैफिक लाइट की स्थिति, वहां बलों की प्रतिनियुक्ति टैफिक के कर्मियों की ट्रेनिंग, सरकार के जरिये अधिसूचित थाने, चिन्हित हॉट स्पाट, शहर में पार्किंग की स्थित सहित, आम नागरिकों को जागरूक करने के लिए कहा।

प्रतिनियुक्ति, थाना को संचालित करने के लिए पर्याप्त स्थान, हाजत इत्यादि की आवश्यकता, नियमित रूप से महिला अपराध से संबंधित दर्ज प्राथमिकी की स्थिति, महिला थाना प्रभारी का जिला के अन्य थानों में हो रहे महिला संबंधी अपराधों में उपयोग, महिला थाना में भुक्तभोगी महिलाओं के साथ पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों का व्यवहार, महिला थानों में

मोबाईल फोन, कम्प्यूटर, प्रिंटर, गाड़ी एवं फर्नीचर इत्यादि की स्थिति की समीक्षा करते हुये अग्रतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। डीजीपी ने ने राज्य के सभी एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) थानों की स्थिति, थाना में नियमित रूप से दर्ज प्राथमिकी की स्थिति, भुक्तभोगी के साथ पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों के व्यवहार पर विशेष बल दिया।

राजीव गांधी की जयंती पर सम्मान समारोह आयोजित



PHOTON NEWS RANCHI:

झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमिटी की अध्यक्ष गुंजन सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को कांग्रेस भवन रांची में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 80वीं जयंती के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम राजीव गांधी के तस्वीर पर पुष्प चढ़ाकर नमन किया गया। इसके बाद दीप प्राज्वलित कर और केक काट कर महिलाएं संकल्प ली। राजीव गांधी की ओर से शुरू किया गया पंचायती राज के तहत आज पंचायत स्तर पर निर्वाचित महिलाएं समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वाह्नन करते हुए राह पर अग्रसर हैं। कार्यक्रम में आये पंचायती राज से निर्वाचित महिलाओं को अंगनबाड़ी सेविका और सहायिका को शॉल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। संचालन रांची जिला ग्रामीण महिला अध्यक्ष मेरी तिर्की ने की और धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश महासचिव पिंकी सिंह ने की।

तस्करों पर राजधानी रांची में सडक पर ही खडा कर तीन

व्यक्ति फरार होने की कोशिश करने लगे। जिन्हें उत्पाद विभाग के कर्मियों ने खदेड़ कर पकड़ लिया। पकड़े गए तीनों तस्कर हरियाणा के रहने वाले हैं। उत्पाद विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बरामद स्प्रिट की कीमत 30 लख रुपए से ज्यादा है। मामले में गिरफ्तार किए गए तीनों तस्करों से उत्पाद विभाग की टीम पूछताछ कर रही है। गिरोह का तार पंजाब, हिमाचल और हरियाणा से जुड़ा हुआ है। शराब माफिया का कंटेनर अगर पकड़ा नहीं जाता तो कंटेनर में जितना स्प्रिट भरा पड़ा है उससे करोड़ों का नकली शराब तैयार किया जाता। जिस पर त्योहारों के मौसम में बाजार में खफाया जाता। गिरफ्तार तीनों तस्करों से उत्पाद विभाग की टीम पछताछ कर रही है ताकि झारखंड में उनके नेटवर्क का खुलासा हो सके।

डॉ. मेघा रानी बनीं राष्ट्रीय मानवाधिकार परिषद की स्टेट चेयरमैन

RANCHI: राष्ट्रीय मानवाधिकार परिषद ने रांची की रहने वाली लेखिका डॉ मेघा रानी को झारखंड प्रदेश का स्टेट चेयरमैन बनाया है। इनके सामाजिक कार्यो और लेखन की प्रतिभा को देखते हुए इनका चयन किया गया है। इस संबंध में मंगलवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार परिषद ने अधिकारिक रूप से चिट्ठी जारी कर दी है। इनकी नियुक्ति के बाद डॉ मेघा की देखरेख में जल्द ही राज्यभर में एक टीम का गठन किया जायेगा, जो राज्य के मानवाधिकार की लड़ाई लड़ेंगे और उनके अधिकार का हक दिलायेंगे। इस टीम में 70 से अधिक लोगों का चयन किया जायेगा, जो अलग अलग क्षेत्र में कार्यरत होंगे। नियुक्ति के बाद डॉ मेघा रानी ने कहा कि झारखंड प्रदेश का स्टेट चेयरमैन बनने के बाद मेरी प्राथमिकता रहेगी कि राज्य के जनता के मानवाधिकार सुरक्षा निश्चित करूंगी।

लेकर जेपीएससी छात्रों का प्रदर्शन

रांची विस से गठबंधन के प्रत्याशी हो सकतें हैं मौलाना मुशर्रफ कासमी

RANCHI: सोमवार को समाजवादी पार्टी झारखंड प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष अध्यक्ष मौलाना डॉक्टर मुशर्रफ आलम ने लखनऊ से रांची लौट कर मीडिया को बताया कि 2024 झारखंड विधानसभा चुनाव समाजवादी पार्टी चार सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही है। इनमें रांची, बोकारो, पांकी और भवनाथपुर शामिल हैं। रांची विधानसभा क्षेत्र से वह गठबंधन के प्रत्याशी हो सकते हैं। आलम ने बताया कि समाजवादी पार्टी कार्यालय लखनऊ में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से मुलाकात हुई। उन्होंने खुशी जाहिर की और पार्टी का जनाधार झारखंड में मजबूत करने का निर्देश दिया। उन्होंने रांची विधानसभा सीट पर अपने पार्टी के प्रतिनिधित्व का भरोसा दिलाया।

टाइगर'की 'दहाड़' पर लगा समय का पहरा

झामुमों के विधायकों ने छोड़ा चम्पाई सोरेन का साथ, पूर्व मुख्यमंत्री के सामने बचे बेहद सीमित विकल्प

झारखंड में उठा सियासी बवंडर लगातार शिफ्ट कर रहा है। सत्ताधारी गठबंधन से जुड़ी पार्टी कांग्रेस के नेताओं की मानें तो भाजपा कोल्हान टाइगर कहे जाने वाले चम्पाई सोरेन के कंधे पर झारखंड में ऑपरेशन लोटस को अंजाम देने की तैयारी में थी।

फैली राजनीतिक

सनसनी ने टाइगर की दहाड़ पर समय का पहरा लगा दिया है। जिस कंधे पर पूरे ऑपरेशन जिम्मेदारी थी, वह कंधा दस से बारह विधायकों का भार नहीं उठा सका। शनिवार तक मीडिया से बातचीत में जहां हुं, वहीं हुं... की ताल ठोंकने वाले पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन के सुर दिल्ली पहुंचते ही बदल गए। उन्होंने पार्टी में अपने साथ हुई नाइंसाफी को लेकर लंबा पोस्ट लिखा, लेकिन

बावजूद अपने करीबी विधायकों में यह विश्वास ही नहीं पैदा कर सके कि झामुमो छोड़कर भाजपा में जाना सबके लिए बेहतर होगा। नतीजा यह हुआ कि चम्पाई सोरेन की गाडी ऑपरेशन लोटस के ऐसे कीचड़ में फंस गयी, जहां से आगे बढने पर अब कुछ खास फायदा

रहा और पीछे लौटना भी मुश्किल हो

रहा है। अब सबकी निगाहें टाइगर के अगले कदम पर

कुछ ऐसी थी पूरी योजना : राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि दरअसल कोल्हान टाइगर के कंधे पर भाजपा ने बड़ा दांव लगाया था। सबकुछ योजना के अनुसार ही चल रहा था। चम्पाई गुपचुप तरीके से पहले कोलकाता पहुंचे। वहां रात भर होटल में रूके। पश्चिम बंगाल में भाजपा के बडे नेता शुभेंदु अधिकारी से मिले। वहां से फिर दिल्ली पहुंचे।



दिल्ली पहुंचते ही घर से जेएमएम

का झंडा गायब, सोशल मीडिया

अकाउंट से जेएमएम का सिंबल

गायब। इसके बाद जनता के नाम

लंबा-चौडा पत्र लिखा, जिसमें

कहा कि वे झारखंड मुक्ति मोरचा

में अपमानित महसूस कर रहे हैं।

यह सारा कुछ उनके प्लान के

मुताबिक ही हो रहा था,लेकिन

अगर प्लान के मुताबिक कुछ नहीं

विधायकों को झारखंड मुक्ति मोर्चा

से तोड कर भाजपा में शामिल

कराने वाले थे, उन विधायकों ने

तो वह यह कि जिन

झारखंड में सियासी घटनाक्रम तेजी से बदल रहे हैं। चम्पाई सोरेन प्रकरण का खास असर सरकार और झामुमो की सेहत पर नहीं पड़े, इसके लिए सीएम हेमंत सोरेन ने खुद डैमेज कंट्रोल की कमान संभाल ली है। यही कारण है कि मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के कोल्हान प्रमंडल से आने वाले चार विधायकों को रांची सीएम हाउस बुलाया गया था। इसमें बहरागोडा के विधायक समीर मोहंती, घाटशिला के विधायक रामदास सोरेन, जुगसलाई के

अगली सुबह दिल्ली की फ्लाइट नहीं पकड़ी। चम्पाई सोरेन दिल्ली में इंतजार करते रह गए, लेकिन झारखंड का कोई विधायक नहीं पहुंचा। राजनीतिक कयासों बीच खरसावां से जेएमएम के लिख कर जारी किया कि वे कहीं नहीं जा रहे हैं। उन्होंने तो यहां तक कहा कि आधी रोटी खाएंगे, गुरुजी शिब्रु सोरेन का मान बढाएंगे। इसी प्रकार समीर मोहंती ने कहा कि गुरुजी शिब्रु सोरेन

उनके राजनीतिक गुरु और झारखंड मुक्ति मोर्चा उनकी राजनीतिक पाठशाला है। वह कहीं नहीं जा रहे हैं। इसी प्रकार रामदास सोरेन, मंगल कालिंदी समेत अन्य सभी विधायकों ने सफाई दी कि वह चम्पाई सोरेन की राह नहीं पकड रहे हैं। ऐसे में चम्पाई सोरेन ने दूसरे विधायकों के भरोसे जो राजनीतिक गुब्बारा फुलाया था, वह गब्बारा हवा में उड़ने से पहले ही लीक कर गया।

डैमेज कंट्रोल में जुटे हेमंत

विधायक मंगल कालिंदी समेत अन्य

विधायक शामिल थे। सभी विधायकों

की। सूत्र दावा कर रहे हैं कि सीएम

ने उक्त विधायकों से पूछा कि आखिर

से सीएम हेमंत सोरेन ने बातचीत

चम्पाई सोरेन से क्या बातचीत हुई

है। चम्पाई सोरेन की आगे की क्या

रणनीति है। क्या दिल्ली जाने के बाद

चंपई सोरेन ने उन सभी विधायकों से

जानकारियों को इकट्ठा करने के बाद

संपर्क साधा या नहीं? तमाम

अब बचा सीमित विकल्प: अब अगर चम्पाई सोरेन अकेले भाजपा हेमंत अपनी आगे की रणनीति तय करेंगे। इस बीच बैठक से बाहर निकल कर समीर मोहंती ने यह कहा कि उनकी चम्पाई सोरेन से किसी प्रकार की कोई बातचीत नहीं हुई है। वे झामुमो में ही रहेंगे। सीएम र्हमंत सोरेन से बातचीत के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सीएम ने कहा कि बहरागोडा में वीमेंस कॉलेज की स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है। उन्होंने कहा कि वे झामुमो के सिंबल पर ही चुनाव लड़ेंगे, क्योंकि झामुमो से ही जीत की गारटी है।

में जाते हैं तो वहां पार्टी के सामने अपनी शर्त रखने जैसी मजबूत स्थिति में नहीं होंगे। भाजपा पहले ही बाबुलाल मरांडी को बड़े आदिवासी चेहरे के तौर पर पार्टी में शामिल करा चुकी है। मरांडी की अध्यक्षता में ही वह अगला विधानसभा चनाव लंडने की तैयारी में हैं। इसके अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, नीलकंठ सिंह मंडा जैसे नेता पार्टी के पास पहले से मौजूद हैं। चम्पाई के सामने अब सीमित विकल्प बचे हैं। उन्हें भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के वह पार्टी के लिए नया वोट बैंक तैयार करने में सक्षम हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली हार के पीछे यह बड़ी वजह रही थी। फिलहाल कोल्हान टाइगर यानी चम्पाई सोरेन राजनीति के चौराहे पर खड़े हैं। अगर वह भाजपा के साथ आगे बढ़ते हैं तो यह स्पष्ट है कि भाजपा उन्हें सीएम का चेहरा नहीं बनाएगी, वह साधारण विधायक की हैसियत से भाजपा में शामिल होंगे। अगर वह पीछे आते हैं और कहते हैं कि भाजपा में जाने का कोई सवाल ही नहीं, बस मन की पीड़ा थी, जिसे जाहिर किया और इस स्थिति में अगर वह फिर झारखंड मुक्ति मोर्चा की तरफ ही मुड़ते हैं तो पार्टी उन पर एतबार नहीं करेगी। उनका वह कद नहीं रहेगा. जो

समक्ष यह बताना होगा कि प्रदेश

की आदिवासी बहुल 28 सीटों पर

तीसरे विकल्प के रूप में उन्हें कछ भरोसेमंद साथियों को जोड़ कर नया संगठन तैयार करना होगा।

चम्पाई की घर वापसी पर विचार करे पार्टी: सुखराम

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिला के झामुमो जिला अध्यक्षे सह चक्रधरपुर विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि चम्पाई दा आदर्श थे, आदर्श हैं आदर्श रहेंगे..। अगर कोई ऐसा बात है तो पार्टी फोरम में रखना चाहिए था। उनका भतीजा है हेमंत बाबू। दोनों एक बार विचार-विमर्श करते तो अच्छा होता। हमको ऐसा लगता है कि आज जो दूरी बनी है, वह नहीं बनती। अभी भी समय है आपस में बैढकर विचार विमर्श करें, ज्यादा खाई नहीं हुई है। जैसा संगठन था वैसा ही रहेगा। क्योंकि चम्पाई सोरेन ने एक बयान दिया था कि जिस पार्टी को हमने बनाया है, उस पार्टी को तोडने का प्रयास हम कभी नहीं करेंगे।

विधानसभा चुनाव से ठीक पहले शायद ही कोई नेता बड़ा दल छोड़ कर चम्पाई के साथ चलने को तैयार होगा। चौथा और अंतिम रास्ता, जिसका जिक्र उन्होंने अपने पत्र में किया है, वह राजनीति से संन्यास लेने का है। चम्पाई शायद ही अपने कॅरियर के इस मोड़ पर इतना कठिन फैसला लेने की

समाचार सार

गुजराती कॉलोनी से जलनिकासी की गुहार

GHATSILA: रेलवे स्टेशन के समीप गुजराती कोलोनी के लोगों ने मंगलवार को अनुमंडलाधिकारी तथा अंचलाधिकारी को ज्ञापन सौंप



कॉलोनी से जलनिकासी शीघ्र कराने की गुहार लगाई। मंगलवार को कॉलोनी के लोगों ने बताया कि गुजराती

अंदर कॉलोनी के आसपास की सरकारी जमीन का अतिक्रमण करने और रेलवे द्वारा जलनिकासी रोक देने से जब भी बारिश होती है, कोलोनी के चारों ओर कई फीट तक जलजमाव हो जाता है। पिछले 15 दिन से लगातार हो रही बारिश के कारण लगातार कॉलोनी में जलजमाव हो रहा है। इस कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ा है। बच्चों समेत कई लोग बीमार भी हो रहे हैं। इसे लेकर दिसंबर में भी ज्ञापन सौंपने वालों में राज् चौहान, सुशील चौहान, उपेंद्र चौहान, रवि चौहान आदि शामिल थे।

राजीव गांधी को अर्पित किया श्रद्धासुमन

GHATSILA: पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 80वीं जयंती पर कांग्रेस कार्यकताओं ने घाटशिला स्टेशन चौक पर मंगलवार को श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस मौके पर राजीव गांधी और इंदिरा गांधी की प्रतिमा श्रद्वांजलि देने वालों में

चटर्जी, राज किशोर सिंह, प्रणव मुखर्जी, शेख फारुख, सुब्रतो दत्ता, कन्हैया शर्मा, मनोज परिडा, सुभाष मिश्रा, सुरजीत मोहरी, उदय शर्मा, उत्तम सिन्हा समेत कई

सरदा खान की लीज बंदोबस्ती के लिए सौंपा ज्ञापन

GHATSILA: सुरदा खान की लीज बंदोबस्ती करने के लिए विधायक रामदास सोरेन ने मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ज्ञापन सौंपा।



विधायक ने बताया कि पूर्वी सिंहभूम के मुसाबनी अंचल स्थित मौजा- सुरदा में हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड व आईसीसी कंपनी द्वारा कुल रकबा-388,68 हेक्टेयर क्षेत्र पर धारित कॉपर एवं

कांग्रेस (मनरेगा विभाग)

एसोसिएट खनिज के खनन पट्टा के अवधि विस्तार के लिए सारी प्रक्रियाएं पूर्ण कर ली गई है, परंतु उक्त खनन क्षेत्र में आवेदित संपूर्ण क्षेत्रफल की पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त नहीं होने की तकनीकी कारणों से राज्य सरकार द्वारा खनन पट्टा के अवधि विस्तार की स्वीकृति प्राप्त होने के बावजूद लीज बंदोबस्ती निर्धारित समय पर नहीं की जा सकी।

जेम्को में मेन रोड पर गिरा बिजली का पोल

JAMSHEDPUR: टेल्को क्षेत्र के जेम्को मिश्रा बागान के मेन रोड पर मंगलवार को बिजली का पोल गिर गया. जिससे संयोगवश लोग बच गए। यहां टाटा स्टील यआईएसएल द्वारा सडक चौडीकरण किया जा रहा है. जिसका काम दो माह से बंद है। वहां बारिश का पानी जमा हो गया है।

टीएसएएफ कैडेटों ने नेशनल यूथ क्लाइंबिंग कप में जीते १६ पदक

इंडियन माउंटेनियरिंग फाउंडेशन द्वारा किया गया था बेंगलुरू चैंपियनशिप का आयोजन

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन (टीएसएएफ) के कैडेटों ने 10-11 अगस्त को बेंगलुरु में आयोजित नेशनल युथ क्लाइंबिंग कप (लीड एंड स्पीड) में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 16 पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता 3 अलग-अलग श्रेणियों यूथ-ए, यूथ-बी और जुनियर पुरुष व महिला श्रेणी में आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में 100 से अधिक एथलीटों ने भाग लिया। टीएसएएफ स्पोर्ट क्लाइंबिंग अकादमी के विभिन्न ग्रासरूट सेंटरों से 21 एथलीटों की एक टीम ने भाग लिया। प्रतियोगिता कर्नाटक के बेंगलुरु में यवनिका क्लाइंबिंग वॉल में आयोजित की गई थी और इसका आयोजन



भारतीय पर्वतारोहण फाउंडेशन द्वारा किया गया था। एथलीटों के साथ टीएसएएफ स्पोर्ट क्लाइंबिंग अकादमी के कोच भी थे। कुल 16 पदकों में 7 स्वर्ण, 3 रजत और 6 कांस्य पदक शामिल थे।

सोनुआ पुलिस ने दोहरे हत्याकांड में बाप-बेटे को किया गिरफ्तार

सोनुआ थाना क्षेत्र में एक दंपती की धारदार हथियार से हमला कर हत्या करने के मामले में 24 घंटा में हत्या के आरोपी बाप-बेटे को गिरफ्तार का जेल भेज दिया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया हुआ दाउली और खून से लगा हुआ कपड़ा भी बरामद कर लिया है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सोनुआ थाना क्षेत्र के सुदुरवर्ती रुवादिरी वनग्राम निवासी आरोपी 50 वर्षीय तुरम चातर और 25 वर्षीय टोपो चातर उर्फ दुई के साथ पड़ोसी मुंगडू चाम्पिया और उसकी पत्नी मरियम चाम्पिया के साथ 16 अगस्त को कुसुम फल तोड़ने को लेकर विवाद हुआ था। पड़ोसी होने के कारण दोनों के बीच पहले से ही विवाद चल रहा था। 18 अगस्त को फिर किसी बात को लेकर विवाद हुआ तो शाम को



बाप-बेटे ने दंपती की दाउली से गले पर हमला कर हत्या कर दी। इस दोहरे हत्याकांड से इलाके में सनसनी फैल गई थी। घटना के बाद सोनुआ थाना प्रभारी संजय कुमार नायक, मदन कुमार महतो, तारकनाथ सिंह और सुरक्षा बल के जवान की टीम का गठन कर छापामारी अभियान शुरू कर दिया। पुलिस ने आरोपी बाप-बेटे को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपी ने अपना गुनाह कबुल कर लिया। हत्या में इस्तेमाल किया गया दाउली, दोनों का खून से सना हुआ कपड़ा भी

एनएच पर ट्रक से टकराई कार, युवक की मौत

JAMSHEDPUR : एमजीएम थाना अंतर्गत एनएच33 पर सिमुलडांगा के पास मंगलवार शाम एक तेज रफ्तार कार ट्रक से जा टकराई। इस घटना में आदित्यपुर के एक युवक की मौत हो गई, जबिक तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल लाया गया, जहां गंभीर रूप से घायल एक युवक को टीएमएच रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार आदित्यपुर 2 रोड नंबर 10 निवासी आयुष्या कुमार (25) अपने साथी मोहित कुमार, सिद्धार्थ यादव और कृष्णा कुमार के साथ घाटशिला की ओर से मानगो की ओर आ रहा था। रास्ते में एक ट्रक चालक ट्रक को मोड़ रहा था। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर ट्रक में जा घुसी। कार आयुष्या चला रहा था और आगे की सीट पर मोहित बैठा था। टक्कर के बाद आयुष्या की

हेमंत सोरेन सरकार जवाबदेही तय नहीं कर पाती, आजसू जिम्मेदार पार्टीः सुदेश महतो



JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा स्थित कटिन मैदान में मंगलवार को आजसू पार्टी ने जुगसलाई विधानसभा स्तरीय चुल्हा प्रमुख सम्मेलन सह शपथ ग्रहण समारोह किया। इसमें मुख्य अतिथि आजस् पार्टी के अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि वर्तमान सरकार को 5 वर्ष हो गए, लेकिन इस लुट खसोट की सरकार लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ करने का कार्य करती है। ये सरकार राज्य

के जनमानस को कुछ भी बोलकर निकल जाती है और उसकी जवाबदेही तय नहीं कर पाती है, लेकिन सुदेश महतो कुछ भी बोलता है, तो उसकी जवाबदेही तय करता है। सभा को राज्य के पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस और पार्टी के केंद्रीय प्रधान प्रवक्ता देवशरण भगत ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में हरेलाल महतो, खालिद खलील, चंद्रगप्त सिंह, स्वप्न सिंहदेव समेत आदिवासी दातुन-पत्ता बेचने को मजबुर : मुंडा

CHAIBASA: आदिवासी किसान

मजदूर पार्टी का जिला सम्मेलन मंगलवार को चाईबासा पिल्लई होल में हुआ। इसमें केंद्रीय अध्यक्ष जॉन मिरन मंडा ने कहा कि झारखंड बने 24 साल हो गए, लेकिन आदिवासी किसान मजदूर का विकास नहीं हुआ। विधायक-सांसद करोड़पति हो गए हैं, जबिक खदान छेत्र के आदिवासी लकड़ी, दातून, पत्ता आदि बेचने को मजबूर हैं। काम नहीं मिलने के कारण पलायन करने को मजबूर हैं। डीएमएफटी फंड को लट का अड्डा बना दिया गया है। पंचायत प्रतिनिधियों को पूरा अधिकार नहीं देकर उसको कर्मचारी के रूप में उनसे काम लिया जा रहा है। झामुमो सरकार भी आदिवासी का विकास नहीं कर सका। पलायन पर झाममो सरकार के पास कोई योजना नहीं है। जिस तरह बीजेपी सरकार में आदिवासी लूटा गया उसी तरह हेमंत सरकार भी कर रही है।

स्कुली वाहनों में जीपीएस लगाने व चालकों का ड्रेस कोड अनिवार्य करने की रखी मांग

स्कूली छात्राओं संग अमानवीय व्यवहार पर अंकुश के लिए डीएसई से मिली समिति

🛮 फोटोन न्यूज

वाहन को जीपीएस से लैस करने

व चालकों का डेस कोड लाग

करने की मांग की। समिति ने शहर

के एक निजी स्कूलों की 3 वर्ष

और 8 वर्ष की बच्चियों संग

चालकों द्वारा अमानवीय कृत्य

किए जाने की घोर निंदा की है।

इसके साथ ही कहा कि इस घटना



जिला शिक्षा अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते लोग ज्ञापन सौंपा, जिसमें सभी स्कुली

PHOTON NEWS JSR:

स्कली छात्राओं संग अमानवीय व्यवहार के मामलों को लेकर सनातन उत्सव समिति ने चिंता और आक्रोश व्यक्त किया है। इस मामले को लेकर समिति ने मंगलवार को जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) से मुलाकात की। इस क्रम में डीएसई को एक • सभी स्कूली ऑटो, वैन और बस में जीपीआरएस की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

 सभी स्कूलों से चल रहे ऑटो, वैन और बस के चालकों का ड्रेस कोड निर्धारित हो। सभी चालकों का आधार कार्ड

मोबाइल नंबर और चालकों का स्थायी व वर्तमान पता स्कूल प्रबंधन के साथ ही वाहन पर भी अंकित हो।

🗕 पुलिस के सक्षम अधिकारी से जांच करा कर ही वैन अथवा ऑटो चालकों की सेवाएं बहाल

डीएसई से गंभीरता से लेते हुए

विभिन्न बिंदुओं पर कार्रवाई की

मांग की है। समिति ने कहा है कि

करने की प्रक्रिया शुरू हो, ताकि से पूरा शहर शर्मसार है। समिति ने

परिचित रहें। • स्कूली बच्चियों और उनके घर के बीच रास्ते में किसी भी वाहन में यदि कोई घटना होती है तो तत्काल स्कूल प्रबंधन और

अभिभावकों को सूचना देने की

सभी अभिभावक इससे

व्यवस्था सुनिश्चित हो। • बिच्चयों के साथ यदि स्कूली वाहन चालक किसी प्रकार की अमानवीय घटना को अंजाम न दें, इसकी पूरी जवाबदेही स्कूल प्रबंधन पर हो।

• सभी निजी स्कूलों में बस सेवा अविलंब बहाल हो और उसमें कैमरा व जीपीएस लगा हो।

यथाशीघ्र मांगें पूरी नहीं होने पर समिति आंदोलन करेगी। ज्ञापन सौंपने वालों में चिंटू सिंह, वीर सिंह, अप्पू तिवारी आदि थे।

किसी भी हाल में बंद नहीं होने देंगे स्टेशन रोड : जोबा



रेल अधिकारियों से बात करतीं सांसद जोबा माझी व सुखराम उरांव

CHAKRADHARPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल द्वारा भारत भवन चौक से रेलवे स्टेशन जाने वाले मार्ग को बंद करने जा रहा है, जिसका सांसद जोबा माझी और विधायक सखराम उरांव ने कडा विरोध किया है। शहरवासियों की मांग पर मंगलवार को विधायक सखराम उरांव इसी मुद्दे को लेकर सांसद जोबा माझी से उनके आवास पर मिले। इसके बाद सांसद ने फोन पर चक्रधरपुर के मंडल रेल

कराईकेला स्कूल में बनेंगे १७ कमरे पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव प्रखंड के कराईकेला प्लस टू स्कूल में 17 कमरों का निर्माण होगा। विधायक सुखराम उरांव ने बताया कि इसके लिए राज्य सरकार द्वारा १ करोड़, ८९ लाख, ३७ हजार १६२ रुपये की स्वीकृति दी गई है।

प्रबंधक अरुण जातोह राठौड़ से वार्ता की। सांसद ने डीआरएम से कहा कि यह मार्ग सबसे पुराना और महत्वपूर्ण है। इसे किसी कीमत पर बंद नहीं होने देंगे।

एक माह में पुलिस ने वसूले 26 लाख रूपये, ड्रंक एंड ड्राइव पर भी जिला पुलिस गंभीर

जुर्माना भरने को तैयार, पर हेलमेट नहीं पहन रहे शहरवासी

PHOTON NEWS JSR:

जमशेदपुर में आए दिन सड़क दुर्घटना हो रही है। इसे रोकने के लिए जमशेदपुर यातायात पुलिस लगातार अभियान भी चलाती है, जिसमें पुलिस यातायात नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भारी जुर्माना भी वसूल करती है, ताकि लोग जुर्माने के डर से हेलमेट पहनें। आलम यह है कि लोग जुर्माना देने को तो तैयार हैं, पर हेलमेट पहनना नहीं चाहते। सिर्फ जुलाई में यातायात पुलिस ने कुल 2722 चालान काटे, जिसमें से 26 लाख रुपये से ज्यादा जुर्माना वसुला गया। इनमें सबसे ज्यादा बिना हेलमेट 857 चालान काटे जिनसे 8,57,000 रुपये जुर्माना वसुला गया। इसके लिए यातायात पुलिस जगह-जगह

चेकिंग अभियान चला रही है।



30 नाबालिग को गाड़ी चलाते पकड़ा गया

वहीं यातायात पुलिस ने जांच के दौरान जुलाई में 30 नाबालिंग को वाहन चलाते पकड़ा। हालांकि, नाबालिग द्वारा वाहन चलाने पर पुलिस ऑनस्पॉट फाइन नहीं काटकर वाहन जब्त करने का प्रावधान है। यातायात डीएसपी संजय सिंह ने बताया कि नाबालिग द्वारा वाहन चलाने पर 25 हजार रुपये तक जुमार्ना का प्रावधान है। वाहन मालिक कोर्ट में जुमार्ना भरता है, जिसके बाद वाहन को छोड़ा जाता है। इसके अलावा जिस नाबालिग को वाहन चलाते हुए पकड़ा जाता है, उसका 25 वर्ष की उम्र तक ड्राइविंग लाइसेंस नहीं बन सकता।

यातायात नियमों को लेकर पुलिस सख्त

यातायात डीएसपी संजय सिंह ने बताया कि यातायात नियमों को लेकर पुलिस सख्त है। हर शनिवार को एसएसपी किशोर कौशल द्वारा यातायात को लेकर एक बैढक की जाती है, जिसमें कई तरह के निर्णय लिए जाते हैं। पुलिस सड़क दुर्घटना में कमी लाने और यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने में लगी है।

डुंक एंड ड्राइव मामले में 37 लोगों का चालान

इधर, यातायात पुलिस ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ भी लगातार जांच अभियान चला रही है। जुलाई में एसएसपी किशोर कौशल के आदेश पर जुलाई में पुलिस ने कुल 37 लोगों को नशे की हालत में वाहन चलाते हुए पकड़ा था, जिनसे 3,70,000 रुपये जुमार्ना वसूला गया। वहीं ओवर स्पीडिंग के लिए १२४ चालान काटे गए।

बच्चों को वाहन चलाने न दें अभिभावक

JAMSHEDPUR: यातायात

डीएसपी संजय सिंह ने अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने न दें। इनके लिए जुर्माने की राशि 25 हजार रुपये तक है। ऐसा इसलिए ताकि अभिभावक भी सतर्क रहें और बच्चे भी डरें। ध्यान रहे कि पुलिस की कार्रवाई किसी को सजा देने या डराने के लिए नहीं होती है बल्कि उनकी रक्षा के लिए होती है। कानून का पालन सभी को करना चाहिए। बिना हेलमेट लगाए वाहन और बिना सीट बेल्ट के चार पहिया वाहन न चलाएं।

सरयु राय ने किया तीन योजनाओं का शिलान्यास



JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के विधायक सरयू राय ने मंगलवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में विधायक निधि से लगभग 10 लाख की लागत से शुरू होने वाली 3 योजनाओं का शिलान्यास किया। इन योजनाओं में बिरसानगर स्थित सरस्वती शिशु विद्यालय मंदिर परिसर में साइकिल स्टैंड तथा पेवर्स अधिष्ठापन, बिरसानगर, जोन नं. 1-बी में बापी सेनगुपता के घर से सोनु तंतुबाई के घर तक सडक निर्माण तथा टेल्को, मरियम्मा मंदिर में मंदिर के समीप पेवर्स ब्लॉक का अधिष्ठापन शामिल है।

बाहर निकलने से पहले बरतें एहतियात

38 जिलों में भारी बारिश

O BRIEF NEWS

मुजफ्फरपुर में फर्जी दरोगा चालान काटते गिरफ्तार

MUZAFFARPUR : बिहार के

मुजफ्फरपुर में पुलिस ने एक युवक को फर्जी दरोगा बनकर अवैध वसूली करने पर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस को सूचना मिली थी एक युवक फर्जी दरोगा बनकर अवैध उगाही कर रहा है जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की। मजफ्फरपर के थाना क्षेत्र में एक यवक फर्जी दरोगा बनकर सड़क पर अवैध उगाही कर रहा था। जिसकी सूचना पुलिस को मिले तो पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फर्जी दरोगा को रंगे हाथ पकड़ा। यह पुरा मामला जिले के बोचहा थाना क्षेत्र के सर्फ़्दीनपुर का है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बोचहा थाना क्षेत्र के रोशी गांव का रहने वाला श्रवण कुमार है। जो दरोगा की फर्जी वर्दी पहन कर सड़कों पर वाहन चालकों से अवैध वसुली कर रहा था। जब फर्जी दरोगा पर संदेह हुआ तो लोगों ने इसकी जानकरी पुलिस को दी। इस मामले की जानकरी मिलते ही पलिस की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जिस पर अभी आगे की कार्रवाई चल रही है।

सीढ़ी के मलबे में दबकर बुजुर्ग महिला की मौत

NALANDA: नालंदा जिले के दीपनगर थानाक्षेत्र के मेहनौर गांव में सीढ़ी के मलबे में दबकर 50 वर्षीय बुजुर्ग महिला क मौत हो गयी। यह घटना मंगलवार की सुबह की है। मृतक महिला मेहनौर गांव निवासी स्व. राजो यादव की पत्नी निरो देवी है। बताया जाता है कि निरो देवी अपने घर में वर्षा से बचने के लिए घर में बनी कच्ची सीढी के पास छुप गई तेज वर्षा से मिट्टी का बना सीढी गिर गया। उसी मलबे में निरो दब गयी, जहां से परिवार वालों ने मलवा हटाकर निरो को बाहर निकाला, जिसे ईलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां ईलाज के दौरान ही महिला की मौत हो गयी। दीपनगर थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बिहारशरीफ भेज

लोगों की लगातार बढ़ रही परेशानी, मंत्री बोले- हालात नियंत्रण में

भागलपुर में बांध टूटा, कई गांवों में घुसा बाढ़ का पानी, सपर्क भंग

भागलपुर में बांध टूटने से बड़ी आफत आ गई है। यहां बिंदटोली के पास गंगा नदी के दबाव की वजह से तटबंध टूट गया और कई गांवों में गंगा नदी का पानी समा गया। इस्लाइलपुर बिंद टोली के पास तेज बहाव की वजह से यहां लोगों के कई सामान भी बह गए।

इस इलाके में कई लोग झोपड़ीनुमा घर बना कर रह रहे थे लेकिन झोपड़ी पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। कई ग्रामीण गांव छोड़ कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। झोपड़ी के घर इस पानी में पूरी तरह बह गए हैं और यहां लोगों की जान आफत में फंसी है। पानी का बहाव तेज होने की वजह से लोग अपने सामान को नहीं बचा पाए हैं। लोग किसी तरह पानी में चलते हुए ऊंचे स्थानों पर पहुंचे हैं। भागलपुर में तटबंध टूटने की घटना पर राज्य के जल संसाधन मंत्री का बयान भी सामने आया है। जल संसाधन मंत्री



का जल स्तर कम होने के बाद भागलपुर में कटाव हुआ है। उन्होंने बताया कि मुख्यालय से विशेषज्ञों का दो दल वहां भेजा गया है। मंत्री ने कहा कि गंगा नदी का पानी भागलपुर के गोपालपुर प्रखंड के तीन टंगा पंचायत के बुद्ध चक और निकट के इलाकों में पानी फैल गया है। उन्होंने यह भी कहा कि स्थिति अभी चाहे नेपाल हो या उत्तर प्रदेश, मध्य

अधिक वर्षा होने के कारण बिहार से बहने वाली हर नदी का जलस्तर शुरू से ही बढ़ा हुआ था। कभी-कभी यह घटता भी था लेकिन बाद में यह बढ़ जाता था। खास तौर से सोन, घाघरा, गंडक इन नदियों का

डीएम खुद कर रहे निगरानी

एसडीपीओ ओमप्रकाश ,एसडीओं डॉक्टर उत्तम कुमार

संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता अधीक्षण अभियंता

एवं विशेषज्ञ की टीम वहां पर कैंप कर रही है। डीएम

अभियंता को दे रहे हैं। डीएम के द्वारा बताया गया कि

करना है एवं पीड़ित लोगों को उच्च स्थान पर पहुंचना

है। डीएम ने निर्देश दिया है कि आपदा मित्र, गोताखोर

वहीं बांध टूटने की सूचना पर नवगछिया भागलपुर

का बीडीओ आदि मौके पर पहुंचे। साथ ही जल

खुद बैठकर तटबंध को सुरक्षित करने के लिए

आवश्यक निर्देश जल संसाधन विभाग के मुख्य

जिस तरह से तटबंध कटा है . तटबंध को खाली

एवं स्थानीय वॉलिंटियरों की मदद से तटबंध पर

तत्काल बचाव कार्य शुरू किया जाए । इधर वहां पर

तटबंध के कटाव के साथ-साथ लगातार पानी का

बांका व अन्य जगहों से सहायक अभियंता एवं

कार्यपालक अभियंता को प्रतिनियुक्त किया गया है।

दबाव बढ़ा हुआ है। जिससे पानी का बहाव काफी तेज

हो गया है। मुख्य अभियंता ने बताया कि यहां पर बौसी

जिला पदाधिकारी ,एसपी पूरण कुमार झा,

हुआ था। यह सभी जानते हैं कि यह सभी नदियां आखिर में गंगा में मिलती हैं और फिर अंत में बंगाल की खाड़ी जाती हैं। मंत्री ने आगे कहा कि इसी कारण से गंगा नदी पर लगातार जलस्तर बढ़ने के कारण हमारे तटबंधों पर दबाव बना हुआ था।

नदी में बह

गया घर इस तटबंध ध्वस्त के होने से बांध पर घर बना कर रह रहे बुद्धचक के कट कर नदी में बह गया है। बांध के ट्टने से गंगा का पानी तिनटगा सैदपुर बीरनगर गांव बैहियार मे फैल रहा है। सैकड़ों एकड खेत में लगी फसल में बाढ़ का पानी फैल रहा है। वीर नगर बुद्ध चक गांव में पानी भर गया है जिससे लोग अपना अपना घर खाली कर करके ऊंचे स्थान पर जा रहे हैं।

> दिन कोई चेतावनी नहीं है। 22 अगस्त से 23 अगस्त के

पटना, जहानाबाद, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, बेगुसराय, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, जमुई और बांका में भारी बारिश का पूर्वार्नुमान है। इसके अलावा अन्य जिलों के लिए इस

लिए बिहार में उपरोक्त सभी 24 जिलों के साथ पूरे 38 जिलों में भारी वर्षा का पूर्वानुमान जताया

बिहार में अगले 72 घंटे बेहद

ही सावधान रहने की जरूरत है।

मौसम विभाग की मानें तो 21

अगस्त के लिए 11 जिलों में

धुआंधार बारिश की संभावना

जताई जा रही है जबकि 21 से

22 अगस्त के लिए 24 जिलों में

बारिश होगी। वहीं 22 अगस्त से

23 अगस्त के बीच सभी 38

जिलों में जोरदार बारिश का

पुवार्नुमान है। मौसम विभाग ने

इस दिन पूरे बिहार में बारिश

और वज्रपात की चेतावनी जारी

करते हुए यलो अलर्ट जारी

21 अगस्त को अरवल,

किया है।



गया है। यानी शेष जिले किशनगंज, अररिया, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, दरभंगा, समस्तीपुर, पूर्णिया और कटिहार जिले में वज्रपात और बारिश का अलर्ट है। तात्कालिक अलर्ट की बात करें तो अगले तीन घंटे तक कैमूर और रोहतास जिले में जोरदार बारिश के साथ साथ ठनका गिरने की भी प्रबल संभावना मौसम विभाग की ओर से जताई गई है। लोगों को इस दौरान खास एहतियात बरतने की जरूरत है। बात करें सबसे ज्यादा बारिश की तो पिछले 24 घंटे में समस्तीपुर के ताजपुर में सबसे ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई है। यहां पर 93.2एमएम बारिश हुई है जबिक समस्तीपुर के पूसा में

85.8एमएम बारिस हुई है।

एक साल के बच्चे ने खेल-खेल में सांप को मुंह में रखकर चबा डाला

बिहार के गया में अजीबोगरीब घटना सामने आई है। करीब 3 फीट लंबे सांप को खिलौना समझकर 1 साल का बच्चा उससे खेलने लगा। खेल-खेल में बच्चा सांप को पकड़कर अपने मुंह में डाल रहा था। इस बीच सांप को उठाकर उसके बीच के हिस्से को चबा लिया। बच्चे द्वारा सांप को चबाए जाने से सांप की मौत हो गई। गया जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र का यह मामला है,जहां महज 1 साल के बच्चे द्वारा एक सांप को चबाने का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। मासूम खेलते खेलते खिलौना समझकर सांप को चबाने लगा। सांप को बीच के हिस्से से 1



साल के बच्चे ने चबा लिया, जिससे सांप की मौत हो गई। बच्चा सांप को मुंह में ही रखे हुए था और चबा रहा था, तभी उसकी मां उधर से गुजरी तो यह दृश्य देखकर डरी और हैरान रह गई।

बच्चे के मुंह में एक बड़ा सा सांप देखकर उसकी मां घबरा गई। वह डर गई थी, लेकिन बच्चे को बचाने के लिए वह तरंत उसके

पास गई। बच्चे के मुंह से सांप को निकाला। बच्चे ने सांप के शरीर का बीच का हिस्सा चबा लिया था, जिससे सांप की मौत हो चुकी थी। हालांकि बच्चे की मां सांप निकालने के बाद घबराए हुए हालत में बच्चे को अस्पताल लेकर पहुंची। अस्पताल में सांप के संबंध में भी जानकारी दी गई। इसके बाद डॉक्टरों ने बच्चे का इलाज करना शुरू किया। डॉक्टरों ने बच्चे का इलाज किया, तो सब कुछ नॉर्मल था। डॉक्टरों के अनुसार जिस सांप को बच्चों ने चबाया था, वह जहरीला नहीं था। यही वजह रही, कि बच्चे की जान बच गई

दो ट्रकों में जबरदूस्त हुई टक्कर, ड्राइवर की मौत

KISHANGUNJ : जिले के कोचाधामन थाना क्षेत्र के एनएच-327 पर भीषण सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार दो ट्रैकों के आमने-सामने जबरदस्त टक्कर होने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई है। घटना कोचाधामन थाना क्षेत्र के महादेवदिघी के समीप एनएच 327 पर मंगलवार को हुई है। जानकारी के अनुसार कोचाधामन थाना क्षेत्र के महादेवदिघी के समीप एनएच 327 पर तेज रफ्तार दो ट्रक के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई है, जिसमें आमने सामने दो ट्रकों के भिड़त हो जाने से दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए हैं। हादसे में क्षतिग्रस्त हुए दोनों ट्रकों में से एक ट्रक में गिट्टी लदा हुआ है। इस हादसे में एक ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई है।

मुजफ्फरपुर कांड में बड़ा खुलासा : पुलिस ने बताया कैसे हुई घटना

प्रेम प्रसंग में गई नाबालिग की जान

बिहार के मुजफ्फरपुर में दलित नाबालिंग के साथ गैंगरेप और प्राइवेट पार्ट काटने की बात अफवाह निकली है। अब तक पुलिस ने इस मामले में कुल मिलाकर मुख्य आरोपी सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अभी भी इस केस में 2 आरोपियों की गिरफ्तारी बाकी है। मुजफ्फरपुर एसएसपी ने कहा कि जिन नेताओं और मीडिया रिपोर्ट्स में प्राइवेट पार्ट काटने और गैंगरेप की बाद कही थी उसपर वो कार्रवाई करेंगे। बता दें कि एसएसपी राकेश कुमार ने बताया कि मामला प्रेम प्रसंग का था। नाबालिग लड़की का संबंध गांव के ही संजय यादव के साथ तीन साल से चल रहा था। गांव के



घटना के बारे में मीडिया को जानकारी देते एसएसपी राकेश कुमार।

युवकों को इस बात की भनक लग चुकी थी। उसे रंगेहाथों पकड़ना चाहते थे। तभी 11 अगस्त की रात को ये पूरी घटना हुई। पुलिस के मुताबिक लड़की की हत्या करने वाले गांव के ही आसपास के लडके हैं। संजय यादव खद को फंसता हुआ देख डेड बॉडी को

और भाग निकला। पुलिस ने बताया कि जिन लड़कों ने संजय और लड़की पर हमला किया उनमें से तीन को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनकी निशानदेही पर 2 अन्य की भी गिरफ्तारी के लिए

तेजस्वी अपनी पार्टी के सदस्यों की नीयत पर कर रहे शक : पीके

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने तेजस्वी पर सोमवार को पटना में कार्यकताओं के साथ बैठक के दौरान तंज कसते हए कहा कि बाब जी की राजनीति की दकान पर बैठकर अपने ही नेताओं को गाली दे रहे हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने ही पत्र लिख कर अपने कार्यकताओं और नेताओं से कहा कि आप जन सुराज में शामिल न हों। तेजस्वी यादव द्वारा दिए गए बयान का मतलब यह है कि वे खुद अपनी ही पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं पर सवाल उठा रहे हैं। यदि वे कह रहे हैं कि राजद के लोग पैसा लेकर जन सुराज में जा रहे हैं, तो इसका मतलब यह है कि वे खुद अपनी पार्टी के सदस्यों की नीयत पर शक कर रहे हैं। पीके ने कहा कि ये तो



तेजस्वी की राजनीतिक नादानी दिखाता है कि वो अपने ही कार्यकताओं को बिका हुआ बता रहे हैं। यह साफ जाहिर होता है कि केवल पिता जी की राजनीतिक विरासत मिल जाने से कोई बिहार का राजनेता नहीं बन जाता है। प्रशांत किशोर ने कहा कि राजनीति में ऐसे बयान अक्सर विरोधियों को कमजोर दिखाने के लिए दिए जाते हैं लेकिन कभी-कभी ये खुद की पार्टी में असंतोष और अव्यवस्था का संकेत भी दे देते हैं।

नालंदा में महिला की गोली मारकर हत्या

BIHARSARIF: जिले में कराय-परसराय थाना क्षेत्र के चन्द्रकरा बहियार में सोमवार की रात्रि एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मतका की पहचान मखदुमपुर गांव निवासी शिव कुमार यादवं की पत्नी बबीता कुमारी बतायी जाती है। घटना रात्री नौ बजे की है। घटना की सूचना कराय-परसुराय थानाध्यक्ष को दी गई। जिसमें बताया गया कि हिलसा-दिनयावां पटना रोड से सटे चन्द्रकुरा बहियार के समीप एक महिला को गोली मारकर हत्या कर दी गयी है। सूचना ही करायपरसुराय थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस टीम, जिसमें अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी हिलसा और अंचल निरीक्षक हिलसा भी शामिल थे, तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे जहां घटनास्थल पर बबीता देवी का शव बेहद गंभीर हालत में पड़ा मिला ।

पीएम चाहते हैं, दलित सचिवालय में नहीं, शौचालय में बैटें : तेजस्वी

AGENCY PATNA:

और वह सामान्य है।

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने यपीएससी लेटरल भर्ती को लेकर आपत्ति जतायी है। सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा है कि मोदी सरकार की कोशिश है कि दलित, पिछड़े और आदिवासी सचिवालय में नहीं बल्कि शौचालय में बैठें। इसके साथ ही तेजस्वी यादव ने कुल 18 प्वॉइंटस रखकर लेटरल भर्ती को सवालों के घेरे में लिया है। तेजस्वी यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी संविधान और को खत्म असंवैधानिक तरीके से लेटरल एंट्री के जरिए उच्च सेवाओं में आईएएस/आईपीएस की जगह, बिना परीक्षा दिए परर के लोगों को भर रहे है। संविधान सम्मत उच्च सेवाओं में भर्ती संघ लोक सेवा



आयोग द्वारा सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से होती है जिसमे प्रारंभिक, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार होता है। इसमें सभी लोग भाग भी नहीं ले सकते हैं। तेजस्वी यादव ने आगे लिखा है। कि प्रधानमंत्री मोदी आरक्षण विरोधी है इसलिए इन उच्च पदों में आरक्षण को खत्म करने के लिए इसे एकल पद दिखाया गया है। अगर इसमें आरक्षण लाग होगा तो इनमें से 50% पद दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को मिलते।

प्रो. मुसब्बिर आलम बने जनसुराज के जिलाध्यक्ष KISHANGUNJ : प्रो. मुसब्बिर

आलम जनसुराज पार्टी के जिलाध्यक्ष बनाए गए है, जिसके बाद से उन्हें जमकर बधाइयां मिल रही है। वहीं, ठाकरगंज की पूर्व प्रमुख रजिया सुल्ताना को पार्टी की महिला जिलाध्यक्ष और इकरामुल हक को पार्टी के युवा प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। जानकारी के अनुसार किशनगंज शहर के लाइन उर्दू में जन सुराज कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के दौरान जन सुराज पार्टी ने अपने पार्टी का विस्तार किया है। बहादुरगंज के रहनेवाले प्रो. मसब्बिर आलम को जनसुराज पार्टी के जिलाध्यक्ष चुना गया है। वहीं राजद प्रखंड अध्यक्ष सह ग्राम पंचायत बंदरझूला के मुखिया इकरामुल हक ने राजद से इस्तीफा देकर जन सुराज पार्टी

ममता बना रहीं घुसपैटियों का आधार कार्ड : गिरिराज

केंद्रीय मंत्री और बिहार के

बेगसराय से सांसद गिरिराज सिंह ने बंगाल सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। गिरिराज सिंह ने सीधा बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जोरदार हमला बोला है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि

ममता बनर्जी बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों का आधार कार्ड बना रही हैं। ममता बनर्ती अगर आगे भी सीएम रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पश्चिम बंगाल दुसरा बांग्लादेश बन जाएगा। गिरिराज सिंह ने कहा कि दिल्ली में जो महिला मेड हैं वह बांग्लादेशी हैं। यहां आराम से घूम रही हैं और काम कर रही हैं। बांग्लादेश की बांग्ला भाषा में बात करती हैं। बंगाल में एक गहन जांच की जरूरत है। ममता



हैं। ममता बनर्जी आज बंगाल के सारे अस्तित्व को खत्म कर रही हैं, इसलिए इस पर जांच होनी चाहिए। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ दुराचार के बाद उसकी हत्या करने की घटना पर गिरिराज सिंह ने कहा कि यह बहुत ही अजीब है। मैं हैरान हं। बंगाल में लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह से खराब हो चुकी है।

अगले १० साल में १०,००० मेगावाट खरीदने पर भारत हुआ तैयार

नेपाल बेचेगा बिहार को बिजली, मिली मंजूरी

• विद्युत आपूर्ति को लेकर बांग्लादेश से भी चल रही बात

• १२ जलविद्युत परियोजनाओं से 251 मेगावाट अतिरिक्त बिजली निर्यात को हरी झंडी

AGENCY PATNA:

भारत ने नेपाल को 251 मेगावाट अतिरिक्त बिजली निर्यात करने की अनुमति दे दी है। यह पहली बार है जब हिमालयी देश बिहार को मध्यम अवधि के बिक्री समझौते के तहत बिजली की आपूर्ति करेगा। नेपाल में भारतीय दुतावास ने बयान में कहा कि भारत के सीमापार व्यापार के लिए नामित प्राधिकरण ने नेपाल में 12 जलविद्युत परियोजनाओं से 251 मेगावाट अतिरिक्त बिजली निर्यात को मंजूरी दी है। इसके साथ ही नेपाल 28 परियोजनाओं से 941 मेगावाट जलविद्युत का निर्यात



करेगा। इससे पहले नेपाल 16 परियोजनाओं से 690 मेगावाट बिजली निर्यात कर रहा था।

2021 में भारत से पहली पहली बार हुआ था सौदा : बयान में कहा गया है कि 251 मेगावाट की इस मंजुरी से पहले ही नेपाल पिछले वित्त वर्ष में 16.93 अरब नेपाली रुपये की बिजली बेचकर बिजली का शुद्ध निर्यातक और शुद्ध राजस्व

सृजक बन चुका था। इसमें कहा गया है कि अक्टूबर, 2021 में भारत ने पहली बार नेपाल से 39 मेगावाट बिजली निर्यात को मंजूरी दी। इसमें कहा गया है कि तीन साल से भी कम समय में यह आंकड़ा 24 गुना से अधिक बढ़ गया है। भारत और नेपाल ने दीर्घकालिक बिजली व्यापार के लिए एक समझौता किया है, जिसमें अगले 10 साल में नेपाल से भारत को 10,000 मेगावाट तक बिजली की बिक्री की परिकल्पना की गई है। यह समझौते का पहला वर्ष है और लगभग 1,000 मेगावाट निर्यात पहले ही हो चुका है। बयान में कहा गया है कि बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली की बिक्री के लिए एक समझौते को भी अंतिम रूप दिया गया है और इसपर 28 जुलाई को हस्ताक्षर करने की योजना थी, लेकिन बांग्लादेश में हाल राजनीतिक घटनाक्रमों कारण इसे स्थगित कर दिया गया। इन घटनाक्रमों के साथ, नेपाल अब दक्षिण एशियाई क्षेत्र का अग्रणी जलविद्युत निर्यातक बनने की राह पर है। नेपाल बिजली बेचकर अपने विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी करने की एक वृहत योजना तैयार कर

बिहार बोर्ड इंटर में स्पॉट नामांकन की तिथि बढ़ी

PATNA: बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा इंटर सत्र 2024-26 में स्पॉट नामांकन की तिथि 22 अगस्त तक विस्तारित कर दी गई है। पहले नामांकन की अंतिम तिथि 12 से 17 अगस्त तक निर्धारित की गई थी। उसे अब बढ़ा दी गई है। छात्र ओएफएसएस के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जो खाली सीटें बची हैं, उसी पर नामांकन होना है। अब तक किसी कारणवश अगर किसी छात्र या छात्रा का नामांकन नहीं हुआ है तो वे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सीबीएसइ, सीआइएससीइ समेत अन्य सभी बोर्ड से उत्तीर्ण विद्यार्थी स्पॉट नामांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं। ओएफएसएस नामांकन प्रक्रिया के तहत प्रथम, द्वितीय सूची में चयनित तथा नामांकित विद्यार्थी, जिन्होंने नामांकन के बाद स्लाइड-अप का विकल्प दिया था। लेकिन स्लाइड-अप वाले संस्थान में अंतिम रूप

से नामांकन नहीं ले सके।

मुख्यमंत्री ने वैशाली में बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय का किया निरीक्षण

मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वैशाली जिला के वैशालीगढ़ स्थित निमार्णाधीन बुद्ध सम्यक दर्शन-सह-बुद्ध स्मृति स्तूप का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने पूरे परिसर के विकास कार्यों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने बुद्ध स्तूप के भू-तल एवं प्रथम तल का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की जानकारी ली। उन्होंने पुस्तकालय एवं ध्यान कक्ष का भी निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय एवं बुद्ध स्मृति स्तूप के निर्माण कार्य की प्रगति की अद्यतन जानकारी दी। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हम यहां हमेशा आते रहते हैं और यहां के निर्माण कार्यों



समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

का निरीक्षण करते रहते हैं। योजना के अनुरूप कार्य जल्द-से-जल्द पूर्ण करें। परिसर में पौधरोपण भी कराएं। यहां अच्छे ढंग से वाटर बॉडी का भी निर्माण कराएं। साथ ही परिसर के अंदर भी रास्ते का निर्माण ठीक से कराएं। उन्होंने कहा कि आवागमन को भी बेहतर किया जा रहा है ताकि आसानी से और कम समय में पर्यटक यहां पर पहुंच सकें। अधिक से अधिक संख्या में पर्यटकों के आने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैशाली ऐतिहासिक और पौराणिक जगह है। भगवान बुद्ध के जितने भी अस्थि कलश मिले हैं, उसमें वैशाली में मिला अस्थि कलश सबसे प्रामाणिक है। बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-बुद्ध स्मृति स्तूप के बन जाने के बाद यहां बौद्ध भिक्षु के साथ-साथ बड़ी संख्या में देश-विदेश से पर्यटक भी आएंगे। बोधगया और राजगीर आनेवाले श्रद्धालु भी यहां आएंगे। बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय में महात्मा बुद्ध के जीवन से संबंधित घटनाओं और बौद्ध धर्म से जुड़े प्रसंगों को यहां दशार्या जाएगा।

उदासीनता कायम

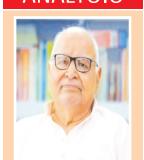
विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने एमपॉक्स को दो साल में दसरी बार अंतरराष्ट्रीय चिंता वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य इमरजेंसी (पीएचईआईसी) घोषित किया है। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इसके प्रकोप और फिर इसके अफ्रीका के दर्जनभर से ज्यादा देशों में फैलने के बाद यह घोषणा की गई। इससे पहले 2022 में, यूरोप के कई देशों में इसके प्रकोप के बाद पीएचईआईसी घोषित करनी पड़ी थी। डब्ल्यूएचओ की घोषणा अफ्रीका सीडीसी द्वारा एमपॉक्स के प्रकोप को महाद्वीपीय सुरक्षा वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य इमरजेंसी (पीएचईसीएस) घोषित किये जाने के एक दिन बाद हुई है। यह पहली बार है जब किसी बीमारी के प्रकोप को क्षेत्रीय और वैश्विक स्वास्थ्य इमरजेंसी घोषित किया गया है। सन् 2017 के बाद यह पहली बार है जब अफ्रीका में पीएचईसीएस घोषित की गई है। यह भी पहली बार है कि डब्ल्यएचओ ने अफ्रीका में किसी बीमारी के प्रकोप के बाद पीएचईआईसी घोषित की है, वह भी इस मामले में निर्णय लेने के लिए इमरजेंसी कमेटी की पहली ही बैठक के बाद। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने अगस्त 2014 में दावा किया था कि इमरजेंसी कमेटी की पहली ही बैठक में पश्चिम अफ्रीका में इबोला के प्रकोप को सार्वजनिक स्वास्थ्य इमरजेंसी घोषित किया गया, लेकिन एसोसिएटेड प्रेस की छानबीन में सामने आया कि कैसे डब्ल्यूएचओ ने कुछ महीनों तक इसे एक सार्वजनिक स्वास्थ्य इमरजेंसी कहने से परहेज किया। वर्ष 2018-19 में अफ्रीका में इबोला के द्वितीय प्रकोप के दौरान, डब्ल्यूएचओ ने इमरजेंसी कमेटी की चौथी बैठक के बाद जाकर इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य इमरजेंसी घोषित किया। सन् 2022 में एमपॉक्स का जो प्रकोप ब्रिटेन में हुआ और 100 से ज्यादा देशों में फैला, वह अपेक्षाकृत कम आक्रामक शाखा के 2बी वायरस की वजह से था। यह मुख्य रूप से पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाने वाले पुरुषों को प्रभावित कर रहा था और बच्चों एवं किशोरों में इसके सीमित मामले थे। लेकिन ताजा प्रकोप ज्यादा घातक शाखा 1बी से उत्पन्न हुआ है, जो यौन और गैर-यौन संपर्क के जरिए असरदार तरीके से फैलता है। इस साल 2,863 पुष्ट मामले आ चुके हैं और 517 मौतें हुई हैं, जो ज्यादातर डीआरसी में हैं। डीआरसी में शाखा 1बी का उभार सितंबर 2023 में हुआ, जिसके बाद से इंसान-से-इंसान में प्रसार जारी है। डीआरसी में, तकरीबन दो-तिहाई संक्रमण 15 साल से कम के बच्चों में हैं। वैक्सीन की फिर भी भारी किल्लत है। प्रकोप पर नियंत्रण के लिए एक करोड़ ख़ुराक की जरूरत है, लेकिन महज 2.1 लाख के आसपास खराक की ही तरंत आपर्ति हो सकेगी। यहां तक कि जब पहले यरोप और अमेरिका में प्रसार मद्धिम करने के लिए वैक्सीन का इस्तेमाल किया गया, तब भी अफ्रीका में, वर्षों से बार-बार एमपॉक्स फैलने के बावजूद, वैक्सीन आपूर्ति नहीं की गयी। वर्तमान में, केवल डीआरसी और नाइजीरिया ने वैक्सीन के लिए आपातकालीन उपयोग की अनुमति दी है।

पड़ोस की परेशानियां

थाईलैंड की सबसे युवा प्रधानमंत्री 37 वर्षीया पेटोंगटारन शिनावात्रा को संसद द्वारा चुन लिया गया। ऐसा अदालत द्वारा श्रेथा थाविसिन को अपदस्थ किए जाने के बाद किया गया। सुश्री पेटोंगटारन पूर्व थाई प्रधानमंत्री और उद्योगपित थाकसिन शिनावात्रा की सबसे छोटी बेटी हैं और यह पद संभालने वाली अपने परिवार की चौथी सदस्य हैं। श्री थाकसिन को 2006 में एक तख्तापलट में हटा दिया गया था, जबिक सुश्री पेटोंगटारन के फूफा सोमचाई वोंगसावत को 2008 में संवैधानिक अदालत ने बर्खास्त कर दिया था और उसी अदालत ने एकबार फिर उनकी बआ यिंगलक शिनावात्रा को भी 2014 में बर्खास्त कर दिया था। प्रधानमंत्री पद पर ताजा बदलाव अतीत की ऐसी कई अचानक बर्खास्तगी को दशार्ता है जिनके लिए थाईलैंड की रूढ़िवादी सत्ता प्रतिष्ठान को जिम्मेदार ठहराया जाता है। श्री श्रेथा 2001 से नियुक्त किए गए एक दर्जन से ज्यादा प्रधानमंत्रियों में से एक थे। गौरतलब है कि अदालत ने श्री श्रेथा को एक ऐसे कैबिनेट मंत्री की नियक्ति के लिए नैतिक उल्लंघन का दोषी ठहराया था, जिन्हें एक दशक से भी ज्यादा समय पहले श्री थाकसिन के भ्रष्टाचार के मामलों की सुनवाई करने वाले एक न्यायाधीश को रिश्वत देने के प्रयास का दोषी ठहराया गया था। खुद श्री श्रेथा 2023 में उस वक्त चुने गए थे, जब चुनावों में सबसे अधिक सीटें जीतने वाली सधारवादी मव फॉरवर्ड पार्टी को सरकार बनाने के लिए अयोग्य करार कर दिया गया था और राजशाही की आलोचना को नियंत्रित करने वाले सख्त कानूनों में बदलाव का सुझाव देने के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। लिहाजा, इस पद पर सुश्री पेटोंगटारन के सुचारू कार्यकाल और व्यवस्था में आमुल-चुल बदलाव लाने की संभावनाएं धूमिल लगती हैं। उनका सबसे महत्वपूर्ण कार्य अपने पूर्ववर्तियों जैसे हश्र से बचते हुए थाईलैंड की सुस्त अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाना होगा। उनकी उम्र और अनुभव की कमी को देखते हुए, उन्हें मुख्य रूप से उनके पिता द्वारा निर्देशित किए जाने की उम्मीद है, जो भ्रष्टाचार के आरोपों की वजह से संयुक्त अरब अमीरात में अपने निर्वासन के बाद सत्ता प्रतिष्ठान के साथ हुए समझौते के तहत स्वदेश वापस लौट आए हैं। यह घटनाक्रम भारत के पूर्व में हिंद महासागर में स्थित पड़ोस में अस्थिरता के समय सामने आया है - बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के निष्कासन ने देश को अनिश्चितता के दौर में धकेल दिया है, जिससे अंतरिम सरकार को निपटना होगा।

बांग्लादेश के हिंदू आखिर कहां शरण लें?

ANALYSIS



🗷 हृदयनारायण दीक्षित

हिंदू आबादी का प्रतिशत घटने के कारण क्या हैं? दोनों देशों में हिंदू आबादी की संख्या अत्याचार, उत्पीडन और हिंसा से घटी है। जोर जबरदस्ती का मतांतरण भी प्रमुख कारण है। मिशनरी लोगों से सम्बंधित साधारण घटनाएं भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बनती हैं। धर्मांतरण करने वाली शक्तियां अपना गैरकानूनी काम करती रहती हैं। उनके गलत काम का विरोध भी सारी दुनिया में चर्चा का विषय बनता है। मगर हिंदूओं की सुनियोजित हत्या पर भी कोई हलचल नहीं होती। हिंदू थोक के भाव मारे जाते हैं, मारे जा रहे हैं। आखिरकार थोक के भाव हिंदुओं की हत्या अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के लिए कोई बड़ी घटना क्यों नहीं है। हिंदुओं की हत्या का मूल कारण है क्या? आहत मन कुछ मौलिक प्रश्न उटते हैं। क्या हिंदू होना एक अभिशाप है? हिंदू सारी दुनिया का लोकमंगल चाहते हैं। हिंदुओं ने कभी किसी दूसरे देश पर हमला नहीं किया।



की हत्या अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के

लिए कोई बड़ी घटना क्यों नहीं है।

हिंदुओं की हत्या का मूल कारण है

क्या? आहत मन कुछ मौलिक

प्रश्न उठते हैं। क्या हिंद होना एक

अभिशाप है ? हिंदु सारी दुनिया का

लोकमंगल चाहते हैं। हिंदुओं ने

कभी किसी दूसरे देश पर हमला

नहीं किया। केवल हिंदू होने के

कारण ही वे मौत के घाट उतार

दिए जाते हैं। अबोध बच्चियों के

साथ भी बलात्कार हो रहे हैं।

बांग्लादेश की सेना नियंत्रित

ग्लादेश में हिंदू चुन-चुन कर मारे जा रहे हैं।



सरकार हिंदओं की रक्षा में असफल हुई है। हिन्दू उत्पीड़न के सरोकार बड़े हैं। भारत विभाजन के पूर्व मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान की मांग की थी। इस मांग को लेकर भी हिंदुओं का भयंकर रक्तपात हुआ था। डायरेक्ट एक्शन डे के नाम से व्यापक नरसंहार हुआ था। अविभाजित भारत की अंतिम जनगणना 1941 में हुई थी। तब हिंदु 84.44 प्रतिशत और मुस्लिम 13.38 प्रतिशत थे। मुसलमानों के इस प्रतिशत में आज के पाकिस्तानी और बांग्लादेशी मुसलमान भी शामिल थे। 1947 में भारत विभाजन हुआ। स्वतंत्र भारत की प्रथम जनगणना (1951) में पाकिस्तानी और बांग्लादेशी मुस्लिम जनसंख्या नहीं रही। इसलिए हिंदू आबादी का अनुपात 87.24 प्रतिशत हो गया। यहां की मुस्लिम आबादी 10.43 प्रतिशत रह गई। 50 वर्ष बाद 2001 में भारत में जनगणना हुई। हिंदू आबादी घटी और 84.21 प्रतिशत रह गई। मुस्लिम आबादी का अनुपात अविभाजित भारत के 13.38 प्रतिशत से भी ज्यादा हो गया। जनसंख्या के इसी अनुपात पर मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान मांगा था। पाया था। अब एक और पाकिस्तान की जनसंख्या हो गई है। हिंदु इस सवाल को उठाते हैं

हिंदु आबादी ही सर्वपंथ समभाव और लोकतंत्र की गारंटी है। बांग्लादेश की सीमाओं पर प्राण रक्षा के लिए व्यथित हिंदू अल्पसंख्यक हैं। वे इसीलिए मारे जा रहे हैं कि बांग्लादेश में हिंदुओं की संख्या कम है। सेकुलर दल हिंदु संहार पर मौन रहते हैं। बांग्लादेश से भारत के लिए अवैध प्रवेश होता रहा है। भारतीय संसद में अनेक बार बांग्लादेशी घुसपैठ स्वीकार की गई है। भारत के अधिकांश राजनैतिक दल हिंद नाम के प्रयोग से डरते हैं। फिलिस्तीन को लेकर देश के सेकुलरपंथी दुख व्यक्त करते हैं। लेकिन हिंदु प्रजाति के खात्में को लेकर मौन हैं। वाम दल भी हिंद नरसंहार पर मौन हैं। समुची हिंदू जाति पर संकट है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार नागरिकता संशोधन कानून लायी थी। कट्टरपंथियों ने इसका विरोध किया था। वे हिंसक हो गए थे। बांग्लादेश के हिंदू आखिरकार कहां शरण लें? क्या करें? पाकिस्तानी गैर मुसलमान और हिंदु भी उत्पीड़न के शिकार हैं। पाकिस्तान में भी हिंदू हिंसा का शिकार होते हैं। ईशनिंदा कानून में बड़ी सजा है। पाकिस्तानी सरकार हिंदुओं के विरुद्ध इसका इस्तेमाल

मानवाधिकार चार्टर भी बांग्लादेश के हिंदुओं की रक्षा नहीं कर पा रहा है। जाति, वंश, लिंग आधारित भेदभाव को निषिद्ध बताने वाले सेक्युलर हिंदु नरसंहार पर चुप हैं। प्रख्यात इतिहासकार डॉ. हर्ष नारायण ने लिखा है कि, वास्तव में इस्लाम कहीं भी काफिरों के साथ सहअस्तित्व को न प्रोत्साहन देता है और न अनुमति। वह इसकी संभावना पर भी विचार नहीं करता। हिंदू अपने चिंतन दर्शन में समची धरती को परिवार मानते हैं लेकिन इस्लामी राजनीतिक चिंतन में इसकी कोई गंजाइश नहीं। संस्कृति के चार अध्याय (पृष्ठ 302) में रामधारी सिंह दिनकर ने लिखा है कि. भारत में इस्लाम का आरंभिक इतिहास मारकाट और खरेंजी, धर्म परिवर्तन, अभद्रता और अन्याय का इतिहास है। मुसलमान एक आदर्श मजहब और एक सुगठित समाज में जिस प्रकार आबद्ध थे, उससे उन्हें अपार नैतिक बल प्राप्त होता था। इसके विपरीत हिंदुत्व ढीला हो चुका था। हिंदुओं के धर्म, आदर्श और सिद्धांत के अनेक रूप थे। फिर भी भारत में इस्लाम की धाक उस आसानी से नहीं जमी।ह्यह्य इस्लामिक कट्टरता नई बात नहीं थी और न ही हिंदू

अलबेरूनी ने लिखा है कि, हिंद जन्मजात अहिंसक थे। अनेक धर्मों का स्वागत करते थे। वे धार्मिक मामलों में बहुत ही सहिष्णु हो गए थे। महमूद से पहले जो मुसलमान भारत आए थे उन्हें यहां के राजाओं ने अच्छा प्रश्रय दिया था। हिंद अपने सहिष्ण स्वभाव के कारण बढ-चढ कर नहीं लडते थे। दिनकर ने लिखा है कि, लड़ाई और मारकाट के दृश्य तो हिंदुओं ने बहुत देखे थे। उन्हें सपने में भी यह ख्याल नहीं था कि दुनिया की एकाध जाति ऐसी भी हो सकती हैं जो मूर्तियों को तोड़ने और मंदिरों को ध्वस्त करने में ही सुख माने। मुस्लिम आक्रमण के साथ मंदिरों और मूर्तियों पर विपत्ति आई। हिंदुओं का हृदय फट गया। मंदिरों और मूर्तियों पर हमले का लंबा इतिहास है। भारत में लाखों मंदिर ध्वस्त किए गए थे। लेकिन बात यहीं आकर समाप्त नहीं हुई। वे हिंद समाज को समाप्त करने के मकसद से किसी भी तरह की लड़ाई पर आमादा रहे हैं। हिंदू और मसलमान के बीच की दरी पाट कर एक सहअस्तित्वपर्ण समाज बनाने के अनेक उपाय किए गए। महात्मा गांधी ने हिंदू मुस्लिम एकता का व्रत लिया था। अंत में उन्होंने लिखा कि. हिंद मस्लिम एकता के प्रश्न पर मैं हार गया। दिनकर के अनुसार इस्लाम केवल नया मत नहीं था। यह हिंदुत्व का ठीक विरोधी मत था। हिंदुत्व की शिक्षा थी कि किसी भी धर्म का अनादर मत करो। मुसलमान मानते थे कि जो धर्म मूर्ति पूजा में विश्वास करता है उसे नस्तेनाबृत कर देना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचार के अनुसार जीवन जीने का अधिकार है और अपने अंतःकरण के अनुसार मत, मजहब, रिलीजन

सहिष्णता। दिनकर के अनसार

एक अंतरराष्ट्रीय भाषा है संस्कृत

षा एक संचार साधन के रूप में जन्म लेकर बढ़ती आई है। हर एक भाषा का हजारों वर्ष का इतिहास देखने को मिलता है। दुनिया में हजारों भाषाएं हैं, उनमें कई भाषाओं के लिए लिपि भी नहीं है, ऐसी भाषाएं केवल संभाषण के रूप में चलती आई हैं। संस्कृत अत्यंत प्राचीन भाषा मानी जाती है। यह भाषा देव के मुख से निकली देवभाषा, गीर्वाण भाषा कही जाती है। उसकी प्राचीनता के संबंध में काल निश्चित करना संभव न होने पर भी प्राप्त जानकारी के अनुसार पाश्चात्यों ने ई.पू. 1500 तक इसकी प्राचीनता का अंदाजा लगाया है। यह भारतीयों के लिए गर्व का विषय है। यह मात्र प्राचीन ही नहीं, समृद्ध और वैज्ञानिक भी है और कई भाषाओं के लिए मातृस्वरूप है। हिंदी भाषा तथा कन्नड़, तेलुगु, मलयालम आदि क्षेत्रीय भाषाओं को समग्र रूप से जानने के लिए संस्कृत का ज्ञान अत्यंत पूरक है। अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के लिए उस भौगोलिक प्रदेश की पृष्ठभूमि रहती

है। लेकिन संस्कृत ऐसी भौगोलिक सीमाओं से परे राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्टीय स्तर की भाषा भी है। उसमें निहित वेद, दर्शन, रामायण, महाभारत, शाकुंतल आदि ग्रंथ वैश्विक स्तर पर पूजनीय माने जाते हैं। इतना ही नहीं, संस्कत भाषा से अनदित साहित्य से क्षेत्रीय भाषाएँ समृद्ध हुई हैं। संस्कृत भाषा और साहित्य ने विश्व को महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संस्कृत भाषा व साहित्य में कला और विज्ञान से संबंधित विशिष्ट बातों का उल्लेख है। सरल शब्दों में कला प्रतिभाप्रधान है। प्राचीन भारत में हर एक ज्ञान शाखा को और कला को ब्रह्मज्ञान पाने का पुरक मार्ग माना जाता था। कई संस्कृत ग्रंथों में कलाओं की संख्या 64 होने से और रामायण. महाभारत, पुराणादि ग्रंथ, वात्सायन कामसूत्र में भी 64 कलाओं का उल्लेख है। कंसवध के बाद सांदीपनी महर्षि के पास गुरुकुल में विद्या सीखने जाने पर श्री कृष्ण ने केवल 64 दिनों में 64 कलांएं, 14 विद्याएं सीखीं, ऐसा उल्लेख है।

ऐसे ही काव्य, विज्ञान, अर्थशास्त्र, गणित, न्यायालय के निर्णय, आयुर्वेद और प्रस्तुत समय में प्रसिद्ध संस्थाओं के ध्येयवाक्यों को भी संस्कृत में देख सकते हैं। कवि की कृति को काव्य कहते हैं। लेकिन लिखने वाला हर कोई कवि नहीं कहलाता। लिखा हुआ सब कुछ काव्य नहीं हो सकता। कवियों में पुराने जन्मों और अब के जन्म के उत्तम संस्कार, श्रेष्ठ गुरुओं के पास अध्ययन, उदात्त लोगों का निरंतर मार्गदर्शन, प्रवास, हर दिन पठन, चिंतन आदि होने चाहिए। तब जाकर वह कवि, महाकवि बन सकता है। वाल्मीकी जी दुनिया के प्रथम कवि माने जाते हैं। उनके द्वारा संसार को समर्पित रामायण आदिकाव्य नाम से प्रसिद्ध है। सांकेतिक रूप से पाँच और कृतियां संस्कृत में महाकाव्य के रूप में प्रसिद्ध हैं। वे हैं- महाकवि कालिदास विरचित रघुवंश और कुमारसंभव, भारवी द्वारा रचित किराताजुर्नीय, माघ शिशुपालवध और श्री हर्ष विरचित नैषधीयचरित। विश्वप्रसिद्ध पंचतंत्र

कवि नागपुर के डा. श्रीधरभास्कर शिवराज्योदयम, ज्ञानपीठ पुरस्कृत सत्यव्रतशास्त्री रामकीर्तिमहाकाव्यम, भारतम ऐसे कई महाकाव्य उल्लेखयोग्य हैं। राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत मैसूर के विद्वान डा. एच.वी.नागराजराव जी भारत के सुप्रसिद्ध संस्कृत महाकवि हैं, जिनके द्वारा रचित दसों शतक प्रसिद्ध हैं। संस्कृत और विज्ञानः संस्कृतविज्ञान में अत्यंत बड़ी मात्रा में उपलब्ध खगोलशास्त्र की ज्ञानराशि हमारे प्राचीनकाल से हमारे साथ ही है। यह अवधि ई.पू.6000 ई के ऋग्वेद के मंत्र से लेकर 14 वें दशक के सायणाचार्य जी की व्याख्या तक पसरी हुई है। वेदकाल के बाद ख्यात ऋषिसदृश कई प्रसिद्ध वैज्ञानिकों को हम देख सकते हैं। प्रमुख रूप से ईसा की 5 वीं सदी का आर्यभट, 7 वीं सदी का भास्कर-1, ईसा की 12 वीं सदी का भास्कर-2 आदि। ऐसा

बताया जाता है कि सूर्यदेव के प्रकाश की किरणों की गति को 19वीं सदी के पाश्चात्य वैज्ञानिक मैखालसन और मार्ले नामक व्यक्तियों ने अन्वेषित किया। लेकिन प्राचीन भारत के वैज्ञानिक महर्षियों ने ई.पू. 6000 साल से पहले ही इसका अन्वेषण किया यह गर्व की बात है। अर्थशास्त्र अथर्ववेद का उपवेद है। यह राजनीति से संबंधित कई बातों की जानकारी देता है। आचार्य विष्णुगुप्त अर्थशास्त्र के प्रणेता है। चाणक्य, कौटिल्य, आदि उनके उपनाम हैं। जीवन निर्वाह के लिए जो आवश्यक है। उसे कौटिल्य ने अर्थ कहा है। इस अर्थ के लाभ और संरक्षण के क्रम को अर्थशास्त्र विस्तृत रूप से जानकारी देता है। चाणक्य ने राज्य की रक्षा, किले, चार सांप्रदायिक विद्याएँ, चार राजकीय उपाय, छः प्रकार के विदेश नीति, मंडल व्यवस्था, राजा के दंडनाधिकार, मंत्रि परिषद की रचना, राजा द्वारा अपने पुत्र, पत्नी, बंधुओं की परीक्षा करने का विधान, राजा की मृत्यू

पर मंत्री का कार्यभार, शत्रुओं का सामना करने के तंत्र, रक्षा के उपाय, गृढचर्या, विभिन्न विभागों के अध्यक्षों के कार्य, शिक्षा विधान आदि विचारों को कौटिल्य ने विस्तार से समझाया है। पहली बार कौटिल्य के अर्थशास्त्र ग्रंथ का संपादन करके मैसूर के रुद्रपट्टण के डा.आर.शामशास्त्री जी ने ग्रंथरूप में प्रकाशित किया। 1909 में इसे दनिया में पहली बार मद्रित करके प्रकाशित करने का गर्व मैसर के प्राच्यविद्यासंशोधनालय का है। एक समय था, जब गणित को संस्कत भाषा में पढाया जाता था। आज इसे सनकर आश्चर्य होता है। किसी भी विषय को लय के द्वारा समझाने से मन को न केवल आह्लाद मिलता है, बल्कि वह ज्यादा समय तक मन में टिक भी जाता है, यह अनुभवजन्य सत्य है। इसलिए गणित जैसे कठिन विषय को भी लय, छुन्दोबद्ध पदों के द्वारा न केवल सुस्पष्ट रूप से बल्कि सुलभ रीति से समझाया जाता था।

हमारे स्कूलों-कालेजों में सिखाये

Social Media Corner

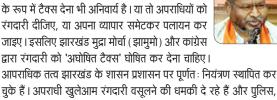
सच के हक में

संविधान और आरक्षण व्यवस्था की हम हर कीमत पर रक्षा करेंगे। भाजपा की लेटरल एंट्री जैसी साजिशों को हम हर हाल में नाकाम कर के दिखाएंगे। मैं एक बार फिर कह रहा हूं – 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को तोड़ कर हम जातिगत गिनती के आधार पर सामाजिक न्याय सुनिश्चित करेंगे। जय हिन्द।



(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड में व्यापार करने के लिए सिर्फ सरकार से 🌘 लाइसेंस प्राप्त करना नहीं, बल्कि अपराधियों को रंगदारी के रूप में टैक्स देना भी अनिवार्य है। या तो अपराधियों को रंगदारी दीजिए, या अपना व्यापार समेटकर पलायन कर जाइए। इसलिए झारखंड मुद्रा मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस



चुके हैं। अपराधी खुलेआम रंगदारी वसूलने की धमकी दे रहे हैं और पुलिस, व्यवसाइयों को सुरक्षा देने की बजाय जांच के नाम पर सिर्फ फोटोशूट करा रही है। ऐसी नालायक सरकार और भ्रष्ट पुलिस प्रशासन से न्याय की उम्मीद नहीं की जा सकती। आगामी चुनाव में हेमंत सरकार के कुशासन और जंगलराज को उखाड़ फेंक कर भारतीय जनता पार्टी झारखंड के साढ़े तीन करोड़ जनता जनार्दन को व्यवसाय करने के लिए सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण प्रदान करेगी।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

कम हो सकेगा प्रभाव

नन पर कर लगाने का राज्यों का अधिकार 1 अप्रैल, 2005 की तारीख से प्रभावी तथा बरकरार रखते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने एक ओर जहां राजकोषीय संघवाद के सिद्धांतों को मजबूती प्रदान की है, वहीं दूसरी ओर उसने खनन कंपनियों पर भारी वित्तीय देनदारी भी थोपी है। उद्योग जगत के मुताबिक निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के खनन करने वालों को इस फैसले के पुरानी तारीख से लागू होने के कारण 1-2 लाख करोड़ रुपये की चपत लग सकती है। केंद्र सरकार ने न्यायालय से कहा कि अकेले सरकारी क्षेत्र की खनन कंपनियों पर इस फैसले से करीब 70,000 करोड़ रुपये का वित्तीय भार आएगा। न्यायालय द्वारा तय अंतिम तिथि सशर्त है, मसलन कोई ब्याज या जुमार्ना नहीं लगेगा और भुगतान 12 वर्षों में किया जाएगा। इससे कुछ राहत मिली है। सर्वोच्च न्यायालय ने अतीत की तिथि से लागू करने के बारे में

स्पष्टीकरण दिया है कि निर्णय को भविष्य में लाग करना उचित नहीं होगा। उसका यह तर्क दिखाता है कि उच्चतम स्तर पर भी न्यायपालिका में काम की गति कितनी धीमी है। सन 1989 में सात न्यायाधीशों के पीठ ने इंडिया सीमेंट और तमिलनाडु राज्य एवं अन्य के मामले में कहा था कि खनिज उत्खनन की रॉयल्टी टैक्स नहीं है। उसने कहा कि केवल सीमेंट पर कर लगाया जा सकता है जबकि राज्य सरकार केवल रॉयल्टी वसूल सकती है। पांच न्यायाधीशों के पीठ ने 2004 में टाइपिंग की एक गलती की ओर इशारा करते हुए इस निर्णय को उलट दिया। उसने कहा कि रॉयल्टी कर नहीं है लेकिन रॉयल्टी पर लगने वाला उपकर (जो तमिलनाडु सरकार ने लगाया था लेकिन इंडिया सीमेंट उसका विरोध कर रही थी) कर है और ऐसे अतिरिक्त उपकर वसूल करना राज्यों का इसके परिणामस्वरूप कई राज्यों ने अपने-अपने यहां खनिज खनन पर ऐसे कर लगाने के अधिकार का इस्तेमाल किया। इस बीच न्यायिक चुनौतियां भी उत्पन्न हुईं। आखिर में सर्वोच्च न्यायालय ने इन सभी चुनौतियों के परीक्षण के लिए एक पीठ का गठन किया। उसने कहा कि उसके निर्णय के भावी इस्तेमाल से ऐसी स्थिति बनेगी जहां राज्यों द्वारा खनन पर लगने वाले कर के लिए बने कानून अवैध होंगे और उन पर यह दबाव बनेगा कि वे सक्षम कानून के माध्यम से कर के रूप में संग्रहित राशि को वापस करें। वित्तीय बोझ के अलावा अतीत से प्रभावी करों का देश में एक विवादास्पद इतिहास रहा है और अतीत में उसने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को भी नुकसान पहुंचाया है। वर्ष 2007 में एस्सार टेलीकॉम द्वारा हचिंसन से वोडफोन का अधिग्रहण किए जाने के बाद वित्त अधिनियम 2012 द्वारा पूंजीगत लाभ पर अतीत से कर लगाने के मामले में 2022 में स्थायी मध्यस्थता

न्यायालय ने निरस्त कर दिया था। वर्ष 2012 के कानन के नुकसानदेह असर के चलते सरकार ने 2021 में उस कानून को ही निरस्त कर दिया था। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय निस्संदेह खनिज समृद्ध राज्यों की वित्तीय स्थिति को बदलेगा। दो अगस्त को झारखंड ऐसा विधेयक पारित करने वाला पहला राज्य बन गया जिसने अपनी सीमा के भीतर होने वाले खनिज-कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट और मैंगनीज पर उपकर लगाया। ओडिशा, राजस्थान छत्तीसगढ़ इससे लाभान्वित होने वाले अन्य राज्य हैं। परंतु इस निर्णय के मुद्रास्फीतिक प्रभाव के पहलू को देखते हुए अकेले कोयले पर लगने वाला कर कीमतों में इजाफे की वजह बन सकता है। राज्यों के लिए अच्छा होगा कि वह सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उन्हें दिए गए विवेकाधिकार का इस्तेमाल करें। इससे निर्णय का प्रभाव कम हो सकेगा और उन्हें लाभ होगा।

महिलाओं का अस्तित्व

दुनिया भर में तालिबान को कट्टर धार्मिक विचारधारा और प्रतिगामी मुल्यों के वाहक के तौर पर ही जाना जाता है। मगर, उम्मीद की जाती थी कि अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होने के बाद उसके भीतर कुछ बदलाव आएगा और वह देश के समग्र विकास की दिशा में सोचेगा। अफसोस कि अब तक ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है, जिससे वहां के लोगों, खासकर महिलाओं में अपने बेहतर जीवन और भविष्य को लेकर कोई उम्मीद जगे। संयुक्त राष्ट्र की एक रपट में बताया गया है कि तालिबान ने सत्ता में आने के बाद कम से कम चौदह लाख लड़िकयों को जानबूझ कर माध्यमिक शिक्षा से वंचित कर दिया है। यूनेस्को के मुताबिक, पिछले वर्ष अप्रैल में हुई गणना के बाद इसमें तीन लाख की बढ़ोतरी हुई है। अगर इसमें उन लड़िकयों की संख्या भी जोड़ ली जाए, जो प्रतिबंध लागू होने से पहले स्कूल नहीं जा रही थीं, तो अब देश में लगभग पच्चीस लाख यानी अस्सी फीसद लड़िकयां शिक्षा के अधिकार से वंचित हैं। इस तरह, अफगानिस्तान का समाज एक तरह से अधूरे विकास के दौर से गुजर रहा है, जिसमें वहां की महिलाओं की पढ़ाई-लिखाई को धर्म और परंपरा के खिलाफ माना जाता है। हालांकि 2021 में जब तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज हुआ था, तो उसने कठोर इस्लामी शासन से राहत देने का आश्वासन दिया था। मगर अगले ही वर्ष वहां लड़िकयों की शिक्षा पर पाबंदी लगा दी गई, महिलाओं को सरकारी नौकरियों में नहीं जाने दिया गया और उनके अकेले लंबी यात्रा करने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। ऐसे में यह समझना मुश्किल नहीं है कि वहां की महिलाओं का जीवन कैसा होगा। विचित्र है कि एक ओर तालिबानी शासन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता पाने की इच्छा रखता है, लेकिन दूसरी ओर वहां की महिलाओं को पढ़ाई-लिखाई तक से वंचित रखना अपनी जिम्मेदारी समझता है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Frame strict law to safeguard healthcare workers

THE rape and murder of a resident doctor at the state-run RG Kar Medical College and Hospital earlier this month has triggered widespread outrage and shaken the conscience of people. The post-mortem report indicates a Nirbhaya-like brutal assault. Shocking as it is, the incident occurred on the premises of the medical facility while she was on duty. To make it worse, the hospital authorities tried to cover it up.

This was not an isolated case. Last year, a 22-yearold doctor was stabbed to death in Kerala in the presence of cops. These two cases are extreme instances of violence against medical professionals, something that has been going on for years. Just a couple of months ago, doctors at a hospital in Raichur were thrashed by relatives after a patient's death. And earlier, in January, a doctor was assented at a talk hospital in doctor was assaulted at a taluk hospital in Karnataka. Violence against doctors falls into two categories. First, there is violence by the relatives or attendants of a patient over perceived negligence or billing disputes. And then there is violence by criminal elements. The Kolkata incident is a case of crime against a woman. Doctors at bigger, private hospitals are relatively safe, thanks to restrictions on the entry and number of attendants, the presence of CCTV cameras and adequate infrastructure.

However, at government hospitals, the entry of outsiders goes mostly unchecked. Besides, there is a shortage of security personnel, corridors are poorly lit, duty rooms are not adequate, and there is often little electronic surveillance. Currently, most Class III and IV employees are hired on contract, and their antecedents are not verified. The victim in the Kolkata case had gone to a seminar room to take rest, perhaps because of the unavailability of a proper duty room. The culprit is said to be a 'civic volunteer', who would ostensibly help patients get admitted to government hospitals, in all likelihood, for a commission. But it is not only doctors who are at the receiving end; other healthcare workers (HCWs) also face violence. The most gruesome incident was the sexual assault on a nurse by a hospital lift operator at Mumbai's KEM Hospital in 1973. The victim suffered brain damage and remained in a vegetative state for over 40 years. Nurses and other female employees are the most vulnerable segment at hospitals. The WHO defines workplace violence in the healthcare sector as incidents in which a staff member is abused, threatened or assaulted in circumstances related to their work. Lancet surveillance yielded 225 violent incidents against HCWs in 2020 and 110 in 2021. Though India contributes less than 1 per cent of global HCWs, it accounted for 3.4 per cent of all such incidents. The incidence of violence against HCWs in India was 57 times that in the UK and 850 times that in China, countries that have taken legal action against violence. According to an estimate, there is at least one case of violence against an HCW in the national capital every day, with a majority going unreported.

The Indian Medical Association has been demanding a separate law to ensure the safety and security of doctors and other HCWs. Following reports of violence against HCWs during the Covid-19 pandemic, the Epidemic Diseases (Amendment) Ordinance, 2020, was promulgated to supplement the Epidemic Diseases Act, 1897. The Ministry of Health and Family Welfare had released the Healthcare Service Personnel and Clinical Establishments (Prohibition of Violence and Damage to Property) Bill in September 2019 to address violence against healthcare professionals and damage to property. But it was rejected by the Ministry of Home Affairs on the grounds that the Bill would set an improper precedent for others seeking such exclusive protections for their respective professions. Subsequently, in September 2020, the Epidemic Diseases (Amendment) Act, 2020, was passed, but its provisions fall short of the doctors' demands.

Since law and order is a state subject, there are state laws in 25 states (including West Bengal) and union territories called the Medicare Service Persons and Medicare Service Institutions Act. Under the Act, violence against HCWs is a nonbailable offence in most states, but there is no uniformity in its provisions in different states. Moreover, there is apathy and a lack of awareness about it among law enforcement agencies.

A lesson about the neighbourhood

Putting govts into 'pro-India' or 'pro-China' boxes serves to show up Delhi's insecurities

INDIA and the Maldives appear to be working quietly to reset their ties since their low point between January and March this year. External Affairs Minister S Jaishankar's visit to Male earlier this month came two months after President Mohamed Muizzu visited Delhi for the swearing-in ceremony of Prime Minister Narendra Modi. The realisation on both sides that each needs the other is apparent. India had to pull out its military personnel from the Maldives, but the archipelago's tourism-and-importsdependent economy is sinking under a twin fiscal and current account deficit crisis and a debt of mountainous proportions. India tends to dismiss popular movements in its neighbouring countries as orchestrated by foreign hands or political parties, leading to nasty surprises.

Last month, Muizzu announced cutbacks in spending. Public expenditure has been slashed drastically, leaving in the lurch infrastructure projects. The free healthcare

system is to be streamlined and lossmaking state-owned enterprises face 'reforms'. If the Maldives needs Delhi for an economic bailout, the latter remains acutely aware of the strategic importance of the Maldives. At Male's request, Delhi rolled over a \$50-million Maldives Treasury Bill, resubscribing to it for one more year upon its maturity. The thank-you note came a month later. On a visit to China, Maldivian Minister of Economic Development and Trade Mohamed Saeed noted in an interview to a TV channel the importance of India to his country's economy. It was a 180-degree turn from Muizzu's "India is a threat to our sovereignty" declaration in Beijing in January.But Delhi's more significant ask from the Maldives is a free trade agreement. Saeed told a

press conference in Male that India "is asking that there should be a free trade agreement" and that deliberations had been initiated in this regard. He said the Maldives was open to having FTAs with 'all countries' for 'ease of trade'. It already has an FTA with China dating back to 2018, signed during the Abdulla Yameen government. He was voted out before it could be implemented. The successor Ibu Solih government shelved it. It is significant that Muizzu's announcement on implementing the FTA with China in September came days ahead of Jaishankar's visit. All this was likely discussed during Jaishankar's visit.

What this means is that the Maldives-India reset is still a work in progress and it will not be all smooth. But the

pragmatism that now informs the relationship between Doing this as a matter of course is important rather than six India and a small country like the Maldives is instructive for India's relations across the region. For one, it shows that putting governments abroad into narrow 'friend of Delhi' or 'anti-India' boxes only reveal India's own insecurities behind the bluster of a 'strong' foreign policy. It reinforces an unflattering image of a Delhi whose diplomacy succeeds only in ideal conditions, that is when 'loyalty' from the other government is available on tap. How much the 'pro-India' Ibu Solih's decision to outlaw criticism of India in 2022 was influenced by Delhi is not known. What is clear is that the undemocratic decree played right into the hands of the Maldivian opposition and those behind the 'India Out' protests. Just like the much-advertised friendship between India and Sheikh Hasina in Bangladesh exposed bilateral ties to high risk, especially when Delhi could not deliver on her



one big demand — an agreement on the sharing of the Teesta waters — and her own turn to authoritarianism began to be blamed on India.

Secondly, change of government is inevitable in democracies, making a diplomatic outreach to opposition parties important. India has been seen reaching out to the Janatha Vimukthi Peramuna (JVP) in Sri Lanka, a party with a history of virulent opposition to India and whose leader Anura Kumara Dissanayake is a strong contender in the upcoming presidential election. He was invited to India recently, given a tour of Anand, the heart of India's hard-wrought milk self-sufficiency, and Kerala, where the JVP, a party that combines Sinhala nationalism with leftism, could see India's federalism in action.

months before an important election, when it sends a message of another kind. In Bangladesh, India has shunned the BNP since 2012. Thirdly, in a region partitioned along religious lines, communally charged statements at home or violent incidents of communal hate travel swiftly across borders. In June 2022, despite the Solih government's India First policy, it was forced by the Opposition to issue a statement of 'deep concern' over remarks by a BJP spokesperson against Prophet Muhammad.Sheikh Hasina's government, on the other hand, declared the matter 'an internal issue', reinforcing the perception that she was taking orders from Delhi. India was right in asking Bangladesh to protect its minorities but Delhi's own failure to lead by example is conspicuous. Muhammed Yunus, head of Bangladesh's interim government, has visited a Hindu temple and

reassured the country's Hindus that they will be protected. In India, the PM has engaged in dangerous dog-whistling.Lastly, and perhaps most importantly, for India, which positions itself as a first responder to multiple crises in the neighbourhood - from economic emergencies to climate change, piracy, accidents at sea, water shortages, tsunamis, earthquakes, etc. — the people should be at the heart of the engagement. Nepal, Sri Lanka, Bangladesh, the Maldives, civil society and media are strong actors and influence public opinion in no small measure. People's perceptions and views about India and its role contributes directly or indirectly to antiincumbency in most of these countries.

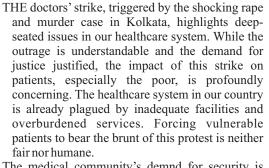
A recent statement by mediapersons and civil society activists of Nepal, Bangladesh and Sri Lanka asks India to "be supportive of the democratic aspirations of South Asia's peoples and let them build their individual paths to the future". But Delhi's securitised foreign policy in the region has little place for engagement with non-government actors, mirroring the Modi

government's attitude towards them at home. When was the last time an Indian foreign minister gave an interview to the media in these countries? Instead. there is a tendency to talk down people's agency in these countries and to dismiss popular movements as orchestrated by foreign hands or political parties, leading to nasty

In Afghanistan, the one country in the region where the people love India unconditionally, Delhi has stepped away deliberately from a robust people-to-people engagement for the sake of its Pakistan/security-driven engagement with the Taliban. But even there, Delhi would be making a mistake by believing that the people will never win back their agency.

Doctors' strike

A right cause, but at what cost to patients?



The medical community's demnd for security is critical and should not be dismissed. Doctors are rightly concerned about the dangers they face while performing their duties. However, there are more balanced ways to express these grievances without compromising patient care. Wearing black badges or organising rotational strikes could

be effective alternatives that would allow doctors to voice their concerns while ensuring that essential services



remain available. The Madhya Pradesh High Court has emphasised the importance of maintaining healthcare services during strikes, highlighting the legal and moral

responsibility of medical professionals to their patients.

The government needs to address the root causes of the doctors' dissatisfaction by ensuring their safety through adequate funding and infrastructure improvements, such as providing more CCTV cameras and security personnel in medical institutions. In a country where healthcare access is already a challenge, the strike only exacerbates the suffering of those who can least afford it. The lack of political will to improve healthcare services is evident. The government must act swiftly to resolve this crisis so that justice is delivered speedily. Balancing the doctors' legitimate concerns with the

fundamental right to healthcare is not just a necessity, but

it is also a moral imperative.

Zero-tolerance approach a must to curb crimes against women

The plight of victims in high-profile rape cases and the relief accorded by the state to the accused are stark in cases such as that of Bilkis Bano.

THE horrific gangrape and murder of a junior doctor at a medical college and hospital in Kolkata has triggered national outrage. This was reflected in Prime Minister Narendra Modi's Independence Day address.

Alluding to the incident, Modi said: "I would like to express my pain once again, from the Red Fort today. As a society, we will have to think seriously about the atrocities against women that are happening — there is outrage against this in the country. I can feel this outrage. The country, society and state governments will have to take this seriously." He added that such cases of crime against women should be investigated speedily "and those responsible should be punished without delay". The victim in the Kolkata case is being referred to as Abhaya by her shell-shocked colleagues, recalling the horrific 2012 Delhi gangrape-murder that was termed the 'Nirbhaya' case; it took eight years before the perpetrators were finally brought to justice in March 2020. Whether the culprits in the Abhaya case will be awarded exemplary punishment is a moot point, as the case has already generated a predictable political slugfest. The Trinamool Congress (TMC) government led by CM Mamata Banerjee has accused the Opposition parties (BJP, Congress and CPI) of muddying the waters. Some very anomalous developments characterise the Abhaya case.

While law and order is a state subject, in what amounts to a no-confidence signal against the local police, Mamata has backed the transfer of the case probe to the CBI and demanded that the perpetrators be apprehended and tried expeditiously. Preliminary reports about how the case was handled by the local police in the early stages of the investigation have raised many troubling questions, including allegations of a botched cover-up attempt to shield the perpetrators. A rebuke by the Calcutta High Court has shamed the police. To compound the alleged perfidy by the state government, the principal of the medical college concerned was allowed to 'resign' but was immediately appointed at another local hospital, thereby exonerating him of the lapses resulting in the Abhaya tragedy. Even wellwishers of the TMC are dismayed.

The sexual violence unleashed on the doctor is gut-wrenching. Hopefully, the CBI will be able to move swiftly, even as the Abhaya case is the tip of a murky iceberg. In the same fortnight, a nurse returning home after night duty at an Uttarakhand hospital was sexually assaulted and murdered (July 30); the accused was arrested a week later from Bareilly. India's rape statistics indicate that 90 such dastardly incidents are reported daily. This

may be relatively low by global standards — as per an estimate, India reports 1.8 rape cases per 100,000 population, while the figures for Botswana and South Africa are 92.9 and 72.1, respectively. However, this is callous justification for the deplorable trends related to the security and safety of women and the girl child over the past two decades. A large number of rape and molestation cases do not get reported by the families of the victims. Alas, in many instances, close family members are the culprits. Despite Nirbhaya-2012 and the outrage it generated at that time, the response of both the state and society has not changed for the better in any visible manner. Immediate uproar after every ghastly incident is followed by political platitudes. The 'Beti Bachao' (save the girl child)



pledge, made with fanfare by Modi 1.0 in January 2015, remains a mere slogan. The law is enforced in a selective manner. Once assured of state patronage, the ubiquitous male predator remains on the prowl and vulnerable women are exploited, whether at the workplace (as in the Abhaya case) or on the streets (Nirbhaya case).

PM Modi made an intriguing observation in his August 15 address when he highlighted the importance of creating a 'fear of consequences of rape'. He said: 'When an incident of rape happens, the media discusses the case at length, but when these perpetrators are brought to book, there is very little discussion on the same. We need to speak about the action taken on such criminals so that it can act as a

deterrent."The plight of victims in high-profile rape cases and the relief accorded by the state to the accused are stark in cases such as that of Bilkis Bano (2002 Gujarat riots); clearly, political considerations trump the sanctity of the law. Electoral compulsions have made a mockery of justice; the perpetrators, instead of being brought to book, are feted and treated with kid gloves. The sordid Gurmeet Ram Rahim saga and the latitude given by the Modi government to ex-MP and former wrestling federation chief Brij Bhushan Sharan Singh are illustrative. Alas, the Indian ecosystem stinks when it comes to political rectitude and institutional integrity. This is borne out by a disturbing trend. The nexus between crime and politics in India was outlined in the 1993 Vohra committee report, but to little avail. An ADR (Association for Democratic Reforms) survey after the 2024 Lok Sabha elections revealed that 251 (46 per cent) of the 543 newly elected

MPs had criminal cases registered against them and 27 had been convicted. In 2023, it was estimated that 134 sitting MPs and MLAs were facing cases related to crimes against women; this list included 21 MPs and 113 MLAs. Chanakya's tenet that the ruler (the elected leader in the current times) has to be guided by the yogakshema (welfare) of the citizens, particularly vulnerable ones such as women, must come back into focus for the Indian political class. PM Modi needs to ponder deeply over the Kautilyan maxim, "Prajaa sukhe sukham rajyah, Prajanam cha hiteh hitam" (in the welfare and happiness of the people lies the king's welfare and happiness) and ensure that his government can walk the talk when it comes to streerakshana (women's safety), lest sophistry become his legacy.

Gold, silver price: Yellow metal records dip, silver trades higher on MCX

New Delhi. Precious metals showed mixed trends in the Indian markets today. Gold is trading on the lower side of the Multi Commodity Exchange (MCX) while silver prices have recorded a hike on Tuesday, August 20.

Gold futures, maturing on October 4, 2024, stood at Rs 71,569 per 10 grams, after recording a dip of Rs 15 or 0.02 per cent. The previous close was recorded at Rs 71,584.Meanwhile, silver futures, due on September 5, 2024, witnessed a hike of Rs 233 or 0.28 per cent and were retailing at Rs 84,571 per kg on the MCX against the previous close of Rs 84,338.

GOLD AND SILVER PRICES IN MAJOR CITIES

The price of gold varies for different regions in the country based on certain parameters such as the excise duty, making charges and the state taxes.

GOLD, SILVER PRICES IN INTERNATIONAL

Gold held steady near its record high on Tuesday as investors awaited U.S. Federal Reserve minutes and Chair Jerome Powell's speech for indications on how much the central bank will cut rates this year, news agency Reuters reported. According to the latest metal report, spot gold rose 0.2 per cent to \$2,500.08 per ounce by 0254 GMT, while, U.S. gold futures rose 0.1 per cent to \$2,537.70.

Antfin to sell shares in Zomato worth Rs 3,400 cr



NEW DELHI: Antfin Singapore is reportedly looking to sell Zomato shares worth \$408 million or about Rs 3,400 crore. The arm of China's Ant Group is likely to offload 13.6 crore shares, or a 1.54% stake, via block deal on Tuesday. The deal is likely to take place at a floor price of 251.68 per share, a discount of 4% from Monday's closing price of Rs 262.3.

This would be the second time in 2024 that the Chinese investor is reducing its exposure in Zomato.

Antfin sold 9.7 crore shares of Zomato in March for Rs 2,827 crore. Antfin Singapore Holding held 37.38 Cr shares, or a 4.3% stake, in Zomato at the end of the June quarter of 2024, according to exchange data.

The fresh sale comes at a time when Zomato shares have been continuously hitting new highs on the bourses, supported by improved financial performance. The stock hit a high of Rs 280 on Monday after brokerage UBS raised its target to Rs 320 from Rs 260 earlier.

Analysts at UBS said Zomato surprised positively with not only stronger gross merchandise value growth in quick commerce but also a solid 27% growth in food

Centre finalises draft rules for Digital Personal Data Protection Act, public consulation soon



'The framework is ready and the draft rules are expected to be released within a month," said Information Technology Minister Ashwini Vaishnaw.

NEW DELHI. The government has finalised the rules for the Digital Personal Data Protection (DPDP) Act and will release them soon for public consultation, said Electronic and Information Technology Minister Ashwini Vaishnaw on Monday. The minister, while speaking to the media, assured that the draft rules will be issued within the next 20 days, with the framework expected to be released within a month.

The framework is ready and the draft rules are expected to be released within a month," said Vaishnaw.

The DPDP Act, passed by Parliament nearly a year ago, aims to prevent personal data breaches and provides specialised protections for children and persons with disabilities. However, its implementation has been delayed as many provisions require additional clauses and rules. The finalised rules will outline the workflow for filing complaints, appealing decisions, and other details. Notably, the Act defines a child as someone below the age of 18 and requires parental consent before processing the data of a minor, as mandated in Section 9.

The government's move to release the rules for public consultation, likely before the end of August, marks a significant step towards implementing the DPDP Act and strengthening data protection in India.

Bhavish Agarwal rides Ola Electric wave, net worth rises to Rs 21,000 crore

Aggarwal, who owns a 30.02% stake in the company, now holds shares valued at Rs 20,856 crore, or \$2.48 billion, based on the latest rupeedollar exchange rate of 83.87.

New Delhi. Ola Electric Mobility CEO Bhavish Aggarwal has seen his wealth surge to around Rs 21,000 crore, thanks to the stocks of Ola Electric which have doubled in price. Aggarwal, who owns a 30.02% stake in the company, now holds shares valued at Rs 20,856 crore, or \$2.48 billion, based on the latest rupee-dollar exchange rate of 83.87. This remarkable rise in his net worth follows the strong performance of Ola Electric's shares since

its debut on Dalal Street.Aggarwal's stake in Ola Electric consists of 1,32,39,60,029 shares. The recent spike in the stock price has boosted the value of his holdings considerably. On Tuesday, the stock reached a high of Rs 157.53 on the BSE, reflecting a 107% increase from the initial public offering (IPO) price of Rs 76 per share.In addition to his existing stake, Aggarwal had earlier sold 37,915,211 shares during the

offer for sale at Rs 76 per share. This sale brought in Rs 288 crore, pushing his total net worth to Rs 21,144 crore. The sharp rise in Ola Electric's share price has come despite some conservative views on the penetration of electric vehicles (EVs) in India. HSBC, which recently began covering Ola Electric with a 'Buy' rating, had set a target price of Rs 140. However,



the stock quickly surpassed this target, reaching Rs 157.53 on Tuesday. HSBC's optimism about Ola Electric stems from the company's potential success in its battery venture. The bank suggested that Ola could produce batteries at a cost comparable to imported ones, or even at a lower price in a best-case scenario. This cost advantage could position Ola Electric favourably in the market,

especially as it strives to achieve global quality standards in battery manufacturing. The bank also noted that existing regulatory support for electric vehicles in India is likely to continue for another two to three years. During this period, the cost to manufacture an electric two-wheeler (e2W) could decrease by Rs 30,000-40,000, reaching Rs 70,000-75,000. This reduction in production costs could make electric vehicles competitive with traditional internal combustion engine (ICE) scooters, even if government subsidies are

reduced from Rs 40,000 to Rs 10,000.Ola Electric Mobility, founded in 2017 and headquartered in Bengaluru, is a company focused solely on electric vehicles. The company not only manufactures electric vehicles but also produces key components such as battery packs, motors, and vehicle frames at its state-of-the-art Ola Futurefactory.

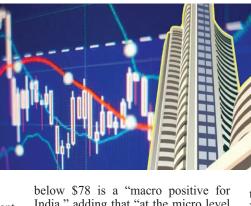
Sensex, Nifty gain in early trade as IT stocks gain; Ola Electric shares fall

New Delhi . Benchmark stock market indices climbed in early trade on Tuesday, supported by gains in the information technology sector, as optimism grows that the US Federal Reserve may begin cutting interest

rates by September.By 10:10 am, the NSE Nifty 50 had risen by 0.53% to 24,702.65, while the S&P BSE Sensex increased by 0.51% to 80,839.08.Ten of the thirteen key sectors saw gains, with IT stocks leading the way. The Nifty IT index rose 1.2%, supported by expectations that the US economy will likely avoid a recession, driving demand for Indian tech companies that generate a significant portion of their

Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, said, "With eight straight days of gains the US market is sending positive signals which can keep this global rally going. The Fed chief Powell's comments at Jackson Hole this Friday will be keenly watched by the markets." The likely scenario is a 25

bp rate cut by the Fed in September followed by two more rate cuts this year. This can continue to support the equity markets globally and in India too," he added. Vijayakumar went on to add that the decline in Brent crude



India," adding that "at the micro level this can lead to mild rally in stocks of companies that use crude as input such as paints, adhesives and tyres". Among individual stocks, IndusInd Bank surged 2% after receiving regulatory approval to establish an asset management business, making it the top gainer in both the Nifty 50 and bank

indices. Financial stocks, including IndusInd Bank, rose by approximately

Polycab India gained 4% after UBS initiated coverage with a "buy" rating,

citing long-term growth opportunities from electrification.On the other hand, Ola Electric shares fell after gaining 5% in early trade. The shares of the company have been in the limelight, having surged sharply after being listed on the stock markets."FIIs may continue to sell in India since other emerging market valuations are relatively attractive and, therefore, the largecap financials where FIIs hold large stakes may continue

to remain under pressure,' Vijayakumar said.

'Paradoxically, financials are the most attractive segment from the valuation perspective even though the struggle for deposits is keeping the sentiments negative for this segment. When the scenario changes there is a possibility of a sharp up move in financials," he

Private capex shows signs of revival: RBI

MUMBAI. Private capital expenditure, which has been missing for more than a decade after the investment spree during the later part of the first decade and the initial years of the second decade of the millennium, is finally back with the project finance pipeline. It suggests a significant increase in capital expenditure to Rs 2.45 lakh crore in the current fiscal, up from Rs 1.59 lakh crore in the previous 12 months. Rising domestic demand and capacity utilisation, improved profitability of corporate and healthier balance sheets of banks, sustained credit demand, business optimism and government's thrust on infrastructure development, along with policy measure to encourage investment activities, bode well for private capital investment cycle and reflects conducive investment climate and growth potential for the economy and facilitates economic progress, the Reserve Bank said in its latest bulletin released on Monday. However, the views in the bulletin articles are not of the authors and not of the central bank. The projection is based on an analysis of investment intentions of



At \$242 billion, India 12th largest holder of US treasuries in June

MUMBAI. Given the high yields that the US government debt has been offering since the interest rates there peaked to a multi-decadal high, the Reserve Bank has been ramping up its investments in the world's most sought-after public debt instrument.India's investment in these instruments touched a high of \$241.9 billion in June, the third straight month of rising exposure, making it the 12th largest entity owning American treasuries. In June 2023, the exposure was worth \$235.4 billion.

With the global financial crisis of 2007-08, which began in the US and pulled the global economy down into a long deep recession for nearly three years, the US Federal Reserve had slashed interest rates or Federal fund rates to zero to negative zone, and the gradually rose to nearly 2.5% till the pandemicinduced inflation spike that had crossed 9%, the highest since the 1980s oil crisis. This forced the Fed to jack up the fourth slot with \$384.2 billion. leading to a massive spike in treasury yields. This high treasury yields was the main reason for the RBI to earn its lifetime high profit last fiscal, leading to a windfall gain for the government as the central bank transferred as much as `2.11 trillion in surplus transfers to the government in May this year.

Japan is the top holder worth over \$1.11 trillion, followed by China at the second spot with at \$780.2 billion in June (before Donald Trump came to power, the China used to hold close to \$4 trillion worth of US treasuries), as per the latest data from the US treasury department.At the third place is

England with an exposure of \$741.5 billion, and the Luxembourg comes at

rates and is now hovering around 5- At the 11th position is Taiwan with an 5.25% — again a multi-decadal high, exposure of \$265.9 billion, followed by India at the 12th spot owning US government securities worth \$241.9 billion, higher than \$237.8 billion recorded in May.As per the data, India's holding is the highest in the last one year, and it was at \$237.8 billion in May 2024. In April this year, it went down to \$233.5 billion declining from \$240.6 billion in March. Among the other largest 10 holders of the US public debt are Canada at the fifth spot with \$374.8 billion, the Cayman Islands (\$319.4 billion), Belgium (\$318 billion), Ireland (\$308 billion), France (\$307.2 billion) and Switzerland (\$287.1 billion).

private corporates on the basis of projects sanctioned by banks/financial institutions during fiscal 2024, wherein the total envisaged financing cost of projects reached a new high of Rs 3.91 lakh crore, of which, as much as 54% are to be invested by the year-end. The phasing profile of the projects finance pipeline suggests that the envisaged capex will increase significantly to Rs 2.45 lakh crore in 2024-25 from Rs 1.59 lakh crore in 2023-24," the article said.During FY24, about 944 projects got assistance from lenders with a record high total cost of projects of Rs 3,90,978 crore compared to 547 projects sanctioned during the previous year having total cost of Rs 2,66,546 crore.

During 2023-24, 438 private companies, which did not avail of any financing, raised Rs 1,68,396 crore through ECBs for capex purpose, while 123 other companies raised Rs 6,310 crore through domestic equity issuances under IPOs for funding their capex needs.

Infosys may offer freshers pay packages up to Rs 9 lakh annually: Report

NEW DELHI Information technology (IT) giant Infosys has introduced a new 'power programme' as part of its campus placement drive, offering freshers salaries of up to Rs 9 lakh per annum, reported The Economic Times quoting sources. This is significantly higher in comparison to the typical entry-level packages of Rs 3-3.5 lakh provided by the company. The differential hiring approach focuses on specialised skills such as coding, software development, and programming. Under the programme, Infosys offers salaries ranging from Rs 4-6.5 lakh to as high as Rs 9 lakh, depending on the candidate's skill level. This move is seen as Infosys' response to rival Tata Consultancy Services' (TCS) 'Prime' programme, which recruits freshers for software development roles with packages between Rs 9-11 lakh per annum.TCS has also expanded its 'Prime' programme to include roles in emerging technologies such as artificial



intelligence (AI), generative AI (GenAI), and machine learning (ML). TCS now recruits freshers under three categories: 'Ninja' with packages around Rs 3.6 lakh, 'Digital' at Rs 7.5 lakh, and 'Prime'. Both Infosys and TCS

have increased their focus on hiring

specialized talent as demand grows for

skills in cloud computing, AI/ML, and cybersecurity, driven by digital transformation projects. Despite a subdued macro environment, Infosys plans to hire between 15,000 and 20,000 graduates in FY25, while TCS aims to recruit 40,000 freshers, maintaining last year's numbers. Amid a

slowdown in the \$250-billion technology services sector, which resulted in a reduction of over 70,000 employees across India's top five IT companies in FY24, Infosys and TCS are ramping up hiring after a period of downsizing.TCS, for example, added 5,452 employees in the June quarter after reporting a net reduction in headcount for three consecutive quarters, including a 13,249 drop in FY24.Infosys, on the other hand, saw its headcount decrease by nearly 2,000 in the first quarter of FY25, bringing its total employee base to 315,332.Infosys has resumed both campus and off-campus fresher hiring, joining other top IT firms such as HCLTech and Wipro in bolstering their workforce.HCLTech plans to recruit 10,000 freshers in FY25, while Wipro is targeting up to 12,000 hires.Collectively, the top four IT companies are expected to add approximately 82,000 freshers this fiscal year.

Sonia Gandhi Slams Centre's Move, Says Khadi Sole Fabric For Indian Flag

The Flag Code of India has historically required the national flag to be made of "hand spun and hand-woven wool/cotton/silk khadi bunting", she pointed out.

New Delhi: Slamming the central government for the "rampant adoption" of machine-manufactured polyester flags, Congress leader Sonia Gandhi today called for the restoration of khadi as the only fabric with the distinction of bearing the Indian flag and asserted that the fabric must find its rightful place as an embodiment of national pride. Penning an article in The Hindu, Mrs Gandhi said Prime Minister Narendra Modi's renewed call for a 'Har Ghar Tiranga' campaign in the week leading up to the Independence Day offers an opportunity to collectively introspect on the national flag and its significance to the country."His (PM Modi's) moral duplicity in paying deference to the national flag while pledging allegiance to an organisation that has remained, indifferent to it, is one matter. The rampant adoption of machine-manufactured polyester flags,

with raw materials often imported from China and elsewhere, is another," she

The Flag Code of India has historically required the national flag to be made of "hand spun and hand-woven wool/cotton/silk khadi bunting", she pointed out.Khadi, that coarse but versatile and sturdy fabric which the Mahatma himself spun and wove in his leadership of the national movement, is imbued with a special meaning in our historical and cultural memory, she said.

Khadi is at once a symbol of our storied past, and an icon of Indian modernity and economic vitality, the Congress Parliamentary Party chief asserted. It was in deference to this eternal symbolism that the tricolour once bore the Mahatma's charkha as its centrepiece, and that the modern-day Indian flag used to insist on khadi as its sole



fabric, Mrs Gandhi said.

'In 2022, on the auspicious occasion of the 75th anniversary of our Independence, the Government amended the code ('vide its order dated 30.12.2021') to include 'machine made...polyester ... bunting' and simultaneously exempted polyester flags from the Goods and Services Tax (GST). Thereby, it put them on the same tax

footing as khadi flags," she said. At a time when it would have been appropriate to bind ourselves afresh to the service of our country's national symbols, the Government chose to set them aside and pursue mass-market, machine-made polyester fabric, Mrs Gandhi said.

She pointed out that the Karnataka Khadi Gramodyoga Samyukta Sangha (KKGSS) in Karnataka's Hubballi district, the country's sole national flag manufacturing unit accredited by the Bureau of Indian Standards (BIS), had to resort to an indefinite strike to call attention to the state-sponsored murder of India's khadi industry.

This decision came at a time when India, far from its glory days as a global hub for polyester manufacturing, became a net importer of polyester yarn in 2023 and 2024, she said."We thus have the real

misfortune of importing polyester yarn, primarily from China, and then weaving this imported yarn to produce cloth for our national flag. This shameful inversion of our national pride occurred at the time of grave encroachments by the Chinese armed forces on our borders, and at the peak of the Prime Minister's 'Aatmanirbhar Bharat spectacle," Mrs Gandhi said, in a scathing attack at the Centre."The hollowness and inadequacy of the government's vision has had direct and calamitous consequences for the Mahatma's foremost legatees - our khadi spinners and weavers," she said. The case of our national flag is not an exception, rather, it is a vividly poignant illustration of this government's general disinterest in cultivating India's storied handloom and handicraft traditions - khadi or otherwise,

Arunachal Makes Inner Line Permit Mandatory For Non-Residents To Enter State

Itanagar: Arunachal Pradesh Chief Minister Pema Khandu on Monday took steps to strengthen the existing Inner Line Permit (ILP) system that makes it mandatory for a non-Arunachalee person to obtain a permit to enter the state. In a joint meeting with top government officials and leaders of the All Arunachal Pradesh Students' Union (AAPSU) in Itanagar, Mr Khandu emphasised the need to strengthen the ILP system to prevent illegal entry and prolonged stay of



non-local migrants in the state."Our main objective is to protect our indigenous tribes from outside influx and we are committed to it," he said. While informing that the state government is internally preparing to strengthen the ILP system, Mr Khandu said that it was necessary to take inputs from the state's premier students' organization.AAPPSU, headed by its President Dozi Tana Tara, through a PowerPoint presentation explained in detail a survey conducted by the Union and ways and means to strengthen the present

Bharat Bandh Today: Reason For August 21 Strike, Who Called It And What Services Will Stay Open -Find Out

New Delhi: The Bharat Bandh scheduled for August 21, 2024, has been organised as a nationwide protest by the Reservation Bachao Sangharsh Samiti against a recent Supreme Court ruling concerning reservations for Scheduled Castes (SC) and Scheduled Tribes (ST). The ruling, which allows states to create sub-categories within these groups, has sparked widespread controversy. The apex court, while creating the sub-categories, said, "Those who really need it should get priority in reservation." The primary objective of the Bharat Bandh is to challenge this ruling and demand its reversal, emphasizing the need to protect the integrity of the reservation system as it stands.

The Supreme Court's decision to allow subcategorization within SC/ST reservations has led to significant unrest. The court ruled that states could prioritise reservations for sub-groups within SC/STs that are more disadvantaged, stating, "Those who really need it should get priority in reservation." This decision has been met with strong opposition, with many arguing that it could dilute the benefits intended for SC/ST communities as a whole.

Nationwide Support and Participation

The Bharat Bandh has garnered support from various social and political organisations across the country. SC/ST groups in Rajasthan have been particularly vocal, and their participation is expected to be significant. The protest has also found backing from political leaders who have expressed concern over the potential long-term implications of the Supreme Court's ruling.

In anticipation of potential unrest, authorities have implemented extensive security measures across the country. Senior police officials have conducted meetings via video conference to coordinate efforts and ensure public safety. According to news reports, divisional commissioners, district magistrates, and senior police officers have been instructed to maintain law and order throughout the bandh.

"Nation Can't Await Another Rape For Real Changes On Ground": Supreme Court

The CJI DY Chandrachud-led bench also expressed strong dissatisfaction with the West Bengal government and the authorities at the hospital over the delay in filing the FIR.

New Delhi: The Supreme Court, hearing the Kolkata rape-murder incident today, said the nation cannot wait for another rape for changes on the ground. The DY Chandrachud-led bench also expressed strong dissatisfaction with the West Bengal government and the authorities at the hospital over the delay in filing the FIR and other procedural lapses in handling the case." Medical professions have become vulnerable to violence. Due to ingrained patriarchal biases, women doctors are targeted more. As more and more women join the workforce, the nation cannot wait for another rape for things to change on the ground," CJI Chandrachud noted. During the hearing, Chief Justice of India DY Chandrachud raised several pressing questions regarding the actions of the hospital's administration and the local police."Why was FIR registered three bench asked.

'What Was Principal Doing?'

The Supreme Court, on its own, took up the investigation into the brutal rape and murder of a 31-year-old postgraduate trainee doctor at Kolkata's RG Kar Medical College and Hospital on August 9. The incident has triggered widespread protests across the country and raised questions over women's safety, particularly in medical colleges. The three-judge bench is led by CJI Chandrachud and comprises Justices JB Pardiwala and Manoj Misra. "What was the principal doing? FIR was not filed; the body was handed late to the parents. What is the police doing? A serious offence has taken place, the crime scene is in a hospital... What are they doing? Allowing vandals to enter the hospital?" CJI Chandrachud asked.

hours after the body was handed over Sandip Ghosh, who resigned as the for cremation," the Supreme Court principal of RG Kar Medical College just two days after the incident, has been under scrutiny by the CBI and questioned for nearly 53 hours over the past four days regarding his actions following the doctor's death. In response to the bench's questions, Kapil Sibal, representing the West Bengal government, countered that people at the hospital had taken photos, a case of unnatural death was immediately started, and a board was set up with a judicial magistrate present. However, CJI Chandrachud said that it was the hospital's duty to file the FIR, especially in the absence of the victim's parents. Justice Pardiwala questioned the timeline of the FIR, asking, "Who is the first informant who filed the FIR? What is the time of the FIR?" Mr Sibal responded that the first informant was the father of the victim, who filed.

"Papa, Your Teachings Are...": Rahul Gandhi On Rajiv Gandhi's Anniversary

New Delhi: Congress leader Rahul technological landscape."Today is caring human being who bore no Gandhi on Tuesday paid tribute to his father, former Prime Minister Rajiv Gandhi on his birth anniversary and emphasised that he'll fulfil Rajiv Gandhi's dreams for India taking his memories with him."A compassionate personality, an epitome of camaraderie and goodwill... Papa, your teachings are my inspiration, and your dreams for India are my own - I will fulfil them, taking your memories with me," the Congress leader posted on X.Rahul Gandhi also visited Veer Bhumi and paid floral tribute to Rajiv Gandhi on his birth anniversary.

Party RS MP Jairam Ramesh also celebrated Rajiv Gandhi's contribution to India's political and

Rajiv Gandhi@80. His was a short but very consequential political life. The March 1985 Budget in which he played a key role heralded a new approach to economic policy. The manifesto for the 1991 Lok Sabha "He had a vision for societal elections, on which he spent long hours a few weeks before his tragic assassination, provided the foundations for the Rao-Manmohan Singh reforms of June-July 199"Peace accords in troubled regions of the country like Assam, Punjab, Mizoram, and Tripura were made possible by his statesmanship that put national interest over the immediate interests of his party.... We recall not just a Prime Minister today but also a very fine and

malice showed no vindictiveness, sought no revenge, indulged in no bombast and self-glory, and exhibited no qualities of self-delusion," he added.

applications of science and technology that were reflected in the impactful technology missions in drinking water supply, immunization, literacy, oilseeds production and telecom and dairy development. In 1985, 165,000 villages had been identified as not having easy access to any potable water source. By 1989, 162,000 villages of these villages had been provided with at least one safe

Centre's U-Turn On **Lateral Entry Amid** Pressure From Ally, **Opposition**

New Delhi: The government today asked the Union Public Service Commission (UPSC) to cancel its advertisement for lateral entry into bureaucracy, pulling a 180 amid massive opposition criticism of the move. Prime Minister Narendra Modi believes that the "move should be aligned with social justice", Union Minister Jitender Singh wrote in a letter to the UPSC chief. The UPSC last week issued the advertisement seeking "talented and motivated Indian nationals" for lateral recruitment to various senior positions within the Union government. These positions included Joint Secretary, Director, and Deputy Secretary in 24 ministries, with a total of 45 posts up for grabs.

While most of the major lateral entries before 2014 were made in an ad-hoc manner, including cases of alleged favouritism, efforts of our government have been to make the process institutionally driven, transparent and open," the minister's letter read. "The Prime Minister is of the firm belief that the process of lateral entry must be aligned with the principles of equity and social justice enshrined in our Constitution, particularly concerning the provisions of reservation."

Lateral entry into bureaucracy refers to the recruitment of individuals from outside the traditional government service cadres, such as the Indian Administrative Service (IAS), to fill mid and senior-level positions in government departments. The move triggered a debate on lateral entry into bureaucracy, with Congress leader Rahul Gandhi denouncing the process as an "attack on Dalits". The ruling BJP countered by pointing out that the concept emerged under a Congress-led government.

The lateral entry process was formally introduced during Prime Minister Narendra Modi's tenure, with the first set of vacancies announced in 2018. This marked a departure from the traditional system where senior bureaucratic positions were almost exclusively filled by career civil servants.

According to government sources, the idea was first proposed during the UPA government, led by Congress, in the mid-2000s. In 2005, the UPA established the Second Administrative Reforms Commission (ARC) under the chairmanship of Veerappa Moily. The Commission was tasked with recommending reforms to the Indian administrative system.

Cancel lateral entry ad, Minister asks **UPSC** chief amid reservations row

Jitendra Singh, in his letter to the UPSC, said there was a need for lateral entry to align with the principles of equity and social justice enshrined in the Constitution.

New Delhi: Union Minister Jitendra Singh on Tuesday asked the Union Public Service Commission (UPSC) to cancel its advertisement for lateral entry into top posts in central ministries amid backlash from the opposition as well as NDA allies. Jitendra Singh wrote the letter to the UPSC chairperson citing Prime Minister Narendra Modi's directions.In

his letter, Singh said there was a need for lateral entry to align with the principles of equity and social justice enshrined in the Constitution, particularly concerning the provision of reservations. The Congress, which had strongly criticised the ad as an "attack on Dalits, OBCs and Adivasis", was swift to react. "A letter from a Union Minister working under a non-biological PM to a Constitutional authority WITHOUT a date. What pathetic governance this is," Congress leader Jairam Ramesh tweeted.Last week, the Union

Public Service Commission (UPSC) sought applications for recruitment of 45 joint secretaries, directors and deputy secretaries in the biggest tranche of lateral entry in bureaucracy. It was aimed at appointing specialists, including those from the private sector, in central

government departments. The UPSC's announcement created a political stir, with at least two NDA partners -- the



Janata Dal (United) and Chirag Paswan's Lok Janshakti Party (LJP) -- joining the opposition ranks to oppose the move.Leader of the Opposition (LoP) Rahul Gandhi was the first to pounce on the BJP government, criticising it for the lack of reservations in appointments made through lateral entry."Lateral entry is an attack on Dalits, OBCs and Adivasis. The BJP's distorted version of

Ram Rajya seeks to destroy the Constitution and snatch reservations from Bahujans,' Gandhi had tweeted.BJP ally and Union Minister Chirag Paswan also voiced concern on appointments in government posts without reservation. "Reservation provisions must be there in any government appointment. There are no ifs and buts in this," he said. The Centre had mounted a strong defence, asserting that lateral entry in bureaucracy had been happening since the 1970s during Congress-led governments. Union Minister

Ashwini Vaishnaw said the move would not affect the recruitment of SC/STs in the services.Law Minister Arjun Ram Meghwal reminded the Congress that Manmohan Singh was made the finance secretary in 1976 through the lateral entry

Israeli strike targets Hezbollah site in Lebanon, 8 injured

Beirut.An Israeli strike on Monday evening targeted a Hezbollah arms depot in Lebanon's eastern Bekaa Valley, the Israeli military said. The strike did not result in any fatalities, two security sources told Reuters. Lebanon's health ministry said of the eight injured six were Lebanese citizens and two Syrian children. The Israeli military said its air force struck a number of Hezbollah weapons storage facilities in the area of Beqaa in Lebanon.Following the strikes, secondary explosions were identified, indicating the presence of large amounts of weapons in the facilities struck," the military said in a statement.It said earlier strikes in Deir Qanoun and Tayibe south of Lebanon targeted a senior militant in Hezbollah's Rocket and Missile Unit and a cell operating from a Hezbollah military structure. Following the depot strike, the Lebanese Agricultural Scientific Research Authority said it would close its research stations in the Beqaa region as a precaution because unexploded missiles landed nearby.

On Saturday, the Israel military said it targeted a weapons depot used by Lebanese armed group Hezbollah militants in an airstrike, killing at least 10 people including two children.In July, Israeli strikes also targeted another depot storing ammunition belonging to the Iranian-backed group in the town of Adloun in southern Lebanon, three security sources told Reuters.

Israel and Hezbollah have been trading fire since Hezbollah announced a "support front" with Palestinians shortly after its ally Hamas attacked southern Israeli border communities on October 7, triggering Israel's military offensive in Gaza.

We're going nowhere': Thai opposition figure says court interventions must stop

BANGKOK. Politicians in Thailand must reform the judiciary to prevent interventions that have the country "going around in circles", a recently banned opposition figurehead said, after two big rulings that dissolved his party and dismissed a prime minister.Pita Limjaroenrat, whose now defunct Move Forward Party was blocked from forming a government last year, said a 10-year political ban would not weaken his resolve to lead Thailand and start major reforms, including stopping independent institutions from being politicised.

Thailand has been trapped in a tumultuous twodecade cycle of coups and court rulings that have toppled multiple governments, as part of a power struggle between popularly elected parties and an influential establishment with powerful connections in the military and key institutions.

"It's back to square one and nothing has been achieved for the people," Pita told Reuters, reflecting on upheaval that saw Move Forward dissolved and Srettha Thavisin dismissed as premier in the space of a week, both by the same court."We confuse movement with progress," he said. "It's almost like we're going around in circles and we're thinking we're going somewhere but actually we're going nowhere."His remarks came as 134 Thai academics and legal experts in a statement criticised the court, which they said overstepped its jurisdiction and damaged the public's trust in legal and democratic systems.Pita will return to Harvard University as a democracy fellow following his ban over his party's plan to amend a law that punishes royal insults with up to 15 years in jail, a campaign the court said undermined Thailand's constitutional monarchy.

Minorities in Bangladesh being forced to resign, threatened to leave country'

DHAKA. Although attacks on minorities have come down significantly in Bangladesh, members of the minority community are reportedly facing new challenges like alleged forced resignations, threats to leave the country, and rampant extortion. There have been reports of major changes in govt offices, autonomous bodies, schools and colleges amid reports that resignations of employees



belonging to the Hindu, Buddhist and Christian communities were secured under coercion.Bangladesh Hindu Buddhist Christian Oikya Parishad general secretary Rana Dasgupta told TOI that over the last couple of days he had got 10-12 complaints of minorities being forced to quit through threats and harassment. He said his outfit was ascertaining the veracity of the complaints. The lawyer said there are also growing cases of extortion with minorities being told that they will be forced to leave the country if money is not paid.

Trump posts fake AI image of Taylor Swift endorsing him for President

Los Angeles Former President Donald Trump has posted a fake social media image of pop superstar Taylor Swift asking people to vote for him in the November election.

A Sunday entry by the Republican candidate on Truth Social showed Swift dressed in red, white and blue with a caption that said 'Taylor Swift Wants You To Vote For Donald Trump.'

"I accept!" Trump wrote.

Swift has not publicly endorsed a candidate in the 2024 race but has supported Democrats in the past. The singer backed President Joe Biden and running mate Kamala Harris in 2020. Harris is set to be formally nominated as the 2024 Democratic candidate at the party's national convention in Chicago this week. Swift also criticised Trump in a 2020 documentary. A spokesperson for Swift did not respond to a request for comment. Trump also posted photos of young women wearing
"Swifties for Trump" shirts, and a satirical article with the headline "Swifties Turning to Trump After ISIS Foiled Taylor Swift Concert." The article was marked "SATIRE" above the headline.



Swift cancelled three shows in Vienna this month after authorities said they had foiled a planned attack. Local officials arrested a 19year-old man who they said was inspired by Íslamic State.Swifties for Trump is a massive movement that grows bigger every



single day," Trump campaign spokesperson Steven Cheung said in a statement when asked for comment about the fake Swift image.Several Swift fans and watchdog groups said many of the images posted by Trump appeared to be deepfakes generated

by artificial intelligence. Advocates in the music industry, Hollywood and Washington have been pushing for federal legislation and other measures to fight the explosion of fake AI images online. Trump's post was "yet another example of AI's power to create misinformation," consumer group Public Citizen said. "The potential harms to our society that could result from such misinformation, including abuses of our elections, are wide-reaching and immensely damaging," the group added. At the Democratic National Convention in Chicago, Swift fan Rebecca Goff handed out friendship bracelets, a common practice among the singer's fans, at a Nevada Democratic Party breakfast.Goff, 39, said she felt Trump was the antithesis of what she believes Swift stands for, including celebrating

girlhood and womanhood."That's like the antithesis of what Trump and the GOP are trying to do, especially to women. They're trying to make us smaller. They want us to go back to being just housewives, child bearers," Goff said.

Bangladesh authorities unfreeze ex-PM Khaleda Zia's bank accounts after 17 years

Dhaka, UPDATED Tax authorities in Bangladesh on Monday decided to unfreeze the bank accounts of Bangladesh Nationalist Party Chairperson Khaleda Zia, 17 years after banks were ordered to block them. The National Board of Revenue (NBR) has instructed banks to unfreeze the accounts of BNP Chairperson Zia, the Daily Star newspaper reported.In August 2007, the NBR's Central Intelligence Cell directed banks to freeze the accounts

of the BNP Chairperson, who has been elected Bangladesh's prime minister twice since 1990. The decision was based on a recommendation of a panel formed during the then Army-backed caretaker government, said a senior official of the



NBR.Since then, her accounts have remained blocked. The BNP has on several occasions demanded that they be unfrozen. The latest move comes after a mass uprising toppled Sheikh Hasina, a long-time rival of Khaleda, on August 5,

ending the Bangladesh Awami League's 15-year rule. An interim government led by Nobel laureate Muhammad Yunus was sworn in on August 8.Zia, 79, was released from jail after Hasina, 76, fled to India on August 5.Zia served as the prime minister of Bangladesh from March 1991 to March 1996, and again from June 2001 to October 2006. The NBR said they received an application from Khaleda's lawyer on Sunday seeking to unfreeze the accounts."As there are no tax-related issues pending investigation relating to her, we have advised banks to unlock all her accounts. We have asked them to take immediate action and

provide a compliance report," the official

was quoted as saying.

Kamala Harris thanks Biden for 'historic leadership': We are forever grateful

World US Vice President Kamala Harris made a surprise appearance on the first day of the Democratic National Convention (DNC) in Chicago and expressed gratitude to President Joe Biden for his "historic leadership.""Thank you for your historical leadership, for your lifetime of service to our nation, and for all you will continue to do. We are forever grateful to you," Harris said at the DNC on Monday night."I want to kick us off by celebrating our incredible President Joe Biden," she stated amid a cheering crowd."Let us fight for the ideals we hold dear and let us always remember, when we fight we win!" Harris stated.

Biden, who stepped aside from running for reelection, will give a keynote address at the DNC later tonight. He is expected to make the case for electing Harris and defeating Republican nominee Donald Trump. Harris is the first black woman and Asian American to lead a major party ticket.

She entered the convention with a radiant smile and unmistakable confidence, reflecting the support of nearly half the country — 48% — who hold a very or somewhat favourable view of her, according to a recent poll conducted by The Associated Press-NORC Center for Public Affairs Research. Earlier this month, the vice president was officially confirmed as the Democratic nominee through a virtual vote, solidifying the party's unity after Biden withdrew from the race and endorsed her. As the campaign turns toward November, Harris expressed confidence in the collective strength of the nation, stating that people from all walks of life will "come together and declare with one voice, as one people: we are moving forward."

Harris is set to deliver her formal acceptance speech on Thursday night (IST).

Democratic National Convention

The theme for the first day of the Democratic National Convention is "For the People." Former US President Barack Obama is scheduled to address the convention.

Israel accepts 'bridging proposal' for Gaza ceasefire deal: Antony Blinken

Tel Aviv, UPDATED US Secretary of State Antony Blinken said on Monday Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu had accepted a "bridging proposal" presented by Washington to tackle disagreements blocking a ceasefire deal in Gaza, and urged Hamas to do the same.Blinken spoke to journalists after a day of meetings with Israeli officials, including a 2-1/2-hour meeting with Netanyahu that Blinken described as "very constructive." The top US diplomat had said earlier that this push was probably the best and possibly last opportunity for a deal. Talks in Qatar seeking a ceasefire and hostage return agreement last week paused without a breakthrough, but the negotiations are expected to resume this week based on the US proposal to bridge the gaps

between Israel and Hamas.Blinken's visit

comes as US President Joe Biden faces mounting election-year pressure over his stance on the conflict, with his Democratic party starting its national convention on Monday amid pro-Palestinian protests and worries about Muslim and Arab American votes in swing states. However, with the Palestinian Islamist group announcing a resumption of suicide bombing inside Israel after many years, and claiming responsibility for a blast in Tel Aviv on Sunday night, and medics saying Israeli military strikes killed at least 30 Palestinians across the Gaza Strip on Monday, there are few signs of conciliation on the ground and fears of wider war in the region."In a very constructive meeting with Prime Minister Netanyahu today, he confirmed to me that Israel accepts the bridging proposal - that he supports it," Blinken told reporters in Tel Aviv."It's now incumbent on Hamas to do the same, and then the parties, with the help of the mediators - the United States, Egypt and Qatar - have to come together and complete the process of reaching clear understandings about how they'll implement the commitments that they've made under this agreement."

DIFFICULT NEGOTIATIONS

Despite US expressions of optimism and Netanyahu's office describing the meeting as positive, both Israel and Hamas have signalled that any deal will be difficult. Months of on-off talks have circled the same issues, with Israel saying the war can only end with the destruction of Hamas as a military and political force and Hamas saying it will only accept a permanent, and.

Trump open to appointing Elon Musk to Cabinet if re-elected in November

Former US **President Donald** Trump said he would certainly appoint tech billionaire Elon Musk to any **Cabinet position** or advisory role if he was elected for a second White House term. World Former US President Donald Trump said on Monday (local time) that he would offer tech billionaire Elon Musk a Cabinet position or an advisory role if he were re-elected to the White House again.In an interview with news agency Reuters, Trump was asked whether Musk was being considered for an advisory role or Cabinet job. The former president replied he was willing to do so "if he (Musk) would do it". "He's a very smart guy. I certainly would, if he would do it, I certainly would. He's a brilliant guy," Trump said.Last month, Trump was endorsed by Musk for president. The tech billionaire praised the former president's "instinctual courage" after surviving an assassination attempt in Pennsylvania and expressing admiration for Trump's vice presidential pick, JD Vance. Musk's relationship with Trump has become increasingly close, with the two engaging in a friendly conversation on the billionaire's platform, X, earlier this month, where Musk reaffirmed his support for Trump's campaign. This is not the first time that Musk has had a brush with an advisor role or a Cabinet position under the Trump administration.After Trump won the election in 2016, Musk was appointed to two of the Republican president's



advisory councils, where he aimed to influence environmental and immigration policies. However, the tech billionaire resigned in 2017 following Trump's decision to pull the US out of the landmark Paris climate accord. During his interview with Trump on X, Musk weighed on the idea of having a "government efficiency commission" to oversee spending and reduce waste and said he was keen to serve on such a board, according to Axios. In May, the Wall Street Journal reported that Musk and Trump discussed a potential role for the billionaire in the latter's administration if he is re-elected. However, Musk and SpaceX had pushed back on

TRUMP PLANS SCRAPPING OF EV TAX **CREDITS**

Meanwhile, during the Reuters interview, Trump said he was planning to end a \$7,500 (around Rs 6.28 lakh) tax credit for purchasing electric vehicles if he was re-elected, saying, "Tax credits and tax incentives are not generally a very good thing." The move, if enacted, may have significant outcomes for Tesla, the electric carmaker which Musk owns. If Trump is elected in the November 5 presidential election, he could take initiatives to reverse Treasury Department rules, which make it easier for automakers to take advantage of the \$7,500 credit or could ask the US Congress to scrap it completely, Reuters reported. When Trump was president from 2017 to 2021, he sought to revoke the EV tax credit that was later expanded by President Joe Biden in 2022."I'm not making any final decisions on it. I'm a big fan of electric cars, but I'm a fan of gasoline-propelled cars, and also hybrids and whatever else happens to come along," the former president said of the tax credit. Trump underlined he would scrap the Biden administration's rules that give automakers a free

Bridging proposal': Blinken says Israel acepts Gaza plan, presses Hamas to agree

World US Secretary of State Antony Blinken announced that Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu has accepted a "bridging proposal" presented by Washington to address disagreements hindering a ceasefire deal in Gaza.Blinken also urged Hamas to agree to the proposal. This announcement follows a day of discussions with Israeli officials, including a 2-1/2-hour meeting with Netanyahu. This effort is described as potentially the best and possibly the last chance for a deal. Talks in Qatar aimed at securing a ceasefire and a hostage return agreement paused last week without a breakthrough but are anticipated to resume based on the US proposal designed to bridge gaps between Israel and Hamas.Blinken's visit follows rising election-year pressures on US President Joe Biden over his stance on the conflict, amidst

Democratic party national convention and protests. However, tensions persist on the ground with Hamas announcing a resumption of suicide bombings in Israel, claiming responsibility for a blast in Tel Aviv on Sunday night. Meanwhile, Israeli military strikes reportedly killed at least 30 Palestinians in Gaza on Monday. These developments add to concerns of a broader conflict."In a very constructive meeting with Prime Minister Netanyahu today, he confirmed to me that Israel accepts the bridging proposal - that he supports it," Blinken told reporters in Tel Aviv."It's now incumbent on Hamas to do the same, and then the parties, with the help of the mediators - the United States, Egypt, and Qatar - have to come together and complete the process of reaching clear understandings about how they'll implement the

commitments that they've made under this agreement." Despite expressions of optimism and Netanyahu's office describing the meeting as positive, a deal remains challenging. Both parties have signaled significant difficulties in the negotiations. The core issues have remained unchanged over months of talks. Israel insists that the war should end only with the destruction of Hamas as a military and political force, while Hamas demands a permanent ceasefire.

Key disagreements include Israel's continued military presence in Gaza, particularly along the Egypt border, the free movement of Palestinians within Gaza, and the specifics of a prisoner swap. Hamas officials have accused the US of favoring Israel, complicating the negotiation process."When Blinken says that the Israelis agreed, and then the Israelis say that there is an updated proposal, this means that the Americans are subject to Israeli pressure and not the other way around. We believe that it is a maneuver that gives the Israelis more time," senior Hamas official Osama Hamdan told Reuters. The current conflict in Gaza began on October 7, 2023, with Hamas gunmen attacking Israeli communities, resulting in about 1,200 Israeli deaths and around 250 hostages abducted, per Israeli tallies. In response, Israel's military operations have majorly impacted the Gaza Strip, displacing nearly all of its 2.3 million residents and leading to severe humanitarian crises. Palestinian health authorities report a death toll of at least 40,000 in Gaza. Blinken, on his ninth trip to the region since the conflict began, met Israeli President Isaac Herzog and Prime Minister Netanyahu on Monday, followed by a meeting with defence minister Yoav Gallant.

Jannik Sinner wins Cincinnati crown after hammering Tiafoe, gears up for US Open

Ohio. World number one Jannik Sinner secured a significant victory at the Cincinnati Open by defeating Frances Tiafoe 7-6(4), 6-2 in the final on Monday, August 19. This win not only marked his fifth title of the year but also positioned him as a top contender for the upcoming US Open in New York.

Sinner, who has been battling a hip issue and recently missed the Paris Olympics due to tonsillitis, showed resilience despite his recent health struggles. The 23-year-old Italian started the match cautiously, struggling with errors and even limping after several points in the tight first set. However, he regained his form during the tiebreak, successfully neutralizing Tiafoe's powerful serve on set point to take the opener."It was a very difficult week, tough week. I'm very happy about today's match...It was very



tough mentally... We both felt a lot of tension, but I'm very glad about the level I played, especially in the important moments," Sinner said in the on-court interview after the match. Now, for sure, it's important to recover, to be to be ready for New York," Sinner added.

Tiafoe, who has faced challenges this season, had three break point opportunities in the first set but failed to capitalize. Sinner took advantage of Tiafoe's struggles, breaking his serve early in the second set and extending his lead to 4-1 with a forehand winner up the line. Sinner then sealed the match with an unreturnable serve on match point.

This victory at the Masters 1000 event in Cincinnati is particularly significant for Sinner, as it follows his Grand Slam breakthrough at the Australian Open earlier this year. Sinner's win in Ohio also makes him the youngest champion at the tournament since Andy Murray in 2008.

With the US Open just around the corner, Sinner's performance in Cincinnati sends a clear message to his competitors. Despite recent setbacks, Sinner has proven that he is still the player to beat, and he now shifts his focus to continuing his success on the grand stage in New York.

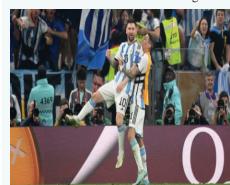
No Lionel Messi, Angel di Maria in Argentina squad for first time in 11 years

New Delhi The transition period at the Argentina national team has well and truly begun. For the first time in 11 years, the football team squad will not include talismans Lionel Messi and Angel di Maria. Argentina announced their 28-man preliminary squad for matches against Chile and Colombia on Monday, 19 August. Lionel Scaloni's side did name all their top players, bar Messi, di Maria and Paulo Dybala.

Advertisement

The last time both players were not named in the squad was in a 2014 World Cup qualifier against Uruguay in 2013, when the Argentine team had already qualified for the showpiece tournament. While Angel di Maria has already announced his retirement from international football, Messi is reported to be recovering from his injury sustained in the Copa America Final.

Lionel Messi was left in tears on Argentina's



bench after being substituted due to an injury during the Copa America final against Colombia on July 15. The 37-year-old exited the match with a non-contact injury after chasing the ball on defence, limping off the pitch in tears. Earlier in the match, Messi had gone down with an apparent leg injury while attempting to kick the ball before it went out of bounds. He planted his right leg awkwardly and seemed to make contact with Colombia's Santiago Arias.Messi writhed in pain, clutching his lower right leg, and rolled over several times. Trainers attended to him for a few minutes before helping him to his feet. He walked slowly towards the sideline but later reentered the game. Messi had been dealing with a leg injury and discomfort throughout much of the tournament, causing him to miss Argentina's group-stage finale. He managed one shot attempt in the first half

in the game. The talismanic forward has since missed his matches for Inter Miami at the Leagues Cup and Major League Soccer.

Stefanos Tsitsipas asks ChatGPT to roast him, tennis star shares hilarious response

New Delhi. Greek tennis star Stefanos Tsitsipas seems to have made the most of his time away from the game. After an early exit from the Cincinnati Masters, Tsitsipas sought the help of Artificial Intelligence to 'roast' him. Yes, you read that right. The World No. 11 took to social media to share the response of the AI chatbot, ChatGPT, when he asked it to roast him. The chatbot's response playfully highlighted Stefanos Tsitsipas's ability to serve up pearls of philosophy on social media and complemented his hairstyle."Stefanos Tsitsipas: the guy who spends more time philosophizing on Twitter than actually serving up a solid second serve. He's the only player who can turn a simple changeover into a TED Talk on Greek mythology and still come back to the court with his shoelaces untied. Maybe if he spent less time perfecting his Instagram captions and more time working on his backhand slice, he'd have a few more trophies by now. But hey, at least, his hair



game is winning, even if his forehand occasionally forgets what direction it's supposed to go," the AI chatbot said, according to the tennis player. Tsitsipas's social media post led to more funny responses with several of his fans appreciating his sense of

Stefanos Tsistipas has been struggling to emulate his best in the ongoing season. The former

Australian Open and French Open runner-up was knocked out in the second round of Cincinnati Masters after a controversial match against Jack Draper.

Tsitsipas reached the quarter-final of the French Open, but he was knocked out in the second round of the Wimbledon. Tsitsipas ended his collaboration with his father Apostolos as his coach earlier in

Ishant Sharma raring to make a mark in DPL: 'Need little more time to prepare'

UPDATED Purani Dilli 6 pacer Ishant Sharma is eager to get back on the field and showcase his skills in the ongoing Delhi Premier League (DPL) here at the iconic Shri Arun Jaitley Stadium in New Delhi.Purani Dilli 6 is locking horns with East Delhi Riders on Tuesday and will meet West Delhi Lions on Wednesday. Ishant last played a white-ball match in IPL 2024 but is now looking forward to step on the field in the DPL. "Preparation for DPL has been good. I didn't get much time to practice after the IPL. Just a little more preparations for my franchise and I'll be ready to take the field in DPL. You all will see me bowling in the coming games for Purani Dilli 6," Ishant Sharma said in a statement. Ishant has been guiding the young players through his vast experience. The young lads of Purani Dilli 6 are making

Sharma. "My message for young players is to keep working hard and believe in your abilities, this format might be cruel but if trust your abilities and work hard you can do wonders in any format, Ishant said last week.Purani Delhi



6's team owner Akash Nangia said," Ishant Sharma brings a wealth of experience to Purani Dilli 6. His guidance and mentorship are invaluable to our younger players. Having someone of his calibre in the squad enhances the learning curve for the entire

BBL 14: Retired David Warner set to play full season of Big Bash for first time

←Former Australia batter David Warner has committed to his first full Big Bash League season after rejoining Sydney Thunder on a 2-year deal, after retiring from international cricket. Warner will be playing alongside other Australian cricket stars in BBL 14.

New Delhi. David Warner has committed to playing his first full Big Bash League (BBL) season after signing a two-year deal with the Sydney Thunder. The former Australian opener, who retired from international cricket earlier this year, will don the lime green for the entire duration of BBL|14, marking a significant boost for the Thunder. Warner's previous stints with the team have been limited due to his commitments with the Australian national



team, but this time, fans will see him in action throughout the season.37-year-old David Warner has been a key player for the Thunder since his BBL debut in 2011, where he made history by scoring the team's first century, an unbeaten 102 off 51 balls against the Sydney Sixers. Over the years, he has played ten matches for the Thunder, amassing 301 runs at an average of 37.62 and

'I've always been part of the Thunder...I really liked the environment last year (at the Thunder), I gelled back with the boys and I just love playing cricket," Warner said on his decision to re-sign with the franchise."The group of guys that we had last season really brought a lot of energy, we had a lot of fun on the field, but off the field we gelled very well together â€æ and this year, I think we can go a couple of steps better and play some play some good cricket.In

addition to Warner, the Thunder will feature other prominent players, including England wicketkeeper Sam Billings, rising star Ollie Davies, and Warner's former Test opening partner Cameron Bancroft. Warner's availability for the entire season comes after his retirement from international cricket, allowing him to focus fully on the BBL.

Na Seats The, Na Bathrooms': PCB Chief's Accepts as Pakistan Stadiums Get Ready to Host 2025 **Champions Trophy**

Lahore, Pakistan Pakistan Cricket Board (PCB) chairman Mohsin Naqvi after a recent trip to Lahore for a visit of Gaddafi Stadium, accepted the vast difference in stands between stadium in Pakistan and other itnernational venues.

Naqvi visited Lahore's Gaddafi Stadium to check the infrastructure and said the responsibility to improve the facilities, ahead of the 2025 Champions Trophy, lies with the PCB. He also pointed out the challenges the Pakistan board would face if the entire stadium were to be renovated. There was a world of difference between our stadiums and those in the rest of the world. In no way were they international stadiums; koi bhi stadiums internationally qualify kaar hi nhi shkta tha --- na seats the, na bathrooms aur view asa tha ki aap 500 metre door se dekh rahe hai (none of them could qualify as international by any standard — there



weren't enough seats or bathrooms, and the view made it seem like you were watching

Aryna Sabalenka thumps Jessica Pegula to clinch iconic Cincinnati Open crown

New York. Aryna Sabalenka showcased her formidable power and precision to defeat American Jessica Pegula 6-3, 7-5 and win the Cincinnati Open on Monday. This victory marks Sabalenka's sixth WTA 1000 title and sends a strong message ahead of the upcoming U.S. Open. Sabalenka, a two-time Australian Open champion, dominated the match with her powerful serve, dropping only nine points on serve and delivering 10

advertisement

Despite some late jitters in the second set, she maintained control throughout the match. Pegula, who

had been in excellent form after winning the Toronto Open earlier this month, struggled with her serve, committing five double faults. Her nine-match winning streak came to an end as she couldn't withstand Sabalenka's relentless pressure."I want to thank my team -- we've been through a lot but we never stopped working, never



stopped improving ourselves and I'm really happy to have you by my side," Sabalenka said during her on-court interview after the match. The Belarusian secured the first break in the fourth game when Pegula netted a forehand, and she quickly built on that momentum to take the first set. In the second set, Sabalenka broke Pegula's serve in the

opening game with a series of powerful forehands. Although she faltered briefly, allowing Pegula a break point in the 10th game, Sabalenka quickly regained her composure, breaking back immediately and sealing the victory. With this win, Sabalenka will rise to number two in the rankings, solidifying her status as a top contender for the U.S. Open. She cruised through the Cincinnati tournament without dropping a set, including a victory over world number

one Iga Swiatek, positioning herself as one of the favourites in New York after finishing as runner-up last year.

Sabalenka's dominant performance in Cincinnati underscores her readiness to challenge for the year's final Grand Slam

from 500 meters away)," Naqvi said. The Frontier Works Organisation (FWO) team is working day and night. We will make our stadiums one of the best in the world. Providing basic facilities in stadiums is our first priority," he added. The PCB chief remains hopeful that the Gaddafi Stadium will host some marquee clashes next year during the Champions Trophy. According to reports, PCB has allocated approximately PKR 17 billion for renovating cricket stadiums at their three main centers ahead of the Champions Trophy. Meanwhile, the ongoing renovation of the National Bank Stadium in Karachi has forced the Pakistan Cricket Board to move the second test against Bangladesh to Rawalpindi. The PCB said it did not want to interrupt the renovation work at the stadium because it wanted the venue to be operationally ready for the Champions Trophy in time. Pakistan is due to host the Champions Trophy from Feb. 19,

Naseem Shah opens up on World Cup loss vs India: 'Could not put up with it anymore'

Naseem Shah opens up on losing against India in T20 World Cup

- **▶** Pakistan were hammered by fans and experts after their loss
- → Pakistan had failed to chase down 120 runs in New York

New Delhi. Pakistan fast bowler Naseem Shah has opened up on the hurt caused by the team's loss against India in the T20 World Cup 2024. Pakistan fell to an embarrassing loss in the group stage of the tournament

against their arch-rivals in New York, failing to chase 120 runs at the Nassau County Stadium.

The team was subjected to intense scrutiny after that game - one that essentially knocked them out of the tournament. In fact, Pakistan Cricket Board president - Mohsin Naqvi - had said that the cricketing structure needed major surgery after the way the team had played against USA and India.Shah, speaking to Cricbuzz ahead of their Bangladesh Test series said that at point of time, he felt that he could not take the criticism anymore."Though I was not being

targeted by the fans or the media, one cannot be satisfied and say I did my bit after your team loses. I am a person who wants to win. I get disappointed even when I lose while



playing at home or in my street. I play to win and the World Cup exit pained me a lot," the tearaway fast bowler said Cricbuzz in an interview."People come up to me in restaurants and ask me why we lost. Even my relatives have asked about it. I understand their sentiments are driven by social media and, as a player, all I can do is listen to them," he further added. Naseem however agreed that it was the hard losses and the criticism that motivated him to do better and make a comeback."There are times when you feel that you cannot put up with it anymore. But, it also burns a desire for a comeback. People had many questions to ask and there was a lot of frustration in them, which is understandable. Now, we have an opportunity to win the hearts again by playing

good cricket," the fast bowler concluded on the matter.Pakistan are playing 2 Test matches against Bangladesh. The first Test begins on August 21.

Wednesday, 21 August 2024



lia Bhatt has been on a roll with back-toback commercial and critical success. From Gangubai Kathiawadi to Darlings, Brahmastra to Rocky Aur Rani Kii Prem Kahaani, the actress has also managed to create a space for herself amid the international audience with Heart Of Stone. The actress will now be seen with Vedang Raina in Jigra. In a recent chat with GQ, Vedang opened up about working with Alia Bhatt. He said, "She's the polar opposite of me as an actor, and honestly, it's so confusing! Watching her, it's clear she's brilliant and makes a significant impact. I come in with extensive preparation, setting the mood with my playlist and sitting in a corner, immersing myself in the scene. Then, Alia arrives, and bam! She nails it in the first take, and I'm left amazed.'

Vedang added, "She gets into character instantly, everything is sharp and precise. It's a testament to her professionalism after spending years in the industry. I've learned so much from her-lessons that are hard to quantify but are absorbed subconsciously. It's incredible how much you can gain from observing someone you admire."When asked how it was working with the Archies actor, Alia Bhatt had earlier told News18 Showsha exclusively, "Vedang is just sublime. He plays my brother in the film. I am not going to say much about the relationship we share in the film, but I can definitely say that we had a very seamless, easy-going work

It was been widely reported that Vedang and Alia will be playing siblings in the film. When asked about this, Vedang had previously told The Indian Express, "Everyone keeps asking me this, but I am not sure what it is about. It sounds very exciting to play a sibling to Alia Bhatt."Jigra is directed by Vasan Bala and is produced by Karan Johar. Alia Bhatt is also coproducing the film along with Karan.

Shah Rukh Khan Beams With Happiness As Anushka **Sharma Sings** 'Haule Haule' in Viral Video; Watch Now



nushka Sharma, who made her stunning Bollywood debut alongside Shah Rukh Khan in 'Rab Ne Bana Di Jodi', continues to be a fan favorite. Interestingly, her last film, 'Zero', also featured SRK in the lead. As anticipation builds for her return to the big screen, a nostalgic video from the 'Rab Ne Bana Di Jodi' promotions has resurfaced and gone viral on X (formerly Twitter). The clip captures a charming moment where Anushka sings the beloved 'Haule Haule' song while Shah Rukh Khan looks on, unable to hide his smile.In the video, shared by a devoted fan, SRK playfully asks Anushka about her favorite song from the movie, to which she promptly replies, 'Haule Haule.' With an infectious smile, she begins singing the song and even performs its iconic hook step. As she encourages Shah Rukh to join in, he adorably admits that he doesn't remember the dance move, but he can't help but compliment her, saying, "People say you dance wonderfully."

This heartwarming interaction is a reminder of the magical chemistry between SRK and Anushka, who have shared the screen in four films: Rab Ne Bana Di Jodi (2008), Jab Tak Hai Jaan (2012), Jab Harry Met Sejal (2017), and Zero (2018). Their on-screen pairing has been adored by audiences, with 'Rab Ne Bana Di Jodi' being one of the highest-grossing films of 2008 and a major milestone in Anushka's career. Released on December 12, 2008, the film remains one of Bollywood's most cherished romantic comedies, with both Shah Rukh's dual role as Surinder Sahni and Raj and Anushka's portrayal of Taani Gupta winning hearts. The film's music, featuring hits like 'Haule Haule,' 'Dance Pe Chance,' and 'Tujhme Rab Dikhta Hai,' continues to be a favorite among fans. As Anushka gears up for her next project, 'Chakda 'Xpress', a biopic of former Indian cricketer Jhulan Goswami, the excitement for her return is palpable. Directed by Prosit Roy, the film's release date is eagerly awaited. Meanwhile, SRK will soon be seen in King, which will reportedly also star his daughter Suhana Khan and Munjya star Abhay Verma.

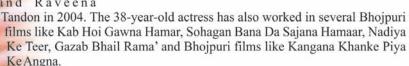
Kashami esal's

Reaction To Video Of Hindu **Girl Being Attacked Viral**

angladesh is in turmoil after former Prime Minister Sheikh Hasina fled her country. The nation is currently in chaos due to violence and political instability. The minorities especially Hindus are at the centre of the atrocities by the majorities of the nation. Numerous TV and Bollywood celebs have reacted to the ongoing violence in Bangladesh. In the list of the actors who raised their voices against such atrocities, actress Rashami Desai is the new name in the list. Uttaran fame actress took the stand for a Hindu girl who was allegedly attacked and thrown in the pond.Rashami Desai shared a video of a Hindu girl who was allegedly attacked by the Muslims of Bangladesh. The screenshot of the story read that a group of Muslims caught a Hindu girl, insulted her and threw her in the pond. Angered by the post, Rashami Desai wrote, "Why humans are trying to become God or a demon? There is a lot to face in life. Karma comes back," with a

heartbreak emoji. The video was posted by a news channel named United India News.

Rashami, who hails from Assam, started her acting career in 2002 with the Assamese film Kanyadaa. She made her Bollywood debut with the romantic mystery Yeh Lamhe Judai Ke alongside Shah Rukh Khan and Raveena



Rashami Desai made her television debut with the Hindi mythological drama series Raavan in 2006. She played the role of Rani Mandodari. She got her first big break with the serial Pari Hoon Main in 2008. She played a double role in the film.Rashami Desai was also the winner of the reality show Zara Nachke Dikha 2 and later participated in Jhalak Dikhhla Jaa, Comedy Ka Maha Muqabla', Fear Factor: Khatron Ke Khiladi 6, Nach Baliye, Bigg Boss 13 and Bigg Boss 15. She was last seen in the show Entertainment Ki Raat Housefull and the film JNU: Jahangir National University.

Vicky Kaushal

Rashmika Mandanna Confirm Film Teaser To Drop On THIS Date

he teaser for Chhava, featuring Vicky Kaushal as the brave Chhatrapati Sambhaji Maharaj, is set to release on August 19. The teaser was shown before Stree 2, and it has already sent fans into a frenzy. The first look is a visual feast with intense war scenes, offering a powerful introduction to Vicky as the formidable son of the legendary Chhatrapati Shivaji Maharaj. The actors took to social media to share the title of the film and mentioned that the teaser will officially be out tomorrow. The teaser, that

Directed by Laxman Utekar, known for work in films like Mimi (2021) and Luka

between Utekar and Vicky Kaushal following their recent comedy-romance hit Zara Hatke Zara Bachke (2023). Chhava is a historical drama that revolves around the life of Chhatrapati Sambhaji Maharaj, the son of Chhatrapati Shivaji Maharaj. In the film, Vicky Kaushal is set to portray the character of Chhatrapati Sambhaji Maharaj, the eldest son of the Maratha empire's founder. On the other hand, Rashmika Mandanna takes on the role of Yesubai Bhonsale in the film. The film also stars Akshaye Khanna, Ashutosh Rana, and Divya Dutta in key roles. According to a report by Pinkvilla, actor Neil Bhoopalam has also been roped in to portray the character of a Mughal prince in the film.

was attached to Stree 2, features intense war scenes, showcasing Vicky Kaushal in a powerful and commanding role. His portrayal of the Maratha emperor is both regal and convincing. While comparisons to Ranveer Singh's role in Bajirao Mastani may arise, Vicky's performance aims to stand out on its own. In Chhava, Vicky Kaushal takes on the challenging role of Chhatrapati Sambhaji Maharaj, while Rashmika Mandanna stars as his wife, Yesubai Bhonsale. Set to release on December 6, the film wrapped up filming earlier this year and is already generating a lot of buzz. Chuppi (2019), Chhava marks another collaboration

